राष्ट्रीय दैनिक

प्रात:किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 युवाओं को उस्ताद बिस्मिल्लाह खान के जीवन ...

अब गरीब, युवा, महिला और किसान विकास ... 09

वर्ष : 14 | अंक : 135 | पटना, सोमवार, 24 अगस्त, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

कुशल युवा कार्यक्रम के तहत 12 लाख युवाओं को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया

मेगा जॉब फेयर: 20,226 युवक-युवतियों को मिला रोजगार : सम्राट

■ बिहार कौशल विकास मिशन के माध्यम से 25 लाख युवाओं को प्रशिक्षित किया गया

प्रात: किरण

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को युवा, रोजगार एवं कौशल विभाग द्वारा निजी क्षेत्र में बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज, इंश्योरेंस, रिटेल एवं अन्य संबद्ध क्षेत्रों में आयोजित मेगा जॉब फेयर-2026 के नियुक्ति पत्र वितरण एवं समापन समारोह का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। सम्राट अशोक कन्वेंशन केंद्र परिसर स्थित ज्ञान भवन के भूतल पर आयोजित मेगा जॉब फेयर में मुख्यमंत्री ने विभिन्न नियोक्ताओं द्वारा लगाए गए स्टॉल का अवलोकन किया। उन्होंने रोजगार के लिए इंटरव्यू देने आए युवक-युवतियों से बातचीत की तथा उनके कैरियर एवं रोजगार से संबंधित जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने एआई इनेबल्ड कियोस्क के माध्यम से युवाओं को कैरियर एवं रोजगार तलाशने में मिल रही सहायता की भी जानकारी ली। समारोह में मुख्यमंत्री ने नियोक्ताओं द्वारा चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। साथ ही मुख्यमंत्री प्रतिज्ञा इंटर्नशिप के लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले नियोक्ताओं को सम्मानित किया। उन्होंने चीन के शंघाई में आयोजित होने वाली विश्व कौशल प्रतियोगिता-2026 में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले इंडिया स्किल विजेताओं को भी सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने मेगा जॉब फेयर-2026 से संबंधित कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया। मुख्यमंत्री के समक्ष मेगा जॉब फेयर-2026 पर आधारित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। मुख्यमंत्री ने रिमोट के माध्यम से बिहार मानसिक स्वास्थ्य एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान, भोजपुर में मानसिक रोग से स्वस्थ हुए व्यक्तियों के पुनर्वास हेतु प्रशिक्षण केंद्र तथा दिव्यांगजन एवं ट्रांसजेंडर समुदाय के व्यक्तियों के कौशल विकास एवं आजीविका संवर्द्धन हेतु प्रशिक्षण केंद्र तथा प्रस्थान पूर्व उन्मुखीकरण प्रशिक्षण केंद्र का भी शुभारंभ किया।

प्रत्येक जिले में नियोजन मेले की व्यवस्था की जाएगी : कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मेगा जॉब फेयर में 115 से अधिक नियोक्ताओं की सहभागिता के माध्यम से 20,226 युवक-युवतियों को रोजगार के अवसर प्राप्त हुये। इनमें 3,940 युवाओं को बिहार में ही रोजगार मिला, 36 दिव्यांगजनों को भी रोजगार के अवसर प्राप्त हुये तथा 476 युवा विदेशों में रोजगार के लिये चयनित किये गये। उन्होंने सभी चयनित युवाओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रोजगार मिलने से उनके जीवन में बदलाव आएगा। उन्होंने कहा कि पहले बिहार में प्रदेश एवं प्रमंडल स्तर पर नियोजन मेले आयोजित किए जाते थे। अब सरकार ने निर्णय लिया है कि अगले वर्ष से बिहार के प्रत्येक जिले में नियोजन मेले की व्यवस्था की जाएगी। बिहार के युवा कौशलयुक्त होकर रोजगार प्राप्त कर रहे हैं, यह गौरव की बात है। बिहार की प्रतिभाएं देश के अन्य राज्यों के साथ-साथ विदेशों में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी

पांच वर्षों में एक करोड़ लोगों को नौकरी एवं रोजगार से जोड़ने का लक्ष्य: ुख्यमंत्री ने कहा कि अगले पांच वर्षों में एक करोड़ लोगों को नौकरी एवं रोजगार से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है। सरकार की कोशिश है कि किसी व्यक्ति को जीवन-यापन के लिए बिहार से बाहर जाने की आवश्यकता न पड़े। उन्होंने कहा कि वर्ष 2020 में एनडीए सरकार ने 10 लाख लोगों को नौकरी और 10 लाख लोगों को रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित किया था। इस दौरान साढ़े 11 लाख लोगों को सरकारी नौकरी एवं 51 लाख लोगों को रोजगार से जोड़ा गया। उन्होंने कहा कि बिहार में उद्योग, इंफ्रास्ट्रक्चर और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए हर स्तर पर काम किया जा रहा है। पटना में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर बनाने के लिए भारत सरकार से आग्रह किया गया है ताकि दुनिया के लोगों को बिहार में बुलाकर यहां के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध करायी जा सके।

युवाओं को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही : मुख्यमंत्री ने कहा कि पीपीपी मोड पर 126 किलोमीटर लंबे मरीन ड्राइव निर्माण की दिशा में काम किया जा रहा है। इस परियोजना की लागत लगभग 70 हजार करोड़ रुपये है, जिसमें बिहार सरकार 20 हजार करोड़ रुपये तथा निजी क्षेत्र 50 हजार करोड़ रुपये का योगदान करेगा। बिहार में युवाओं को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। राज्य में 5 रुपए में पॉलिटेक्निक तथा 10 रुपए में इंजीनियरिंग की पढ़ाई की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। युवाओं को लैंग्वेज क्लासेस की सुविधा भी दी जा रही है, ताकि वे विदेशों में भी आसानी से रोजगार प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि सहयोग कार्यक्रम के तहत अब तक 6 लाख 42 हजार आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 96 प्रतिशत आवेदनों का निष्पादन किया जा चुका है। प्रत्येक आवेदन का 30 दिनों के अंदर निष्पादन सुनिश्चित किया जाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चीन के शंघाई में विश्व कौशल प्रतियोगिता-2026 का आयोजन हो रहा है। भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिभागियों को मेरी शुभकामनाएं हैं। उन्होंने कहा कि बिहार कौशल विकास मिशन के माध्यम से 25 लाख युवाओं को प्रशिक्षित किया गया है, जबकि कुशल युवा कार्यक्रम के माध्यम से 12 लाख युवाओं को प्रमाण पत्र प्रदान किया जा चुका है। आजादी से अब तक बिहार में कुल 278 डिग्री कॉलेज थे। राज्य सरकार ने 15 जुलाई को एक साथ 211 डिग्री कॉलेजों में पठन-पाठन का शुभारंभ कराया है। इससे अब विद्यार्थियों को प्रखंड स्तर पर ही डिग्री कॉलेज में पढ़ाई की सुविधा मिलने लगी है। राज्य में 511 मॉडल स्कूल खोले गए हैं, जिनमें लाइव क्लासेस की शुरूआत भी कराई गई है। मॉडल स्कूल के बच्चों के लिए रात 11 बजे भी ऑनलाइन शिक्षक उपलब्ध हों, ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की गयी है। उन्होंने कहा कि आपके जीवन में रोजगार का अवसर आया है। पूरी जिम्मेदारी के साथ अपनी भूमिका का निर्वहन करें और अपनी मेहनत एवं प्रतिभा का प्रदर्शन करें। आपकी सफलता से आपका परिवार गौरवान्वित होगा तथा अन्य युवाओं को प्रेरणा मिलेगी। यदि आप खुशहाली चाहते हैं तो स्किल्ड बनें और सीखने की आदत डालें। सीखने की कोई उम्र नहीं होती। जब कौशलयुक्त होंगे तभी आगे बढ़ेंगे और सक्षम बनेंगे।मुख्यमंत्री ने कहा कि नरेंद्र मोदी तथा पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सपनों को पूरा करने के लिए राज्य सरकार लगातार काम कर रही है। सभी के योगदान से बिहार को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाया जाएगा। युवा, रोजगार एवं कौशल विभाग के सचिव कौशल किशोर ने मुख्यमंत्री को पौधा, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत किया।

अंतरिक्ष क्षेत्र में काम कर रहीं निजी कंपनियां अनुसंधान और नवोन्मेष का माहौल बनाएं : मोदी

■ प्रधानमंत्री ने अंतरिक्ष क्षेत्र में काम करने वाली 20 स्टार्टअप के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और संस्थापकों के साथ की बातचीत

प्रात: किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में कार्य कर रहीं निजी कंपनियों से अपने ईर्द-गिर्द अनुसंधान के लिए माहौल बनाने की अपील की ताकि दुनिया भर के लोग करियर बनाने के उद्देश्य से भारत आने के लिए प्रेरित हों। प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को अंतरिक्ष क्षेत्र में काम करने वाली 20 स्टार्टअप के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और संस्थापकों के साथ बातचीत की। इस दौरान उन्होंने अंतरिक्ष क्षेत्र में काम करने वाली कंपनियों के समक्ष भारत की लागत-प्रतिस्पर्धात्मकता को भी रेखांकित किया। प्रधानमंत्री और अंतरिक्ष स्टार्टअप के पदाधिकारियों एवं संस्थापकों के साथ संवाद की जानकारी रविवार को दी गई। इसके अनुसार मोदी ने रेखांकित किया कि देश के विशाल प्रतिभा आधार और जोखिम उठाने की अधिक क्षमता की वजह से भारत वैश्विक अंतरिक्ष क्षेत्र में तेजी से मजबूत स्थिति बना पाएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया अब भारतीय स्टार्टअप पर नजर रखे हुए हैं और वह जानना चाहती है कि इस क्षेत्र में कौन आगे है। उन्होंने कहा कि क्योंकि जब भी कोई बड़ी कामयाबी मिलती है, तो लोगों का ध्यान तुरंत उस ओर चला जाता है। एक सीईओ ने प्रधानमंत्री को बताया कि भारत में निजी कंपनियों के लिए अंतरिक्ष उद्योग के द्वार खोले जाने के बाद से बहुत सकारात्मक रुझान देखने को मिले हैं और अमेरिका और यूरोप में रहने वाले कई भारतीय नागरिक अब देश वापस आकर काम करना चाहते हैं। इसके जवाब में मोदी ने कहा, हमें बहुत से लोगों से जुड़ने की जरूरत है। जो लोग विदेश गए थे, वे अब वापस आ रहे हैं। मेरा मानना है कि हमें ऐसा माहौल बनाना चाहिए जिससे दुनिया भर के लोगों को यह लगे कि अगर उन्हें अपना करियर बनाना है, तो उन्हें भारत जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया भर के ऐसे लोगों को यह महसूस होना चाहिए कि उन्हें भारत में किसी स्टार्टअप और भारत की किसी अंतरिक्ष एजेंसी से जुड़ना चाहिए।

उन्होंने कहा, मेरा पुख्ता विश्वास है कि आपकी वजह से हम चुंबक की तरह सभी मेधावियों को अपनी ओर आकर्षित कर सकते हैं, और यह हमारे लिए एक बहुत बड़ी ताकत बन सकता है। प्रधानमंत्री ने अंतरिक्ष स्टार्टअप के उन सीईओ की तारीफ की जिन्होंने एक नए क्षेत्र में कदम रखने का साहस दिखाया। मोदी ने कहा कि सबसे बड़ी बात यह है कि उन्होंने सरकार की बात पर भरोसा किया। उन्होंने कहा, मेरी हमेशा से यही राय रही है कि हम जो भी फैसला लें, उस पर अडिग रहें और बार-बार बदलाव करने से बचें। इससे खतरा लेने वाले लोगों को यह भरोसा रहता है कि अगर उनसे कोई गलती हो भी जाए और उससे कोई समस्या खड़ी हो, तो भी कोई उन्हें अकेला नहीं छोड़ेगा। हमारा उद्देश्य यही भरोसा कायम करना है। मोदी ने कहा कि लागत के मामले में भारत बहुत प्रतिस्पर्धी है और प्रतिभा को लेकर कोई सवाल ही नहीं है। उन्होंने कहा, हम लागत के मामले में बहुत प्रतिस्पर्धी हैं। प्रतिभा को लेकर कोई सवाल ही नहीं है, और हमारे लोगों में स्वाभाविक रूप से जोखिम उठाने की क्षमता अधिक होती है। इन्हीं वजहों से हम बहुत तेजी से अपनी जगह बना सकते हैं। कंपनियों के सीईओ ने कहा कि भारत की पहली अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी यूनिकॉर्न (यूनीकॉर्न का अभिप्राय एक अरब डॉलर से अधिक पूंजी आधार की कंपनी), स्काईरूट एयरोस्पेस ने सफलतापूर्वक भारत का पहला निजी रॉकेट कक्षा में भेजा और यह तो बस शुरूआत है। सीईओ ने कहा कि वे 2027 के मध्य तक हर महीने एक प्रक्षेपण का लक्ष्य रख काम कर रहे हैं। उन्होंने निजी कंपनियों के लिए अंतरिक्ष क्षेत्र खोलने के लिए प्रधानमंत्री का धन्यवाद किया और कहा कि अब तक हर महीने एक रॉकेट बनाने की क्षमता वाली फैक्ट्रियां बनाई गई हैं। सीईओ ने कहा कि यह तो बस शुरूआत है और सपना हर हफ्ते एक प्रक्षेपण करने का है, और आगे चलकर हर दिन कई प्रक्षेपण करने का है। मोदी ने जब सवाल किया कि क्या निवेशकों में भरोसा है, तो एक सीईओ ने कहा कि स्काईरूट के पहले प्रक्षेपण के बाद निवेशकों का भरोसा काफी बढ़ गया है। प्रधानमंत्री ने इसपर कहा, ह्यह्ययह बहुत अच्छी बात है। उन्होंने साथ ही सवाल किया कि क्या यह रास्ता अंतरिक्ष स्टार्टअप के लिए फयदेमंद साबित हो रहा है? इस पर एक सीईओ ने कहा, यह बहुत फायदेमंद है। एक सीईओ ने कहा कि अगले 18 महीनों के लिए उनका दृष्टिकोण एक वैश्विकी जमीनी स्टेशन नेटवर्क बनाना है। एक अन्य सीईओ ने कहा कि पहला प्रक्षेपण करने के बाद, कंपनी को गत महीने में आठ प्रक्षेपण ठेके मिले, जिनमें से अधिकतर अंतरराष्ट्रीय हैं।

बिहार की परीक्षाओं में सुधार के लिए 5 सदस्यीय विशेष समिति होगी गठित

■ बिहार कौशल विकास मिशन के माध्यम से 25 लाख युवाओं को प्रशिक्षित किया गया

प्रात: किरण

पटना। राज्य सरकार के अधीन विभिन्न परीक्षा बोर्ड, आयोगों, विश्वविद्यालयों एवं अन्य भर्ती एजेंसियों के स्तर से आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं में व्यापक परीक्षा सुधार के लिए परीक्षा सुधार पर एक विशेषज्ञ समितिह्न के गठन का निर्णय लिया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी है। इस कमेटी के गठन का मुख्य मकसद परीक्षा प्रणाली को अधिक विश्वसनीय बनाने के लिए खास प्रयास करना है। गठन के तीन महीने के कमेटी को अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपनी होगी। ताकि इसे फौरी तौर पर लागू किया जा सके। इस कमेटी से प्राप्त अनुशंसाओं की मदद से राज्य में परीक्षाओं को अधिक पारदर्शी बनाने और बिना किसी बाधा के इसे समय पर पूर्ण करने में मदद मिलेगी। इससे मुख्यमंत्री सम्राट सरकार की आगामी पांच वर्षों में 1 करोड़ रोजगार देने की घोषणा को समय पर देने को गति मिलेगी। इस अधिसूचना के अनुसार, परीक्षाएं अभ्यर्थियों की क्षमता का आकलन करने, पात्रता निर्धारित करने तथा उच्च शिक्षा एवं सार्वजनिक रोजगार के लिए योग्य उम्मीदवारों के चयन का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। वर्तमान समय में अभ्यर्थियों की बढ़ती संख्या, माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा के विस्तार, प्रतियोगी परीक्षाओं में बढ़ती प्रतिस्पर्धा, डिजिटल तकनीक के उपयोग तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के आगमन के कारण परीक्षा प्रक्रिया का स्वरूप अधिक जटिल हुआ है। इसका ध्यान रखते हुए राज्य में वर्तमान परीक्षा प्रणाली की व्यापक समीक्षा कर ऐसी व्यवस्था विकसित करने का प्रयास किया जाएगा, जो निष्पक्ष, सुरक्षित, पारदर्शी, तकनीकी रूप से सक्षम, समयबद्ध, योग्यता-उन्मुख, सुलभ और विश्वसनीय हो।

इन परीक्षाओं की होगी समीक्षा: समिति आवश्यकता के अनुसार बिहार में आयोजित होने वाली निम्न श्रेणी की परीक्षाओं की जांच कर अनुशंसाएं कर सकती है–

1. माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक परीक्षाएं।
2. विश्वविद्यालयों की परीक्षाएं।
3. व्यावसायिक एवं तकनीकी परीक्षाएं।
4. प्रवेश एवं पात्रता परीक्षाएं।
5. भर्ती एवं प्रतियोगिता परीक्षाएं।

साथ ही संवैधानिक एवं वैधानिक परीक्षा और भर्ती निकायों की वैधानिक स्वायत्तता का सम्मान करते हुए समन्वय एवं साझा सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने के लिए संस्थागत तंत्र की अनुशंसा भी समिति करेगी।

परीक्षा प्रशासन और जवाबदेही पर खास जोर: समिति बिहार में परीक्षाओं के संचालन से जुड़े मौजूदा संस्थागत ढांचे और आधारभूत संरचनाओं की समीक्षा करेगी। परीक्षा बोर्डों, आयोगों, विश्वविद्यालयों, विभागों, जिला प्रशासन तथा परीक्षा केंद्रों की भूमिकाओं एवं जिम्मेदारियों की भी समीक्षा की जाएगी। परीक्षा प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में विफलता के लिए जवाबदेही तय करने तथा व्यवस्था में आवश्यक सुधार के लिए भी समिति अनुशंसा करेगी।

रक्षा क्षेत्र में किसी भी देश पर निर्भर नहीं रह सकते: राजनाथ

प्रात: किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि अब हमारी सोच यह नहीं होनी चाहिए कि भारत को दुनिया से क्या खरीदना है। हमारी सोच यह होनी चाहिए कि दुनिया भारत से क्या खरीदना चाहती है। स्वदेशी हथियार हमारे लिए कितने जरूरी हैं, इसका उदाहरण हमें ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दिखा। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने भारत की स्वदेशी हथियार प्रणालियों की क्षमता देखी। राजनाथ सिंह ने यह बात रविवार को पांच रक्षा प्रोजेक्टों का शिलान्यास करने के दौरान कहीं। जिनका शिलान्यास किया गया वे पश्चिम बंगाल स्थित जीआरएसई और यंत्र इंडिया लिमिटेड की 5 नई फैसिलिटी हैं। जीआरएसई देश के प्रमुख युद्धपोत निर्माण प्रतिष्ठानों में शामिल है। जीआरएसई के पास 800 से अधिक जहाजों के निर्माण का अनुभव है। यहां राजनाथ सिंह ने कहा, हमारा लक्ष्य होना चाहिए कि क्वालिटी ऐसी कि दुनिया भरोसा करे, कीमत ऐसी कि दुनिया चुने और डिलीवरी ऐसी कि दुनिया बार-बार ऑडर करे। उन्होंने बताया जीआरएसई पास तकनीकी जानकारी है, कुशल कार्यबल है और अब विस्तारित क्षमता भी होगी। आपको इसका पूरा उपयोग करना होगा। आप अभी नौसेना के ऑर्डर के साथ-साथ, एक जर्मन कंपनी के लिए 12 मालवाहक जहाज बना रहे हैं। यह बिल्कुल हमारी मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड, विजन के अनुरूप है। जैसे-जैसे आपकी क्षमता बढ़ेगी, आपको घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों ही बाजारों में अधिक आक्रामक बोली लगानी होगी।

भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का आकार अगले एक दशक में 40-45 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान

प्रात: किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था 9 अरब डॉलर तक पहुंच गई है और मजबूत स्टार्टअप इकोसिस्टम एवं नीतिगत सुधारों के चलते अगले दशक में इसके 40-45 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। यह जानकारी सरकार की ओर से जारी ताजा डेटा में सामने आई। भारत रविवार को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस ऐसे अवसर पर मनाया जा रहा है, जब देश का अंतरिक्ष इकोसिस्टम तेजी से विस्तार कर रहा है। पंजीकृत अंतरिक्ष स्टार्टअप की संख्या इस साल अगस्त तक बढ़कर करीब 440 हो गई है, जो 2014 में सिर्फ 1 थी। भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी निवेश लगभग छह गुना बढ़ा है। यह वित्त वर्ष 2021-22 में 100.5 मिलियन डॉलर से बढ़कर 31 मार्च 2026 तक 618.5 मिलियन डॉलर हो गया। अकेले 2026 में अब तक 187 मिलियन डॉलर का निवेश दर्ज किया गया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 2026 के मध्य तक 52 गैर-सरकारी संस्थाओं (एनजीई) को 113 ऑथराइजेशन दिए जा चुके हैं। इनमें 18 स्टार्टअप हैं, जिन्हें उपग्रह संचालन, पेलोड स्थापित करने और लॉन्च सेवाओं के लिए अनुमति मिली है। भारत ने 2020 में अपने अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी क्षेत्र के लिए खोल दिया था। इससे उपग्रहों, लॉन्च सिस्टम और अंतरिक्ष अनुप्रयोगों के क्षेत्र में उद्योगों और स्टार्टअप्स की भागीदारी संभव हुई। इसे भारत के व्यापक राष्ट्रीय अंतरिक्ष इकोसिस्टम की दिशा में एक बड़ा बदलाव माना गया है।

श्रावणी मेला आस्था, एकता और संकल्प का अद्भूत प्रतीक है : मुख्यमंत्री

प्रात: किरण

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को लोक सेवक स्थित संकल्प सभागार से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भागलपुर जिला के सुल्तानगंज के धानिक बेलारी पंचायत में श्रावणी मेला के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुये। इस अवसर पर सुल्तानगंज में भव्य ड्रोन शो का आयोजन किया गया।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रावणी मेला के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में आप सभी का स्वागत करता हूं। श्रावणी मेला केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था, एकता और संकल्प का अद्भूत प्रतीक है। भागलपुर, बांका और मुंगेर जिले में लगभग 100 किलोमीटर की यात्रा में एक-एक व्यक्ति किसी न किसी रूप में श्रावणी मेला से जुड़ता है। सुल्तानगंज से गंगा जल लेकर शिवभक्त कांवरिया बोल बम के नारे के साथ बाबा बैद्यनाथ धाम में भगवान शिव को जल अर्पित करते हैं। यह विश्व के सबसे बड़े समाजवाद का उदाहरण है, जिसमें एक बोली, एक कपड़ा और एक लक्ष्य होता है। श्रद्धालु पूरी भक्ति भावना के साथ भगवान शिव की आराधना में लीन होते हुये पैदल यात्रा कर बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंचते हैं। इस कठिन यात्रा के दौरान इस क्षेत्र के लोग पूरी श्रद्धा के साथ श्रद्धालुओं की सेवा करते हैं। मैं इस क्षेत्र के लोगों को भी धन्यवाद देता हूं कि इस पवित्रमय यात्रा में अपना योगदान देते हैं। इस क्षेत्र के लोगों को भी श्रावणी मेला का लाभमिलता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जिस जगह पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ है, भागलपुर, मुंगेर और बांका का संगम स्थल है। मेरा घर भी धानिक बेलारी पंचायत के लखनपुर गांव में पड़ता है। मैं भागलपुर प्रशासन को श्रावणी मेला के बेहतर आयोजन के लिये बधाई देता हूं। हम सब यही चाहते हैं कि श्रावणी मेले का बेहतर ढंग से आयोजन होता रहे। श्रद्धालु सुरक्षित होकर सुगमतापूर्वक अपनी यात्रा करें। श्रावणी मेला के दौरान मैंने प्रशासन को स्वास्थ्य, बिजली, पेयजल, शौचालय सहित अन्य सुविधाओं की बेहतर व्यवस्था का निर्देश दिया है। श्रद्धालुओं से मुझे जो जानकारी मिली, उसमें बेहतर सुविधाओं की व्यवस्था की गयी है। साथ ही पैदल पथ पर अच्छे बालू का इंतजाम किया गया है। जीविका दीदियों ने भी श्रद्धालुओं के लिये सस्ती दर पर भोजन का इंतजाम किया है, हम उन्हें भी बधाई देते हैं। श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा भी करायी गयी है, इसके लिये पर्यटन विभाग को भी बधाई देते हैं। उन्होंने कहा कि सुल्तानगंज ब्रिज नवंबर 2027 में चालू होगा, जबकि बाढ़ के कारण भागलपुर के बिक्रमशीला पुल की मरम्मती का कार्य 15 दिनों बाद पुनः शुरू किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी कामना है कि भगवान शिव की कृपा हम सब पर बनी रहे, बिहार समृद्ध हो और हमारा देश विकसित हो। ड्रोन के माध्यम से लेजर शो का भी आयोजन किया जा रहा है। सभी श्रद्धालु और इस क्षेत्र के लोग इसका आनंद उठायें। उन्होंने कहा कि मैं स्वयं सुल्तानगंज आकर श्रद्धालुओं के बीच उपस्थित होना चाहता था लेकिन पटना में अत्यधिक कार्यक्रम होने के कारण वहां नहीं आ सके। श्रद्धालुओं की भावना और उनकी आस्था के साथ मैं पूरी तरह जुड़ा हुआ हूं।

श्रद्धांजलि मुख्यमंत्री ने अमर शहीद रामचंद्र विद्यार्थी को श्रद्धांजलि अर्पित की

तीन माह में माटी कला बोर्ड का किया जायेगा गठन : मुख्यमंत्री

प्रात: किरण

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में बिहार कुम्हार (प्रजापति) समन्वय समिति द्वारा आयोजित अमर शहीद रामचन्द्र विद्यार्थी का शहादत दिवस तथा नवनिर्वाचित विधान पार्षदों के अभिनंदन समारोह का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने अमर शहीद रामचन्द्र विद्यार्थी चित्र पर पष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार कुम्हार (प्रजापति) समन्वय समिति द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में आप सभी का अभिनंदन करता हूं। इस अवसर पर अमर शहीद रामचन्द्र विद्यार्थी जी के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं। 13 वर्ष की आयु में अमर शहीद रामचन्द्र विद्यार्थी जी ने देश की आजादी के लिये अपने प्राणों की आहूति दी। अमर शहीद रामचंद्र विद्यार्थी जी का जीवन और उनका बलिदान हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को याद करना और उनके आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी का दायित्व है। आज तीन वीर शहीदों को याद करने का दिन है। पंडित राजकुमार शुक्ल जी और अमर शहीद रामफल मंडल जी को भी श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें नमन करता हूं।

माटी कला से जुड़े कारीगरों के हित में योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाएगा: मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रजापति समाज कैसे आगे बढ़े, इसकी चिंता हमलोग कर रहे हैं। प्रजापति समाज वह समाज है जो साधारण मिट्टी को भी गढ़कर मूर्ति का रूप देता है। कुम्हार (प्रजापति) समाज ने अपनी कला, श्रम और हुनर के माध्यम से सदियों से हमारी संस्कृति और परंपरा को समृद्ध किया है। बिहार को सजाने संवारने तथा विकास की नई रूपरेखा तैयार कर आगे बढ़ाने के लिये हम सबको मिलकर काम करना होगा। इस प्रजापति समाज से हमारी दो बहनें शीला पंडित और शिवरानी प्रजापति को विधान पार्षद के रूप में जिम्मेवारी मिली है। हमारा इनसे आग्रह है कि आप लोगों के बीच जाकर इस समाज के विकास और न्याय के लिये जो भी बन पड़े, वह करें।

जहां जरूरत होगी, इस समाज को आगे बढ़ाने तथा न्याय दिलाने के लिये हम खड़े हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार की माटी कला हमारी समृद्ध लोक एवं पारंपरिक संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस पारंपरिक कला को संरक्षण एवं प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से अगले तीन माह में माटी कला बोर्ड का गठन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि माटी कला बोर्ड के माध्यम से कुम्हार (प्रजापति) समाज एवं माटी कला से जुड़े कारीगरों के हित में योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाएगा। कारीगरों को आधुनिक तकनीक एवं प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के साथ उनके उत्पादों के बेहतर विपणन और बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में भी पहल की जाएगी।

सरकार समाज के सभी वर्गों के विकास, सम्मान और सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार समाज के सभी वर्गों के विकास, सम्मान और सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्ध है। बिहार के सभी लोगों को 125 यूनिट बिजली दी जा रही है। वृद्धा पेंशन की राशि 400 रुपए से बढ़ाकर 1100 रुपए की गयी है। सहयोग शिविर के माध्यम से किसी समस्याओं का समाधान के लिये दिये जाने वाले आवेदनों का निष्पादन 30 दिनों के अंदर किया जा रहा है। 30 दिनों के अंदर जो भी अधिकारी, कर्मचारी आवेदन पर आदेश नहीं देते हैं तो उन पर कार्रवाई करने का प्रावधान है। अब तक साढ़े छह लाख आवेदनों का निष्पादन किया जा चुका है। कोसी, गंडक, गंगा नदी के दोनों किनारों को व्यवस्थित करना है। युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिये सरकार लगातार काम कर रही है। 1 करोड़ 81 लाख बहनों के खाते में मुख्यमंत्री रोजगार योजना के तहत 10 हजार रुपए की राशि अंतरित की गयी है ताकि वे अपना रोजगार शुरू कर सकें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत तथा पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के समृद्ध बिहार के सपनों को पूरा करने के लिये हम सभी को एकजुट होकर काम करना होगा।

बिहार को आगे बढ़ाने के लिये हम सभी को काम करने की गति और बढ़ानी होगी। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री को अंगवस्त्र, प्रतीक चिह्न एवं पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया।इस अवसर पर खान एवं भूतत्व सह कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ प्रमोद कुमार, राज्यसभा सांसद डॉ भीम सिंह, विधायक आलोक सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

एम्स पटना में राष्ट्रीय हैंड सर्जरी दिवस पर कार्यशाला आयोजित

जल्द शुरू होगी हैंड ट्रांसप्लांट सेवाः प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल

हैंड सर्जरी के क्षेत्र में एम्स पटना की बड़ी पहलः प्रो. (डॉ.) वीणा सिंह के नेतृत्व में दो दिवसीय सीएमई एवं वर्कशॉप संपन्न

- एम्स पटना में दो दिवसीय राष्ट्रीय हैंड सर्जरी वर्कशॉप एवं सीएमई का सफल समापन

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान पटना के प्लास्टिक सर्जरी विभाग द्वारा राष्ट्रीय हैंड सर्जरी दिवस के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय वर्कशॉप एवं सीएमई का रविवार को सफलतापूर्वक समापन हो गया। इंडियन सोसाइटी फॉर सर्जरी ऑफ हैंड के तत्वावधान में 22 एवं 23 अगस्त को आयोजित इस कार्यक्रम में देश भर से कई प्रतिष्ठित चिकित्सकों, संकाय सदस्यों और प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। हैंड ट्रांसप्लांट कार्यक्रम की होगी जल्द शुरूआत कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन एम्स पटना के कार्यकारी निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल द्वारा किया गया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए डॉ. अग्रवाल ने घोषणा की कि एम्स पटना में जल्द ही हैंड ट्रांसप्लांट कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। उन्होंने इसे पुनर्निर्माण शल्य चिकित्सा (रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी) के क्षेत्र में संस्थान के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्नत शल्य तकनीकों और व्यावहारिक प्रशिक्षण पर जोर स्थिरता से कार्यक्षमता तक : हैंड सर्जरी में विकसित होती अवधारणाएँ विषय पर केंद्रित इस दो दिवसीय आयोजन का मुख्य उद्देश्य चिकित्सकों के व्यावहारिक एवं वैज्ञानिक प्रशिक्षण को सुदृढ़ बनाना था। साथ ही, इसका उद्देश्य आम जनता में हाथ की चोटों एवं विकृतियों के समय पर उपचार, पुनर्निर्माण (रिकंस्ट्रक्शन) और पुनर्वास (रिहैबिलिटेशन) के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी रहा।

दो दिवसीय सत्र की प्रमुख गतिविधियां

पहला दिन (22 अगस्त) फ्रैक्चर फिक्सेशन एवं विभिन्न आधुनिक शल्य तकनीकों पर व्यावहारिक हैंड्स-ऑन वर्कशॉप का आयोजन किया गया। दूसरा दिन (23 अगस्त) ब्रैकियल प्लेक्सस, माइक्रोसर्जरी तथा नसों की जटिल सर्जरी से संबंधित विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा गहन व्याख्यान दिए गए।

कुशल नेतृत्व में आयोजन संपन्न

इस सफल कार्यक्रम का नेतृत्व प्लास्टिक सर्जरी विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) वीणा सिंह ने किया। कार्यक्रम को सुचारू रूप से आयोजित करने में डॉ. अंसारुल हक, डॉ. सरसिज शर्मा, डॉ. विश्वदीप एवं डॉ. कुलदीप सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पुलिस अधिकारियों को दी गई मेडिको लीगल ट्रेनिंग

पटना। सही साक्ष्य, वैज्ञानिक जांच और न्याय की मजबूत नींव। इन्हीं उद्देश्यों के साथ एम्स पटना के फॉरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी विभाग ने शनिवार, 22 अगस्त 2026 को पुलिस उपाधीक्षकों के पहले बैच के लिए आधे दिन का मेडिको लीगल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। बिहार पुलिस अकादमी, राजगीर के समन्वय से आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को एम्स पटना के कार्यकारी निदेशक प्रो. (ब्रिग.) डॉ. राजू अग्रवाल का अनुमोदन एवं मार्गदर्शन प्राप्त था। कार्यक्रम में 34 वरिष्ठ पुलिस उपाधीक्षक अधिकारियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का फोकस केवल जानकारी देने तक सीमित नहीं रहा बल्कि पुलिस अधिकारियों को यह समझाने पर रहा कि मेडिकल और फॉरेंसिक साक्ष्य किस तरह किसी जांच की दिशा और परिणाम को प्रभावित कर सकते हैं। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को इंक्वेस्ट, मृत्यु के बाद होने वाले शारीरिक बदलाव, पोस्टमार्टम की वैज्ञानिक प्रक्रिया, साक्ष्यों के संग्रह एवं संरक्षण, जैविक नमूनों की हैंडलिंग तथा एफएसएल में उनके विश्लेषण सहित कई महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण को अधिक प्रभावी और व्यावहारिक बनाने के लिए पोस्टमार्टम प्रक्रिया का वीडियो प्रदर्शन भी किया गया। इससे अधिकारियों को यह समझने में मदद मिली कि पोस्टमार्टम के दौरान प्राप्त मेडिकल निष्कर्ष जांच में किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रशिक्षण के दौरान पुलिस उपाधीक्षक अधिकारियों ने एम्स पटना के नव स्थापित उन्नत फोरेंसिक म्युजियम और आधुनिक शवगृह परिसर का भी दौरा किया। अधिकारियों को फॉरेंसिक मेडिसिन में इस्तेमाल होने वाली आधुनिक सुविधाओं, प्रक्रियाओं और उनके व्यावहारिक महत्व से परिचित कराया गया। कार्यक्रम में आयोजित विशेष इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तर सत्र में पुलिस अधिकारियों ने जांच के दौरान सामने आने वाली विभिन्न मेडिको लीगल और फॉरेंसिक चुनौतियों को साझा किया। विशेषज्ञों ने उनके सवालों का जवाब देते हुए साक्ष्य संग्रह, पोस्टमार्टम निष्कर्ष, दस्तावेजीकरण और फॉरेंसिक रिपोर्ट की समझ से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की।

संक्षिप्त खबरें

बिजली चोरी की प्राथमिकी दर्ज

दनियावां। दनियावां विद्युत आपूर्ति प्रशाखा के कनीय अभियंता क्राउन विकास ने शाहजहांपुर थाना क्षेत्र के सिंगरियावां गांव में टीम के साथ छापामारी अभियान चलाया। इस क्रम में जितेंद्र पांडेय के घर में ऊर्जा-चोरी पकड़ी गई। जिसे लेकर उनके विरुद्ध शाहजहांपुर थाना में रू.28310/ के राजस्व क्षति का आकलन करते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। यह जानकारी कनीय अभियंता ने दी है।

इमामगंज थानाध्यक्ष पर लगाया मारपीट का आरोप

इमामगंज थाना क्षेत्र के मुंगीला गांव निवासी ग्राहक सेवा केंद्र संचालक राकेश कुमार ने इमामगंज थानाध्यक्ष रौशन कुमार पर दुर्व्यवहार, गाली-गलौज और मारपीट करने का गंभीर आरोप लगाया है। मामले को लेकर उन्होंने पटना के वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) और नगर पुलिस अधीक्षक, पटना पश्चिमी को लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। राकेश कुमार, पिता नरेश चौधरी, ने आवेदन में बताया कि वह मुंगीला गांव में ग्राहक सेवा केंद्र संचालित करते हैं। 19 अगस्त 2026 को सुबह करीब 10:27 बजे वह अपने आचरण प्रमाण पत्र के सत्यापन के सिलसिले में इमामगंज थाना पहुंचे थे। उन्होंने थानाध्यक्ष को आवेदन की पावती दिखाई। आरोप है कि इसी दौरान थानाध्यक्ष ने उनके साथ गाली-गलौज की और उन पर झूठे आरोप लगाए। राकेश कुमार का आरोप है कि जब उन्होंने इसका विरोध किया तो थानाध्यक्ष ने उनका कॉलर पकड़कर मारपीट की। साथ ही उनका मोबाइल फोन पटककर तोड़ दिया गया। उन्होंने गले में पहने सोने के लॉकेट को भी तोड़ने का आरोप लगाया है। पीड़ित के अनुसार, उन्हें झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी भी दी गई। आवेदन में राकेश कुमार ने बताया है कि घटना से संबंधित रिकॉर्डिंग उनके मोबाइल में मौजूद थी। उन्होंने रिकॉर्डिंग को पेन ड्राइव में सुरक्षित कर एसएसपी कार्यालय में दिए गए आवेदन के साथ संलग्न किया है। पीड़ित ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर इमामगंज थानाध्यक्ष के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

पालीगंज में सीओ पर लगाया गाली-गलौज व मारपीट का आरोप, थाने में दिया आवेदन

पालीगंज अंचल कार्यालय में जमाबंदी खुलवाने पहुंचे मसौढ़ी कला गांव निवासी कुंदन कुमार ने अंचलाधिकारी महेश कुमार पर गाली-गलौज और मारपीट करने का आरोप लगाया है। इस संबंध में उन्होंने पालीगंज थाने में लिखित आवेदन देकर मामले की जांच कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। थाने में दिए आवेदन के अनुसार कुंदन कुमार, पिता स्व. रामानुज सिंह, मसौढ़ी कला गांव के निवासी हैं। उन्होंने बताया कि 22 अगस्त 2026 को करीब तीन बजे वह अपनी जमाबंदी के संबंध में अंचल कार्यालय पहुंचे थे। आवेदन में कहा गया है कि उनके पिता के नाम से कायम जमाबंदी संख्या-11 को लॉक कर दिया गया है। इसे खोलने के अनुरोध को लेकर उन्होंने पूर्व में भी 3 अगस्त 2026 और 3 जून 2025 को आवेदन दिया था। कुंदन कुमार के अनुसार, इसी सिलसिले में वह अंचलाधिकारी से बात करना चाहते थे। उन्होंने वहां मौजूद अंचल गार्ड से अधिकारी से मुलाकात कराने का अनुरोध किया। आरोप है कि गार्ड के कहने पर अंचलाधिकारी महेश कुमार ने उन्हें अपने कार्यालय कक्ष में बुलाया। कुंदन का आरोप है कि कार्यालय कक्ष में अंचलाधिकारी ने उनके साथ गाली-गलौज की और मारपीट की।

फतुहा जंक्शन पर प्लेटफॉर्म नंबर का नहीं होने से यात्रियों को हो रही परेशानी

फतुहा। फतुहा जंक्शन पर अप-डाउन सभी ट्रेनों का परिचालन जारी है और यात्रियों का चढ़ना-उतरना लगातार लगा रहता है, लेकिन प्लेटफॉर्म नंबर बोर्ड स्पष्ट रूप से नहीं होने के कारण यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यात्रियों को यदि 2 या 3 नंबर प्लेटफॉर्म पर जाना होता है तो वे कई बार 6 नंबर प्लेटफॉर्म की ओर दौड़ पड़ते हैं, वहीं 6 नंबर प्लेटफॉर्म पर जाने वाले यात्री 2 और 3 नंबर प्लेटफॉर्म की ओर चले जाते हैं। इस दौरान यात्री वापस लौटकर एक-दूसरे से प्लेटफॉर्म की जानकारी पूछते नजर आते हैं। इससे विशेषकर ट्रेन पकड़ने की जल्दी में रहने वाले यात्रियों को काफी परेशानी होती है और ट्रेन छूटने का भी डर बना रहता है। इस संबंध में समाजसेवी एवं राजद नेता मंटू कुमार यादव ने संबंधित रेल प्रशासन से मांग की है कि फतुहा जंक्शन के सभी प्लेटफॉर्म पर बड़े और स्पष्ट प्लेटफॉर्म नंबर बोर्ड लगाए जाएं, ताकि यात्रियों को दूर से ही प्लेटफॉर्म की सही जानकारी मिल सके और उन्हें इधर-उधर भटकना न पड़े।

महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और किसानों की समस्याओं को लेकर राजद कार्यकताओं की आपात बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

फतुहा। रविवार को स्टेशन रोड स्थित सरकारी अस्पताल के पीछे निर्वतमान फतुहा प्रखंड राजद अध्यक्ष अरविंद यादव के आवास सह कार्यालय में बिहार में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार एवं किसानों की समस्याओं को लेकर फतुहा प्रखंड राजद कार्यकताओं की आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता निर्वतमान फतुहा प्रखंड राजद अध्यक्ष अरविंद यादव ने की। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि बिहार में महंगाई और बेरोजगारी चरम पर है। डीजल-पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी से माल ढुलाई एवं यात्री किराया प्रभावित हुआ है, जिसका सीधा असर मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों पर पड़ रहा है। वहीं चीनी सहित अन्य खाद्य वस्तुओं की कीमतों में अचानक हुई वृद्धि को लेकर भी चिंता जताई गई। वक्ताओं ने एनडीए सरकार पर गरीब विरोधी होने का आरोप लगाते हुए कहा कि महंगाई की मार से आम जनता परेशान है। बैठक में राजद के वरिष्ठ नेता शिवपूजन प्रशांत, नवल किशोर सिंह, पटना जिला महासचिव भोला बिहारी, महेंद्र यादव, सुनील कुमार, मनीष यादव, मनोज चंद्रवंशी, मंटू कुमार, सुमन कुमार, मुरलीधर सिंह यादव, विभु सिंह, मुन्ना कुमार, सुजीत कुमार सहित दर्जनों नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में पूर्व मंत्री सह विधायक डॉ. रामानंद यादव से भी कार्यक्रम में शामिल होने का अनुरोध किया गया।

मिलेनियम कॉन्वेंट स्कूल में मेहंदी डिजाइन पेंटिंग प्रतियोगिता, छात्राओं में दिखा जबरदस्त उत्साह

प्रात : किरण संवाददाता

फतुहा। सावन मास के पावन अवसर पर सम्मसपुर स्थित मिलेनियम कॉन्वेंट स्कूल में रविवार को मेहंदी डिजाइन पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में स्कूल की छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और एक से बढ़कर एक आकर्षक मेहंदी डिजाइन तैयार कर सबका मन मोह लिया। छात्राओं ने पारंपरिक और आधुनिक दोनों तरह के डिजाइन बनाए, जिसमें फूल-पत्ती, मोर, कलश, भगवान शिव-पार्वती की आकृतियों के साथ-साथ सावन और त्योहार से जुड़े विषयों को भी मेहंदी के माध्यम से उकेरा गया। प्रतियोगिता को लेकर छात्राओं में खासा उत्साह देखने को मिला। स्कूल परिसर में रंग-बिरंगे मेहंदी डिजाइन और खुशनुमा माहौल ने सावन की रौनक को और बढ़ा दिया। विद्यालय के प्राचार्य भूषण प्रसाद ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं बच्चों की रचनात्मकता को निखारने के साथ-साथ उन्हें भारतीय संस्कृति और त्योहारों से जोड़ने का काम करती हैं। शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी छात्राओं की मेहनत और हुनर की सराहना की। प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को बुधवार को पुरस्कृत किया जाएगा। आयोजकों ने कहा कि प्रतियोगिता के माध्यम से छात्राओं को अपनी कला और प्रतिभा प्रदर्शित करने का बेहतर मंच मिला तथा सावन के पावन महीने में विद्यालय में उत्सव जैसा माहौल बना।

रामकृपाल यादव ने दियारा के पानापुर घाट पर हो रहे कटाव स्थल का निरीक्षण किया

प्रात : किरण संवाददाता

दानापुर। नगर के अंतर्गत रविवार को सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव ने दियारा क्षेत्र के पानापुर घाट पर हो रहे कटाव स्थल का निरीक्षण किया। उसके बाद दियारा में बढ़ रहे गंगा के पानी से दियारा वासियों को हो रही परेशानी का जायजा लिया मंत्री ने दानापुरएसडीएम,जल संसाधन विभाग के इंजिनियर और अधिकारियों से कहा कि पानापुर में हो रहे कटाव को शीघ्र ही रोकने की दिशा में अविलम्ब पहल करें। उन्होंने दानापुर एसडीओ व सीओ को बढ़ते जलस्तर से दियारा के छः पंचायतों में पानी निचलें हिस्से में प्रवेश कर चुका है।इसकी रिपोर्ट तैयार करके शीघ्र ही रिपोर्ट भेजें ताकि समय रहते दियारा वासियों को सरकारी लाभ मिल सके। दियारा वासियों ने मंत्री से लगाया गुहारपुरानी पानापुर में लोगों ने मंत्री से जनवितरण प्रणाली दुकानदारों के खिलाफ आवाज उठाया। कहा कि डीलर की मनमानी नहीं थम रही है।कितनी बार शिकायत किया।कभी भी समय पर राशन नहीं देता है। पांच के जगह चार किलो आनाज देते है। मंत्री यादव ने दानापुर एसडीओ को जांच कर कार्रवाई करने की बात कही।मौके पर प्रदेश भाजपा नेता भाई सनोज यादव, मुखिया सुभाष यादव,ब्रजेश सिंह,बिजेंद्र यादव,रंजीत यादव, गुड्डू सिंह,अनिल यादव समेत अन्य लोग थे। महादेव बाबा विश्वेश्वर के नाम भजन संध्या मंदिर प्रांगण में आयोजन किया गया दानापुर। नगर के अंतर्गत रविवार को एक शाम देवाधिदेव महादेव बाबा विश्वेश्वर के नाम भजन संध्या को विनस पैराडाइस के बाबा विश्वेश्वर एवं संकटमोचन मंदिर प्रांगण में आयोजन किया गया। वाराणसी से आए गायक व्यास मोर्या, गायिका रीता शर्मा ने भक्ति गीतों से घंटों श्रद्धालुओं को बांधे रखा। भगवान के जयकारे और तालियों की गड़गड़ाहट से आसपास का माहौल भक्तिमय बना रहा। शुभारंभ बिहार प्रशासनिक अधिकारी सुशील कुमार व भारतीय प्रशासनिकअधिकारी केशव रंजन प्रसाद ने किया। कार्यक्रम को मनीष कु सिंह,मधु मीता सिंह, सतेन्द्र शुक्ला, अखिलेश मालवीय समेत अन्य ने मिलकर सफल बनाया।

फाइलेरिया से लड़ते-लड़ते जागा गांव, अब दूसरी बीमारियों को मिटाने में भी समुदाय बनेगा साथी

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जब हम अपनी सामुदायिक जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी से निभाते हैं और स्वास्थ्य व्यवस्था को सक्रिय बनाने में सहयोग देते हैं, तभी स्वस्थ और रोगमुक्त समाज की कल्पना साकार हो सकती है। मुजफ्फरपुर के बोचहां प्रखंड की मझौलिया पंचायत की चांदनी कुमारी की यह बात फाइलेरिया उन्मूलन में समुदाय की बढ़ती भूमिका को दशार्ती है। सीएचओ नेतृत्व रोगी हितधारक मंच (पीएसपी) अब समुदाय और स्वास्थ्य व्यवस्था के बीच प्रभावी कड़ी बन रहा है। बिहार के 21 जिलों में 311 पीएसपी सक्रिय हैं। इनमें 5,610 सदस्य जुड़े हैं। जीविका समूह की महिलाएं, जनप्रतिनिधि, शिक्षक, आशा, एएनएम, सीएचओ, फाइलेरिया प्रभावित लोग समेत समाज के विभिन्न वर्ग इन मंचों का हिस्सा हैं। संवाद से बढ़ा दवा सेवन का भरोसा पीएसपी की बैठकों में एमडीए के दौरान दवा सेवन को लेकर लोगों की शंकाओं और भ्रांतियों पर संवाद किया जाता है। कैमूर के कुदरा प्रखंड की डंगरी पंचायत में कुछ लोगों के दवा लेने से इनकार के बाद मंच ने सामुदायिक बैठक कर लोगों को दवा सेवन के लिए प्रेरित किया। पीएसपी के माध्यम से दवा लेने से इनकार करने वाले 27,023 लोगों को प्रेरित कर दवा सेवन कराया गया। वहीं एमडीए के दौरान दवा नहीं लेने वाले 4,323 लोगों की पहचान कर उन्हें भी दवा सेवन के लिए प्रेरित किया गया। मरीजों की जरूरतों में भी बना सहारा पीएसपी की भूमिका दवा सेवन तक सीमित नहीं है। इसके प्रयासों से 837 फाइलेरिया प्रभावित लोगों ने दिव्यांगता प्रमाणपत्र के लिए आवेदन किया, जिनमें 520 को यूडीआईडी प्रमाणपत्र मिल चुका है। 18 लोगों को ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराई गई। वहीं स्वास्थ्य विभाग और पीएसपी सदस्यों के सहयोग से 4,200 लोगों को मॉर्बिडिटी मैनेजमेंट एंड डिसएबिलिटी प्रिवेंशन का प्रशिक्षण दिया गया।

बिहार की पाठ्य पुस्तकों में शामिल होगी पं. शुक्ल की जीवनी : शिक्षा मंत्री

- बोले-महात्मा गांधी की कहानी से पहले पं. राजकुमार शुक्ल के बारे में पढ़ें
- अगले वर्ष से राजकीय समारोह की मुख्यमंत्री की घोषणा का किया स्वागत

पटना। बिहार की पाठ्य पुस्तकों में चंपारण सत्याग्रह के प्रणेता पंडित राजकुमार शुक्ल की जीवनी शामिल की जाएगी। यह घोषणा शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने रविवार को बिहार विधान परिषद् के एनेक्सी हॉल में आयोजित पं. शुक्ल की 151वीं जयंती समारोह में की। श्री तिवारी ने कहा कि पं. शुक्ल की जीवनी को पाठ्य पुस्तकों में शामिल करने की घोषणा बहुत पहले हो जानी चाहिए थी। नई पीढ़ी को पं. शुक्ल के योगदान और उनके संघर्ष से परिचित कराना जरूरी है। शिक्षा मंत्री ने अगले वर्ष से पं. शुक्ल की जयंती को राजकीय समारोह के रूप में मनाने की माननीय मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की घोषणा का स्वागत किया और इसके लिए माननीय मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने माननीय कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ. प्रमोद चंद्रवंशी द्वारा पं. शुक्ल के नाम पर संग्रहालय बनाने की घोषणा पर भी प्रसन्नता व्यक्त की। श्री तिवारी ने लोगों से आग्रह किया कि महात्मा गांधी के चंपारण आने की कहानी पढ़ने से पहले पं. राजकुमार शुक्ल के बारे में पढ़ें। पं. शुक्ल ही गांधी जी को चंपारण लेकर आए थे और चंपारण की धरती पर गांधी जी के आंदोलन ने उन्हें महात्मा के रूप में स्थापित किया। शिक्षा मंत्री ने समाज से एकजुटता का आह्वान करते हुए कहा कि हमें जातियों में बंटने के बजाय एकजुट रहना चाहिए। हम सब सनातनी हैं। एक रहेंगे, तभी सुरक्षित रहेंगे। उन्होंने हर घर में रामचरितमानस रखने और उसके नियमित पाठ पर भी जोर दिया। साथ ही, 26 अगस्त को रविंद्र भवन में आयोजित कार्यक्रम में लोगों से शामिल होने का आग्रह किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री, विधान परिषद् के माननीय सभापति, माननीय शिक्षा मंत्री सहित अन्य अतिथियों ने शुक्ल शौर्य स्मारिका का विमोचन किया। लोक गायिका श्रीमती कल्पना पटवारी को पं. राजकुमार शुक्ल कला शिखर सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन पंडित राजकुमार शुक्ल स्मृति संस्थान के तत्वावधान में किया गया। संस्थान के केंद्रीय अध्यक्ष राजेश भट्ट ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

उपभोक्ता केंद्रित हो बिजली व्यवस्था, शिकायतों का तुरंत हो समाधान : ऊर्जा सचिव

गयाजी/पटना : आज ऊर्जा सचिव सह प्रबंध निदेशक, बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड श्री अजय यादव, भा०प्र०से० ने विद्युत आपूर्ति अंचल गयाजी अंतर्गत गयाजी एवं जहानाबाद जिलों की विद्युत आपूर्ति व्यवस्था एवं विभिन्न विद्युत परियोजनाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्युत आपूर्ति अंचल, गया के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर विद्युत आपूर्ति की स्थिति, निमार्णाधीन परियोजनाओं, विद्युत संरचनाओं के अनुरक्षण एवं राजस्व गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि विद्युत व्यवस्था पूरी तरह उपभोक्ता केंद्रित हो तथा उपभोक्ताओं की शिकायतों का त्वरित एवं प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए। ऊर्जा सचिव श्री अजय यादव (भा.प्र.से.)ने सर्वप्रथम मगध विश्वविद्यालय अंतर्गत 33/11 केवी विद्युत शक्ति उपकेंद्र का निरीक्षण किया । ।इसके साथ ही ऊर्जा सचिव ने विद्युत लाइनों एवं पावर सब-स्टेशनों के अनुरक्षण कार्यों का जायजा लिया तथा मुख्यालय द्वारा निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया (रडढ) का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को नियमित एवं निर्धारित समय के अनुरूप अनुरक्षण कार्य करने को कहा, ताकि विद्युत आपूर्ति की विश्वसनीयता बनी रहे। ऊर्जा सचिव ने बोधगया के दोमुहान में निमार्णाधीन पावर सब-स्टेशन (ढरर) का निरीक्षण किया। उन्होंने परियोजना के विभिन्न कार्यों की प्रगति की जानकारी ली तथा कार्यकारी एजेंसी को सभी कार्य गुणवत्ता एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप और समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि परियोजना के शीघ्र पूर्ण होने से स्थानीय उपभोक्ताओं को बेहतर एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। इसके बाद ऊर्जा सचिव ने 220/132/33 केवी ग्रिड सब-स्टेशन, बोधगया का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में ऊर्जा सचिव ने बोधगया के पड़रिया गांव में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत वछअ मॉडल में चयनित कुटीर ज्योति उपभोक्ताओं के घर की छत पर लगाए जा रहे सोलर रूफटॉप संयंत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित एजेंसी को सोलर रूफटॉप की स्थापना में गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। निरीक्षण उपरांत विद्युत आपूर्ति अंचल, गयाजी के कार्यालय में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में गया एवं जहानाबाद जिलों की विद्युत आपूर्ति की स्थिति, चल रही विद्युत परियोजनाओं तथा राजस्व संग्रहण एवं राजस्व सुधार से संबंधित कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में ऊर्जा सचिव ने कहा कि विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को उपभोक्ताओं के दृष्टिकोण से संचालित किया जाए।

अमर शहीद रामफल मंडल की स्मृति में डाक टिकट जारी

पटना। सीतामढ़ी की पवित्र धरती पर अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध संघर्ष करते हुए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अमर शहीद रामफल मंडल की स्मृति एवं उनके अमर बलिदान को सम्मान देने के उद्देश्य से भारत सरकार के संचार मंत्रालय, डाक विभाग द्वारा उनके सम्मान में डाक टिकट जारी किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय श्री गंगा प्रसाद जी, पूर्व राज्यपाल, सिक्किम थे। इस सभा की अध्यक्षता श्री उपेंद्र कुशवाहा, माननीय सांसद राज्यसभा द्वारा की गई ' समारोह में श्रीमती शीला मंडल, माननीय मंत्री, विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, बिहार सरकार,श्री दीपक प्रकाश माननीय मंत्री पंचायती राज बिहार सरकार,श्रीमती शशि शालिनी कुजुर, माननीय मुख्य डाक महाध्यक्ष, बिहार , श्री रामेश्वर कुमार महतो, माननीय विधायक, बाजपट्टी की गरिमामयी उपस्थिति रही

पीएम सूर्यघर : मुफ्त बिजली योजना के लक्ष्य को समय पर पूरा करने का डीएम का निर्देश

पटना। जिलाधिकारी श्री कुन्दन कुमार ने पीएम सूर्यघरः मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कार्यकारी एजेंसियों को निर्धारित लक्ष्य को समय-सीमा के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने सोलर पैनल स्थापना के कार्य में तेजी लाने के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। समीक्षा के दौरान बताया गया कि पटना जिला में 30 अक्टूबर तक 5,585 बीपीएल परिवारों के घरों की छत पर निःशुल्क सोलर पैनल स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित है। इसके विरुद्ध अब तक 1375 बीपीएल परिवारों के घरों पर सोलर पैनल लगाने का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। शेष परिवारों को भी शीघ्र आच्छादित करने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। गैर बी पी एल परिवारों के लिए राज्य सरकार द्वारा बढ़ाई गयी सब्सिडी की राशि गैर-बीपीएल परिवारों के लिए भी पीएम सूर्यघरः मुफ्त बिजली योजना के तहत राज्य सरकार द्वारा अतिरिक्त सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। गैर-बीपीएल लाभार्थियों को सोलर पैनल लगाने पर 10,000 प्रति किलोवाट तथा अधिकतम 20,000 प्रति लाभार्थी की अतिरिक्त राज्य सब्सिडी दी जा रही है। केंद्र एवं राज्य सरकार की सब्सिडी को मिलाकर 1 किलोवाट पर 40,000, 2 किलोवाट पर 80,000 तथा 3 किलोवाट या उससे अधिक पर अधिकतम 98,000 तक की सब्सिडी का लाभ मिल सकेगा। यह लाभ पटना जिला के पात्र लाभार्थियों को पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर दिया जाएगा। योजना के तहत सोलर पैनल लगाने के इच्छुक गैर-बीपीएल परिवारों के लिए ऋण सुविधा का भी प्रावधान है। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित बैंकों को निर्देश दिया कि इच्छुक एवं पात्र लाभार्थियों को प्राथमिकता के आधार पर ऋण की सुविधा उपलब्ध कराएं, ताकि अधिक से अधिक परिवार अपने घरों पर सोलर पैनल स्थापित कर सकें। उन्होंने कहा कि इससे परिवारों को बिजली खर्च में राहत मिलने के साथ-साथ हरित ऊर्जा को बढ़ावा एवं पर्यावरण संरक्षण को भी बल मिलेगा। बैंकों को योजना के इच्छुक लाभार्थियों के ऋण आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। 28,000 गैर बी पी एल परिवारों के घरों की छत पर सोलर पैनल लगाने का लक्ष्य पटना जिला में 30 अक्टूबर तक 28,000 गैर-बीपीएल परिवारों के घरों की छत पर सोलर पैनल स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अब तक 10,300 से अधिक गैर-बीपीएल परिवारों के घरों पर सोलर पैनल लगाने का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। वर्तमान में प्रतिदिन 30 से अधिक सोलर पैनल स्थापित किए जा रहे हैं। जिलाधिकारी ने कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कार्यकारी एजेंसियों को इसमें और तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सोलर स्ट्रक्चर एवं सोलर पैनल की सप्लाई चेन को मजबूत रखा जाए, ताकि सामग्री की उपलब्धता में किसी प्रकार की बाधा न हो और निर्धारित समय-सीमा में अधिक से अधिक लाभार्थियों के घरों पर सोलर पैनल स्थापित किया जा सके। उन्होंने स्पष्ट कहा कि योजना के क्रियान्वयन में गति के साथ-साथ गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। संबंधित अधिकारी एवं कार्यकारी एजेंसियां आपसी समन्वय के साथ गंभीरतापूर्वक कार्य करते हुए निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित करें।

पंडित राजकुमार शुक्ल की जयंती पर राजकीय समारोह का होगा आयोजन : सम्राट

मुख्यमंत्री ने पंडित राजकुमार शुक्ल की 151 वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया

मुख्य बिन्दु :

- स्मारिका शुक्ल शौर्य का मुख्यमंत्री ने किया लोकार्पण। कला एवं संगीत के क्षेत्र में योगदान के लिए कल्पना पटवारी को पंडित राजकुमार शुक्ल कला शिखर सम्मान
- पंडित राजकुमार शुक्ल के दृढ़ प्रयासों से महात्मा गांधी चंपारण आए और चंपारण सत्याग्रह ने देश के स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को चंपारण सत्याग्रह के सूत्रधार पंडित राजकुमार शुक्ल की 151वीं जयंती के अवसर पर बिहार विधान परिषद के एनेक्सी सभागार में आयोजित समारोह का दीप प्रज्वलित कर विधिवत शुभारंभ किया। समारोह का आयोजन पंडित राजकुमार शुक्ल स्मृति संस्थान द्वारा किया गया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर स्मारिका शुक्ल शौर्य का लोकार्पण किया। कला एवं संगीत के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए कल्पना पटवारी को पंडित राजकुमार शुक्ल कला शिखर सम्मान से सम्मानित किया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित राजकुमार शुक्ल जी की जयंती के अवसर पर राजकीय समारोह का आयोजन किया जाएगा। पंडित राजकुमार शुक्ल के योगदान और चंपारण सत्याग्रह के ऐतिहासिक महत्व से नई पीढ़ी को अवगत कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि पंडित राजकुमार शुक्ल के अथक प्रयासों से मोहनदास करमचंद गांधी बिहार की चंपारण की धरती पर आए और किसानों को अंग्रेजों के अत्याचार से मुक्ति दिलाने के लिए ऐतिहासिक सत्याग्रह का नेतृत्व किया। चंपारण सत्याग्रह ने देश के स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी और अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष राज्य में सामान्य से लगभग 30 प्रतिशत कम वर्षा हुई है। राज्य सरकार ने किसानों के हित में कृषि कार्य के लिए सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी एवं पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सपनों को पूरा करने के लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सहयोग कार्यक्रम सुशासन का प्रतीक है। इस कार्यक्रम के माध्यम से अब तक 6 लाख 42 हजार आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 96 प्रतिशत आवेदनों का निष्पादन किया जा चुका है। जनता और समाज के प्रति समर्पित सरकार का उद्देश्य सुशासन के माध्यम से आम लोगों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराना है। पिछले तीन दिनों में आयोजित रोजगार मेलों के माध्यम से 16 हजार लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब बिहार और झारखंड एक राज्य था, तब बिहार का बजट लगभग 6 हजार करोड़ रुपये हुआ करता था। पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और श्रद्धेय सुशील कुमार मोदी के वित्तीय प्रबंधन के कारण बिहार की अर्थव्यवस्था काफी सुदृढ़ हुई है। वर्ष 2024 में बिहार का बजट 3 लाख 47 हजार करोड़ रुपये था, जबकि झारखंड का बजट 1 लाख 39 हजार करोड़ रुपये ही था। समारोह के दौरान पंडित राजकुमार शुक्ल स्मृति संस्थान की ओर से मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं फूल-मालाओं से स्वागत किया गया। इस अवसर पर बिहार विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह, शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी, अन्य गणमान्य व्यक्ति, पंडित राजकुमार शुक्ल के परिजन, पंडित राजकुमार शुक्ल स्मृति संस्थान से जुड़े लोग उपस्थित थे।

युवाओं को उस्ताद बिस्मिल्लाह खान के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिएः मंत्री

- ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री श्रवण कुमार भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खान के यौम-ए-वफात पर आयोजित स्मृति समारोह में हुए शामिल

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार की धरती पर बुद्ध, महावीर, चाणक्य, आर्यभट्ट, गुरु गोबिंद सिंह, विद्यापति और अनेक महान विभूतियों का जन्म हुआ है। इसी गौरवशाली परंपरा में उस्ताद बिस्मिल्लाह खान का नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। हमारे राज्य के युवाओं को उस्ताद बिस्मिल्लाह खान के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। आज युवाओं के सामने अनेक अवसर हैं। यदि वे अपनी प्रतिभा को पहचानकर अनुशासन और मेहनत के साथ आगे बढ़ें, तो बिहार की धरती से अनेक प्रतिभावान लोग, महान कलाकार और सांस्कृतिक दूत देश को मिल सकते हैं। उक्त बातें ग्रामीण विकास विभाग तथा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के मंत्री एवं जदयू विधायक दल के नेता माननीय श्री श्रवण कुमार ने भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खान की यौम-ए-वफात के अवसर पर आयोजित स्मृति समारोह में कही। रविवार को पटना के जगजीवन राम शोध संस्थान में अति पिछड़ा मुस्लिम संगठन की ओर से इसका आयोजन किया गया था। मंत्री ने कहा कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खास प्रयास से बिहार की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और कलात्मक पहचान को नई ऊंचाई मिली है। उस्ताद बिस्मिल्लाह खान की शहनाई की धुन ने न केवल भारत की संगीत परंपरा को समृद्ध किया, बल्कि पूरी दुनिया में भारतीय संस्कृति और गंगा-जमुनी तहजीब की पहचान को मजबूत किया। वे भारतीय संस्कृति के जीवंत प्रतीक थे। उनका जीवन हमें सामाजिक समरसता का भी संदेश देता है। उनकी ऊंचाइयों को आने वाली पीढ़ियां लंबे समय तक याद रखेंगी। मंत्री श्री कुमार ने आगे कहा कि उन्होंने भारत के राष्ट्रीय पर्वों एवं अनेक ऐतिहासिक अवसरों पर अपनी शहनाई से देश को गौरवान्वित किया। स्वतंत्र भारत की सांस्कृतिक यात्रा में उनकी शहनाई की धुनों का विशेष स्थान है। उनकी शहनाई की आवाज देश की सीमाओं से निकलकर पूरी दुनिया तक पहुंची है।

कार्यक्रम में आयोजक डॉ. नूरहसन आजाद, शाहीद हलालखोर, पूर्व मंत्री मो. इसराइल मंसूरी, विधान परिषद के सदस्य डॉ. खालिद अनवर, अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य शमशाद साई, जदयू के पूर्व प्रदेश सचिव मो. महमूद बख्खो, गुलाम सरवर आजाद, अतिपिछड़ा आयोग के पूर्व सदस्य अस्मान हलालखोर, सलीम रामपुरी हवारी, कमरुद्दीन फारुकी, अनवर नट, रवि राज नट, पूर्व वार्ड पार्षद सुमन, महादलित आयोग के पूर्व सदस्य राजेंद्र प्रसाद नट आदि मौजूद थे।

फरक्का पर बिहार के हितों से कोई समझौता नहीं होगा : सरावगी

- 1996 में सत्ता थी, प्रभाव था, फिर बिहार के हितों की अनदेखी क्यों हुई?

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने फरक्का बैराज और भारत-बांग्लादेश गंगा जल संधि को लेकर कहा कि बिहार के जल हित सर्वोपरि हैं और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार अपने अधिकारों से कोई समझौता नहीं करेगा। श्री सरावगी ने कहा कि 1996 में जब भारत-बांग्लादेश गंगा जल संधि हुई, तब लालू प्रसाद यादव बिहार के मुख्यमंत्री थे। उस समय बिहार के पास राजनीतिक प्रभाव, राज्य सरकार और केंद्र की राजनीति में मजबूत उपस्थिति थी। ऐसे में आज लालू प्रसाद यादव और राजद नेताओं को दूरदृष्टि और बिहार के हितों पर भाषण देने से पहले यह बताना चाहिए कि 1996 में बिहार के हितों की पर्याप्त रक्षा क्यों नहीं हो सकी? उन्होंने कहा कि आज जब 1996 की संधि की अवधि दिसंबर 2026 में समाप्त होने वाली है, तब पुराने वीडियो जारी कर राजनीतिक ज्ञान बांटने की कोशिश की जा रही है। जब सत्ता और प्रभाव था, तब बिहार के जल हितों के लिए क्या किया गया और आज जब ठऊअ सरकार बिहार की आवाज मजबूती से केंद्र तक पहुंचा रही है, तब राजनीति क्यों की जा रही है?

श्री सरावगी ने कहा कि फरक्का का मुद्दा केवल पानी के बंटवारे तक सीमित नहीं है। गाद, बाढ़, सिंचाई, पेयजल, कृषि, औद्योगिक विकास और बिहार की भविष्य की जल जरूरतें भी इससे जुड़ी हैं। इसलिए संधि के नवीनीकरण के समय बिहार की वर्तमान और भविष्य की जरूरतों को पूरी मजबूती से सामने रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बिहार की चिंताओं को केंद्र सरकार के समक्ष स्पष्ट रूप से रखा है। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने भी बिहार की फरक्का संबंधी चिंताओं को संधि के नवीनीकरण के दौरान उचित मंच पर उठाने का आश्वासन दिया है। यह बिहार के हित में हो रही गंभीर और तथ्य आधारित पहल है, न कि विपक्ष की तरह केवल बयानबाजी। श्री सरावगी ने कहा कि ठऊअ सरकार का दृष्टिकोण स्पष्ट है—फरक्का पर नारेबाजी नहीं, बल्कि संवाद, तथ्य और ठोस पहल के माध्यम से बिहार के दीर्घकालिक जल हितों की रक्षा। बिहार की जनता के लिए गंगा केवल एक नदी नहीं, बल्कि जीवन, कृषि और अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा है।

लालू जी ने फरक्का समझौते पर चढ़ा दी बिहार के हितों की बलिः जदयू

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जदयू विधान पार्षद सह मुख्य प्रदेश प्रवक्ता नीरज कुमार एवं प्रदेश प्रवक्ता पूजा पैट्रिक ने संयुक्त रुप से प्रेस वार्ता को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने लालू प्रसाद यादव पर पारिवारिक हितों का पक्षधर होने का आरोप लगाते हुए फरक्का जल समझौते पर बिहार के हितों की बलि चढ़ाने का आरोप लगाया। लालू प्रसाद यादव पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि 12 दिसंबर 1996 को हुई इस संधि के दौरान वो केंद्र की संयुक्त मोर्चा सरकार में प्रभावशाली भूमिका में थे और उसी दौरान वो बिहार के मुख्यमंत्री भी थे। साथ ही उस सरकार में तत्कालीन विदेश मंत्री आई के गुजराल से भी उनके अच्छे संबंध थे इसके बावजूद भारत और बांग्लादेश के बीच हुई इस जल संधि के विरोध में उन्होंने कोई आवाज नहीं उठाई । लालू प्रसाद यादव से सवाल पूछते हुए उन्होंने कहा कि यह संधि 12 दिसंबर 1996 को हुई थी लेकिन इसके पहले ही वो चारा घोटाले में अभियुक्त करार दिए गए थे। उन्होंने कहा कि जेल जाने के डर से उन्होंने बिहार के हितों की बलि चढ़ाने का काम किया। जबकि नीतीश कुमार ने हमेशा इस संधि का विरोध किया और उन्होंने पुरजोर तरीके से गंगा नदी में गाद के मसले को उठाया। नीतीश कुमार ने हमेशा जल प्रबंधन एवं उससे जुड़ी समस्याओं को मजबूती से उठाने का काम किया। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि फरक्का बराज पर नए सिरे से विचार होना चाहिए।

जिस वीडियो का जिक्र कर लालू प्रसाद ये दावा कर रहे है कि उन्होंने गंगा जल संधि पर कड़ा विरोध किया था दरअसल वो वीडियो 19 दिसंबर 2011 का है जब वो केंद्र की यूपीए सरकार से बाहर थे। ये साफ दशार्ता है कि जब सत्ता की मलाई खा रहे थे तो उस दौरान उन्होंने बिहार के हित से समझौता होने दिया और जब सत्ता से बाहर हो गए तब इस संधि का विरोध करने लगे। आखिर ये कैसी अवसरवादिता है? उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री सम्राट चैधरी, उप मुख्यमंत्री विजय चैधरी ने केंद्रीय वित्त मंत्री एवं विदेश मंत्री से मुलाकात की है और बिहार की चिंताओं से उन्हें अवगत कराया है । साथ ही ये मांग की है कि बिहार के हितों को प्राथमिकता दी जाए साथ ही निर्णय लेने की प्रक्रिया में बिहार को शामिल किया जाए। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि साल 2011 में केंद्र की सत्ता से बाहर आने के बाद आपको बिहार के हित की बात याद आने लगी? मतलब सत्ता में रहे तो सब बढ़िया और सत्ता से बाहर हुए तो झूठा क्रेडिट लेने की होड़? ये कैसी अवसरवादिता है ?

(संजय कुमार सिन्हा)
कार्यालय सचिव

नाव पर सवार होकर तेजस्वी ने राघोपुर के कटाव प्रभावित इलाकों का किया दौरा

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने रविवार को अपने विधानसभा क्षेत्र राघोपुर के कटाव प्रभावित इलाकों का दौरा किया। गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर, तेज बहाव और लगातार हो रहे कटाव से तटवर्ती गांवों पर मंडरा रहे खतरे का जायजा लेने के लिए तेजस्वी यादव नाव और मोटरसाइकिल पर सवार होकर प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचे। उन्होंने नाव से पूरे इलाके का भ्रमण किया और स्थानीय लोगों की परेशानियों को देखा। राघोपुर क्षेत्र के कई गांवों में गंगा के कटाव के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर खेतिहर जमीन नदी में समा रही है, जबकि तटवर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों को घर और जमीन के नुकसान का डर सता रहा है। तेजस्वी ने कहा, गंगा नदी के जलस्तर में वृद्धि और तेज बहाव के कारण अपने विधानसभा क्षेत्र राघोपुर के कटावग्रस्त स्थलों का निरीक्षण कर तटवर्ती गांवों पर मंडरा रहे खतरे का आकलन किया तथा संबंधित पदाधिकारियों एवं अभियंताओं से जलस्तर एवं संभावित जोखिमों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों को जलस्तर एवं कटाव की स्थिति पर निरंतर निगरानी रखते हुए अलर्ट मोड में रहने, स्थानीय ग्रामीणों के साथ समन्वय बनाए रखने तथा बाढ़ एवं कटाव की किसी भी आपात स्थिति में त्वरित समाधान एवं कटाव निरोधक कार्यों हेतु आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जल संसाधन मंत्री को लिखा पत्रः कटाव की गंभीर स्थिति को देखते हुए तेजस्वी यादव ने बिहार के जल संसाधन मंत्री को पत्र लिखकर तत्काल कटाव निरोधक कार्य शुरू कराने की मांग की है। पत्र में उन्होंने कहा है कि राघोपुर विधानसभा क्षेत्र के राघोपुर और बिदुपुर प्रखंड की कई पंचायतें हर वर्ष बाढ़ और कटाव से प्रभावित होती हैं। गंगा के तेज बहाव के कारण इन इलाकों में जान-माल की क्षति का खतरा बना हुआ है। तेजस्वी यादव ने अपने पत्र में बह्मापुर पंचायत और चकसिंगार पंचायत के शिव नगर लंका टोला समेत चिन्हित स्थानों पर तत्काल कटाव निरोधक कार्य कराने का आग्रह किया है। उन्होंने जल संसाधन विभाग से बोल्डर पिचिंग और जियो बैग के जरिए कटाव रोकने के लिए शीघ्र कार्रवाई करने की मांग की है। बिहार के जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी हैं जो पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेहद खास माने जाते हैं।

अमर शहीद रामफल मंडल के शहादत दिवस समारोह में शामिल होकर नीतीश कुमार ने श्रद्धांजलि अर्पित की

पटना। भारत छोड़ो आंदोलन, 1942 के महान स्वतंत्रता सेनानी अमर शहीद रामफल मंडल की पुण्य स्मृति में आयोजित भव्य शहादत दिवस समारोह में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य नीतीश कुमार शामिल हुए। इस अवसर पर नीतीश कुमार ने अमर शहीद रामफल मंडल के तैल्यचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके अदम्य साहस, त्याग एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण को नमन किया। उन्होंने कहा कि देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों का बलिदान हमारी अमूल्य राष्ट्रीय विरासत है। रामफल मंडल जी जैसे अमर बलिदानियों की गौरवगाथा सदैव देशवासियों को राष्ट्रसेवा और देशभक्ति के लिए प्रेरित करती रहेगी। कार्यक्रम का आयोजन अमर शहीद रामफल मंडल विचार मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष ई शैलेन्द्र कुमार एवं मंत्री शीला मंडल द्वारा किया गया। समारोह में मुख्य रूप से बिहार सरकार में मंत्री श्रवण कुमार, बिहार विधान परिषद् में सत्तारूढ़ दल के उप-नेता सह पार्टी कोषाध्यक्ष ललन कुमार सर्राफ एवं मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह गांधी जी, विधान पार्षद संजय सिंह सहित पूर्व विधान पार्षद भूमिपाल राय एवं पार्टी नेता पंकज पटेल सहित सैकड़ो लोग उपस्थित हुये।

अमर शहीद रामफल मंडल की स्मृति में डाक टिकट जारी

- पटना तारामंडल में हुआ समारोह

पटना। सीतामढ़ी की पवित्र धरती पर अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष करते हुए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अमर शहीद रामफल मंडल की स्मृति में भारत सरकार के संचार मंत्रालय ने रविवार को डाक टिकट जारी किया है। इस अवसर पर तारामंडल के सभागार में भव्य समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की मंत्री शीला मंडल ने गरिमामय उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्यसभा सांसद उपेन्द्र कुशवाहा ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सिक्किम के पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद जी उपस्थित रहे। समारोह में पंचायती राज विभाग के मंत्री दीपक प्रकाश, डाक विभाग, बिहार की मुख्य पोस्टमास्टर जनरल शशि शालिनी कुजूर तथा बाजपट्टी के विधायक रामेश्वर कुमार महतो की भी गरिमामय उपस्थिति रही। समारोह में शहीद रामफल मंडल के परिवार के सदस्यों ने भी सहभागिता निभाई। इस अवसर पर उनके जीवन एवं संघर्ष पर आधारित एक वृत्तचित्र का प्रदर्शन किया गया तथा उनके जीवन पर आधारित पुस्तक का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महात्मा फुले समता परिषद, बिहार के तत्वावधान में किया गया।

राजद ने संसद से लेकर सरकार तक फरक्का बैराज का विरोध किया था : लालू

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। आरजेडी अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने सियासी हमला तेज कर दिया है। उन्होंने संजय झा पर निशाना साधते हुए कहा कि फरक्का के इतिहास और भूगोल की जानकारी के बिना बयानबाजी नहीं होनी चाहिए। लालू ने दावा किया कि आरजेडी ने संसद से लेकर सरकार तक फरक्का बैराज का विरोध किया था और उन्होंने पहले ही इसके संभावित नुकसान को लेकर चेताया था।

लालू यादव ने नीतीश कुमार पर भी हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने संसद में फरक्का के मुद्दे पर कभी आवाज नहीं उठाई और दीर्घकालिक हितों के बजाय तात्कालिक राजनीतिक लाभ को प्राथमिकता दी। उन्होंने जल संसाधन विभाग के दस्तावेजों और तत्कालीन सिंचाई मंत्री जगदानंद सिंह के केंद्र से हुए पत्राचार का अध्ययन करने की नसीहत भी दी।दरअसल, 1996 की फरक्का जलसंधि की अवधि दिसंबर 2026 में खत्म हो रही है। ऐसे में संजय झा द्वारा मौजूदा स्वरूप में संधि का नवीनीकरण नहीं करने की मांग और बिहार सरकार की दिल्ली दौड़ ने संकेत दे दिया है कि आने वाले महीनों में फरक्का का पानी बड़ा सियासी हथियार बन सकता है। अब निगाहें केंद्र की अगली रणनीति और भारत-बांग्लादेश बातचीत पर टिकी हैं। बिहार में बाढ़, गंगा में बढ़ती गाद और फरक्का बैराज का मुद्दा एक बार फिर सियासत के केंद्र में आ गया है। दरअसल, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अगुवाई में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ हुई बैठक के बाद बिहार सरकार ने दावा किया है कि केंद्र से राज्य के हितों को लेकर सकारात्मक आश्वासन मिला है। अब फरक्का जलसंधि की अवधि दिसंबर 2026 में समाप्त होने से पहले बिहार ने दिल्ली पर दबाव बढ़ा दिया है।

आसमान से निहारिए अपने खूबसूरत पटना को, हेली जॉयराइड बना पर्यटकों की पहली पसंद

- अब तक 476 बुकिंग, 360 लोगों ने लिया हवाई सफर का रोमांचक अनुभव, गंगा और पटना के खूबसूरत नजारों ने बढ़ाया आकर्षण

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार में पर्यटन स्थलों को अब लोग आसमान से भी निहार सकते हैं। अब आसमान से भी पटना की खूबसूरती निहारने का रोमांचक अवसर सरकार दे रही है। हेली टूरिज्म के तहत शुरू किया गया पटना हेली जॉयराइड लोगों के बीच खासा आकर्षण का केंद्र बन रही है। अब तक इसकी 476 बुकिंग हो चुकी हैं, जबकि 360 लोग इस रोमांचक हवाई सफर का आनंद ले चुके हैं।

कुछ मिनटों की उड़ान, जीवनभर की यादें: पटना की सड़कों, ऐतिहासिक स्थलों और गंगा की खूबसूरती को आसमान से भी देखने का अनुभव प्राप्त कर सकते हैं। यह एक अलग तरह का रोमांचक अनुभव है। हेलीकॉप्टर से उड़ान भरते ही पटना का विस्तृत दृश्य सामने आता है और गंगा की धारा के साथ शहर का बदला हुआ स्वरूप पर्यटकों को रोमांचित करता है। हेली जॉयराइड खासकर परिवारों, युवाओं और पहली बार हेलीकॉप्टर की सवारी करने वाले लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बन रहा है। कई लोगों के लिए यह सिर्फ एक जॉयराइड नहीं, बल्कि बिहार में पहली बार हवाई पर्यटन का अनुभव लेने का यादगार मौका बन रहा है।

पर्यटन में रोमांच का नया अध्याय

बिहार सरकार पर्यटन को नए अनुभवों से जोड़ने की दिशा में लगातार पहल कर रही है। इसी कड़ी में हेली टूरिज्म की शुरूआत राज्य में पर्यटन के पारंपरिक स्वरूप से आगे बढ़कर एडवेंचर और एक्सपीरियंस आधारित टूरिज्म को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। पटना हेली जॉयराइड को मिल रहा रिस्पांस बताता है कि पर्यटक अब केवल पर्यटन स्थलों को देखने नहीं, बल्कि उन्हें एक नए अंदाज में महसूस करने के इच्छुक हैं। आसमान से पटना को देखने का यह अनुभव शहर की पर्यटन पहचान को एक नया आयाम दे रहा है।

476 बुकिंग, 360 यात्रियों ने भरी उड़ानः हेली जॉयराइड के प्रति लोगों की बढ़ती दिलचस्पी का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि अब तक 476 बुकिंग दर्ज की जा चुकी हैं। इनमें से 360 लोग हेली जॉयराइड के जरिए पटना को आसमान से देखने का अनुभव हासिल कर चुके हैं। लगातार बढ़ती बुकिंग से संकेत मिल रहा है कि आने वाले दिनों में भी इस सेवा के प्रति लोगों का उत्साह बना रहेगा।

बिहार के पर्यटन को मिल रहा नया अनुभवः हेली टूरिज्म के जरिए बिहार के पर्यटन को आधुनिक और आकर्षक स्वरूप देने का प्रयास किया जा रहा है। आने वाले समय में राज्य के अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों को भी ऐसे नए पर्यटन अनुभवों से जोड़ने की संभावनाएं पर्यटन क्षेत्र को और गति दे सकती हैं। पटना हेली जॉयराइड इस दिशा में एक ऐसी पहल के रूप में सामने आया है, जहां कुछ मिनटों की उड़ान पर्यटकों को पटना की खूबसूरती को एक बिल्कुल नए नजरिए से देखने का मौका दे रही है। यही नया अनुभव अब बिहार के पर्यटन को नई ऊंचाई देने की ओर बढ़ रहा है।

> हेली जॉयराइड पर्यटकों को बिहार की खूबसूरती को एक नए नजरिए से देखने का अवसर दे रहा है। पर्यटकों की बढ़ती रुचि यह दशार्ती है कि बिहार में एक्सपीरियंस बेस्ड टूरिज्म की काफी संभावनाएं हैं। हमारा प्रयास है कि पर्यटन स्थलों को आधुनिक सुविधाओं और नए अनुभवों से जोड़कर बिहार को देश-विदेश के पर्यटकों के लिए और आकर्षक बनाया जाए।
>
> - केदार प्रसाद गुप्ता (मंत्री, पर्यटन विभाग)

बिहार को मिली पांच एसी ई-पिंक बसे, पटना से विभिन्न रूटों पर संचालन शुरू

- रक्षाबंधन को लेकर सरकार के स्तर से महिलाओं के लिए खास पहल

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। रक्षाबंधन को लेकर सरकार के स्तर से महिलाओं के लिए खास पहल की गई है। उनके सुविधायुक्त परिवहन के लिए खासतौर से एसी पिंक बस का परिचालन शुरू किया गए है। प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के अंतर्गत बिहार को एसी युक्त इलेक्ट्रिक बसे मिलने का सिलसिला शुरू हो गया है। इनमें पांच बसे अब राजधानी पटना और इसके आसपास के शहरों को जोड़ते हुए महिलाओं के लिए विशेष रूप से पिंक बस का संचालन शुरू हो गया है। ये सभी बस लो फ्लोर और बैटरी चालित हैं, जिससे महिलाओं को आराम के साथ-साथ पर्यावरण अनुकूल सार्वजनिक परिवहन का बेहतर विकल्प उपलब्ध कराया जा रहा है। बिहार राज्य पथ परिवहन निगम (बीएसआरटीसी) के अनुसार, इन पांच एसी ई-पिंक बसों में से दो-दो बसें पटना से पालीगंज और बेली रोड के कमरूट पर चल रही हैं, जबकि एक बस पटना से बिहटा की ओर जा रही है।

एसी बस का किरायाः पटना से पालीगंज रूट(अप): 121 रुपये, दुल्हिन बाजारः108 रुपये, बिक्रमः 84 रुपये, नौबतपुरः70 रुपये और दानापुर रेलवे स्टेशनः 40 रुपये, पालीगंज से पटना (डाउन): दुल्हिन बाजारः14 रुपये, बिक्रमः 38 रुपये, नौबतपुरः51 रुपये, दानापुर रेलवे स्टेशनः 82 रुपये और गांधी मैदानः 121 रुपये।

पटना से बिहटा आईआईटी के लिए सेवाः कारगिल चौक से मल्टीमॉडल हब, इनकम टैक्स चौराहाः 13-13 रुपये सचिवालय, चिड़ियाघरः18 रुपये, गोला रोडः 24 रुपये, सगुना मोड़ : 37, दानापुर रेलवे स्टेशनः42, शिवाला मोड़ः55, हंगामा वाटर पार्कः66, बिहटा और बिहटा आईआईटी-72 रुपये। पथ निर्माण निगम के मुताबिक, बिहार को कुल 400 एसी इलेक्ट्रिक बसे मिलनी हैं, जिनमें से 50 पिंक बसें महिलाओं के लिए विशेष रूप से संचालित की जाएंगी। एसी सुविधा के कारण गर्मी के मौसम में भी महिलाओं का सफर आरामदायक रहेगा। इलेक्ट्रिक होने के कारण ये बसें प्रदूषण कम करने और हरित परिवहन को बढ़ावा देने में भी सहायक सिद्ध होंगी। वर्तमान में राज्य के विभिन्न जिलों में 100 पिंक बसें पहले से संचालित हो रही हैं।

संक्षिप्त खबरें

रहिका में ई-रिक्शा यात्रियों से लूट का सफल उद्भेदन, चार गिरफ्तार

मधुबनी। रहिका थाना क्षेत्र के ककरौल चौक स्थित सत्या चौक के समीप 5 अगस्त की रात ई-रिक्शा पर सवार यात्रियों से हथियार के बल पर हुई लूटपाट की घटना का पुलिस ने सफल उद्भेदन कर लिया है। मामले में पुलिस ने चार अप्राथमिकी अभियुक्तों को गिरफ्तार करते हुए लूटा गया मोबाइल, पर्स एवं सीडी कैसेट बरामद किया है।पुलिस के अनुसार, 5 अगस्त की रात दो मोटरसाइकिलों पर सवार अज्ञात अपराधकर्मियों ने ई-रिक्शा पर सवार यात्रियों को हथियार का भय दिखाकर लूटपाट की थी। घटना के संबंध में पप्पू झा, निवासी सिमरी, थाना बिस्फी के लिखित आवेदन पर रहिका थाना कांड संख्या-223/26, दिनांक 06.08.2026, धारा 309(4) बीएनएस के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक, मधुबनी के निर्देश पर सदर-01 के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर अनुसंधान शुरू किया गया। तकनीकी अनुसंधान, मानवीय सूचना एवं गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने कांड में संलिप्त आरोपियों की पहचान की। कार्रवाई करते हुए चन्दन कुमार उर्फ अजीत, आयुष कुमार, नरेश कुमार उर्फ राहुल एवं नितिश कुमार गिरी को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। उनकी निशानदेही पर लूटा गया एक मोबाइल, एक वॉलेट/पर्स एवं एक सीडी कैसेट बरामद किया गया।

भारत-नेपाल सीमा पर 15.39 लीटर नेपाली शराब बरामद, एक गिरफ्तार

मधुबनी। जयनगर भारत-नेपाल सीमा पर अवैध शराब की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एस एस बी), जयनगर की ह्यएफह्ल समवाय कमला चेक पोस्ट ड्यूटी पार्टी ने कार्रवाई करते हुए 15.39 लीटर नेपाली शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान शराब परिवहन में प्रयुक्त एक हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल भी जब्त की गई।जानकारी के अनुसार, 23 अगस्त को करीब 13 बजे बलडीहा चेक पोस्ट के समीप सीमा स्तंभ संख्या 270/13 से लगभग 150 मीटर भारतीय क्षेत्र में एसएसबी जवान ड्यूटी पर तैनात थे। इसी दौरान नेपाल की ओर से एक व्यक्ति मोटरसाइकिल से भारत की तरफ आता दिखाई दिया। मोटरसाइकिल की टंकी पर एक कार्टून को पीले रंग के कपड़े में लपेटकर रखा गया था। संदेह होने पर जवानों ने मोटरसाइकिल को रोककर सामान की तलाशी ली। तलाशी के दौरान कार्टून से विभिन्न ब्रांड की नेपाली अंग्रेजी शराब की कुल 66 बोतलें बरामद हुईं, जिनमें कुल 15.39 लीटर शराब थी। इसके साथ ही शराब परिवहन में प्रयुक्त हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल को भी जब्त कर लिया गया।

अब चोरों से देवी - देवता के आभूषण भी महफूज नहीं

मुजफ्फरपुर ।चोरों से अब देवी- देवता भी महफूज नहीं रहे। आम घरों और सरकारी स्कूलों को निशाना बनाने के बाद अब बेखौफ चोर धार्मिक स्थलों में भी बेधड़क वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। ताजा मामला औराई थाना क्षेत्र के बेदौल ओपी अंतर्गत जनार पंचायत भवन स्थित मां दुर्गा मंदिर का है, जहां चोरों ने मंदिर में स्थापित मां सरस्वती की प्रतिमा के मस्तक से चांदी का मुकुट चुरा लिया और फरार हो गए।सुबह जब स्थानीय श्रद्धालु पूजा-अर्चना के लिए पहुंचे, तब प्रतिमा से मुकुट गायब देख इलाके में हड़कंप मच गया। इस घटना की सूचना फैलते ही मंदिर परिसर में ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। धार्मिक स्थल पर हुई इस चोरी के बाद स्थानीय लोगों में पुलिस प्रशासन की सुस्त कार्यशैली को लेकर गहरा आक्रोश व्याप्त है।ग्रामीणों का स्पष्ट आरोप है कि औराई और बेदौल इलाके में लगातार चोरी की घटनाएं सामने आ रही हैं, लेकिन स्थानीय पुलिस पूरी तरह निष्क्रिय बनी हुई है।

अवैध हथियार व कारतूस के साथ तीन गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर। जिले में अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए चलाए जा रहे सक्रिय पुलिसिंग अभियान के तहत एसटीएफ, और पारू थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने तीन आरोपियों को अवैध हथियार और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है।पुलिस के मुताबिक वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की सघन जांच के साथ-साथ गंभीर कांडों में सक्रिय, वांछित एवं फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।इसी क्रम में 22 अगस्त को एसटीएफ बिहार और पारू थाना की संयुक्त टीम ने थाना क्षेत्र के पारूखस जाने वाली सड़क पर कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को पकड़ा। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान निरंजन कुमार, थाना देवरिया, महेश कुमार सहनी और शिवशंकर कुमार।

मधुबनी पुलिस का विशेष अभियानः 40 अभियुक्त गिरफ्तार, 20 वारंटी भी पकड़े गए

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। पुलिस महानिदेशक, बिहार, पटना के आदेश एवं पुलिस अधीक्षक, मधुबनी के निर्देशन में जिले में अपराध नियंत्रण एवं गंभीर कांडो में फरार अभियुक्तो की गिरफ्तारी तथा लंबित न्यायिक आदेशों के निष्पादन को लेकर 22 अगस्त को विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस को बड़ी सफलता मिली। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रो में कार्रवाई करते हुए कुल 40 अभियुक्तो को गिरफ्तार किया गया। इनमें 20 वारंटी अभियुक्त शामिल है।पुलिस द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, गंभीर प्रकृति के कांडो– हत्या, लूट, डकैती, दुष्कर्म, पुलिस पर हमला आदि–में प्राथमिकता के आधार पर कुर्की-जब्ती की कार्रवाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान 19 वारंट, 08 इश्तेहार, 137 सम्मन एवं 04 कुर्की का निष्पादन किया गया।गिरफ्तार किए गए 40 अभियुक्तों में शराब कारोबार से जुड़े 06, एनडीपीएस एक्ट के मामले में 01, हत्या के प्रयास के मामले में 06, महिला उत्पीड़न के मामले में 02, अपहरण के मामले में 01, वारंट के मामले में 20 तथा अन्य कांडों में 04 अभियुक्त शामिल हैं।अपराध नियंत्रण के साथ-साथ यातायात सुरक्षा को लेकर भी जिले में कार्रवाई की गई। वाहन जांच अभियान के दौरान कुल 47 वाहनों से 47,500 रुपये जुमार्ना वसूला गया।विशेष अभियान के दौरान पुलिस ने 3,000 लीटर देशी/विदेशी शराब, 01 मोटरसाइकिल, 01 चार पहिया वाहन, 07 मोबाइल फोन, 01 लाइटर, 01 प्लायर, 01 वायर कटर एवं 01 गोदरेज भी बरामद किया है।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण, फरार एवं वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी, लंबित वारंट एवं न्यायालय से संबंधित आदेशो के निष्पादन तथा अवैध गतिविधियो पर अंकुश लगाने के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा।मधुबनी पुलिस ने आम लोगों से कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि मधुबनी पुलिस आपकी सेवा में सदैव तत्पर है।

रामफल मंडल के संघर्ष व विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सबकी जिम्मेदारी : विधायक

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। अखिल भारतीय धनुवंशी सेवा संघ एवं अखिल भारतीय धानुक एकता महासंघ के तत्वावधान में आयोजित अमर शहीद रामफल मंडल के 83वें शहादत दिवस समारोह में दरभंगा ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजेश कुमार उर्फ ईश्वर मंडल शामिल हुए। समारोह में पहुंचने पर आयोजकों एवं समाज के लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। समारोह को संबोधित करते हुए विधायक ईश्वर मंडल ने अमर शहीद रामफल मंडल को नमन करते हुए कहा कि वे बिहार के महान युवा स्वतंत्रता सेनानियों में से एक थे। वर्ष 1942 के ऐतिहासिक भारत छोड़ो आंदोलन में उन्होंने अदम्य साहस और देशभक्ति का परिचय देते हुए अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष किया तथा देश की आजादी के लिए हंसते-हंसते अपने प्राणों की आहुति दे दी। उन्होंने कहा कि भगत सिंह के बाद रामफल मंडल उन महान रणबांकुरों में थे, जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए फांसी के फंदे को भी हंसते-हंसते चूम लिया। उनका बलिदान स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में सदैव स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेगा। विधायक ने कहा कि शहीदों की कुबार्नी को केवल स्मरण करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके विचारों, संघर्ष और देश के प्रति समर्पण को नई पीढ़ी तक पहुंचाना भी हम सभी की जिम्मेदारी है। ऐसे शहादत समारोह समाज को अपने गौरवशाली इतिहास और महापुरुषों से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने अमर शहीद रामफल मंडल के शहादत दिवस पर सरकारी अवकाश घोषित करने की मांग भी की।

बाबा कुशेश्वरनाथ धाम फूलों व लाइटों से सजा शिव दरबार, शिवगंगा घाट बना स्पेशल सुरक्षा जोन

कुशेश्वरस्थान(दरभंगा).सावन की अंतिम सोमवारी को लेकर मिथिलांचल के प्रसिद्ध बाबा कुशेश्वरनाथ धाम में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं .रविवार शाम से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया .अंतिम सोमवारी पर पिछले वर्षों की तुलना में अधिक भीड़ उमड़ने की संभावना है प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है .मंदिर परिसर, मुख्य मार्ग, बाजार के चौक-चौराहों और मेला क्षेत्र में पुलिस बल और स्वयंसेवकों की तैनाती बढ़ा दी गई है तीसरी सोमवारी की तरह मुख्य मार्ग पर बैरिकेडिंग बरकरार रखी गई है ताकि जलाभिषेक के लिए कतार सुगमतापूर्वक आगे बढ़ सके शिवगंगा घाट पर सबसे ज्यादा सतर्कता बरती जा रही है . पूरे घाट क्षेत्र को विशेष सुरक्षा जोन बनाया गया है .यहां गोताखोर, पुलिस जवान और स्वयंसेवक चप्पे-चप्पे पर तैनात रहेंगे.बाबा का दरबार रंग-बिरंगे फूलों और आकर्षक विद्युत रोशनी से सजाया गया है . मेला क्षेत्र में साफ-सफाई का काम युद्धस्तर पर चल रहा है न्यास समिति अध्यक्ष सह एसडीओ शशांक राज और उपाध्यक्ष सह एसडीपीओ प्रभाकर तिवारी ने श्रद्धालुओं से कीमती आभूषण, अधिक नकदी और अनावश्यक सामान न लाने की अपील की है . अरघा के माध्यम से जलाभिषेक करने, निर्धारित मार्ग और बैरिकेडिंग का पालन करने और जलाभिषेक के बाद परिसर में अनावश्यक न रुकने को कहा गया है ताकि पीछे के श्रद्धालुओं को भी दर्शन मिल सके बुजुर्गों, महिलाओं, बच्चों दिव्यांगों की सुविधा का विशेष ध्यान रखने, अफवाहों पर ध्यान न देने और किसी भी संदिग्ध वस्तु की सूचना तुरंत प्रशासन को देने की अपील की गई है . वाहन पार्किंग स्थल पर ही खड़ा करने को कहा गया है।

बच्चों के अधिकारों व कानूनी सहायता को लेकर विधिक जागरूकता कार्यक्रम

प्रात : किरण संवाददाता

बेनीपुर(दरभंगा)। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दरभंगा श्री अजय कुमार शर्मा के निर्देश पर बेनीपुर प्रखंड के सझुआर पंचायत स्थित आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 283 पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पैनल अधिवक्ता विनोद कुमार मिश्र ने कहा कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) द्वारा बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए बाल हितैषी योजनाएं लागू की गई हैं। इन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की जिम्मेदारी जिला विधिक सेवा प्राधिकार को दी गई है। उन्होंने कहा कि पैनल अधिवक्ताओं, पारा विधिक स्वयंसेवकों एवं अन्य हितधारकों के सहयोग से बच्चों को बाल अनुकूल कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने बालश्रम, शिक्षा के अधिकार तथा बच्चों के भरण-पोषण सहित विभिन्न कानूनी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी। वहीं, प्राधिकार सहायक कुमार गौरव ने विवादों के निपटारे के लिए स्थायी लोक अदालत, राष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान-3.0 तथा आगामी 12 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ उठाने की अपील की। मौके पर आंगनबाड़ी सेविका रितु कुमारी, सहायिका रेनू देवी, आशा कार्यकर्ता आभा कुमारी, जीविका सुधीरा कुमारी, पीएलवी नितीश कुमार राम, शशिकांत झा महात्मा, हरिश्चंद्र झा, गौरीशंकर झा, त्रिवेणी कान्त झा, जयचंद्र झा, युवराज कुमार झा, लक्ष्मी देवी सहित अन्य मौजूद थे।

शंभु अगेही की रचनाएं समाज, संवेदना और मानवीय सरोकारों की जीवंत अभिव्यक्ति : सर्वेश कुमार

दरभंगा। हिंदी समाहार मंच की ओर से साहित्यकार शंभु अगेही की दशम पुण्यस्मृति के अवसर पर उनके साहित्यिक अवदान को स्मरण करते हुए पुस्तक समीक्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विधान परिषद सदस्य सर्वेश कुमार, चंद्रेश झा, गीतकार डॉ. अमरकांत कुंवर, प्रो. डॉ. रामचंद्र सिंह चंद्रेश एवं अध्यक्ष अखिलेश कुमार चौधरी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। पुस्तक समीक्षा प्रस्तुत करते हुए चंद्रेश झा ने कहा कि शंभु अगेही की रचनाएं समाज, संवेदना और मानवीय सरोकारों की जीवंत अभिव्यक्ति हैं। उनकी लेखनी आज भी पाठकों को प्रभावित करती है और नई पीढ़ी को साहित्य के प्रति संवेदनशील बनने की प्रेरणा देती है। मुख्य अतिथि सर्वेश कुमार ने कहा कि अगेही का साहित्य सांस्कृतिक एवं साहित्यिक विरासत की महत्वपूर्ण धरोहर है। इसे नई पीढ़ी तक पहुंचाना सभी की जिम्मेदारी है। डॉ. अमरकांत कुंवर ने ह्यस्वप्नह्ल प्रबंध काव्य की समीक्षा करते हुए इसे महत्वपूर्ण कृति बताया। उन्होंने कहा कि इसकी कथा प्राचीन होते हुए भी लेखन शैली आधुनिक है। प्रो. आशुतोष कुमार वर्मा ने ह्यसतंजाह्ल कहानी-संग्रह की समीक्षा करते हुए कहा कि सात कहानियों के इस संग्रह में दर्शन, कावित्व, कल्पना के साथ स्त्री शिक्षा का संदेश निहित है। ई. राणा ब्रजेश ने बज्जिका में प्रकाशित पुस्तकों की चर्चा करते हुए अगेही को युगद्रष्टा बताया। कार्यक्रम में बताया गया कि 24 अगस्त को बारह पुस्तकों का लोकार्पण तथा बिहार सहित अन्य राज्यों के करीब 40 साहित्यकारों का सम्मान किया जाएगा। बहुभाषी कवि सम्मेलन भी आयोजित होगा। समापन पर संगीत शिक्षिका शरद रानी के नेतृत्व में रुद्राणी, आरूषी, प्रज्ञा एवं गुंजन ने भावनृत्य प्रस्तुत कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के सफल संचालन कवि व साहित्यकार अमिताभ कुमार सिन्हा व धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सतीश चंद्र भगत ने किया।

संस्कृत विश्वविद्यालय में 25 से 31 अगस्त तक होगा संस्कृत सप्ताह समारोह

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय में 25 से 31 अगस्त तक कुलपति प्रो. लक्ष्मी निवास पाण्डेय की अध्यक्षता में संस्कृत सप्ताह समारोह-2026 का आयोजन किया जाएगा। मुख्य भवन स्थित दरबार हॉल में स्नातकोत्तर विभाग, शिक्षाशास्त्र विभाग, म.अ. रमेश्वरलता संस्कृत महाविद्यालय एवं संस्कृत भारती के संयुक्त तत्वावधान में समारोह की तैयारी चल रही है। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि दरभंगा के जिलाधिकारी कौशल कुमार होंगे। विशिष्ट अतिथि एलएनएमयू के सेवानिवृत्त प्राध्यापक प्रो. अशोक कुमार बच्चन तथा सारस्वत अतिथि पूर्व कुलपति प्रो. शशिनाथ झा होंगे। 26 अगस्त को शास्त्र चर्चा में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के प्राध्यापक एवं शोधछात्र भाग लेंगे। 27 अगस्त को शैक्षिक स्पर्धाएं आयोजित होंगी। इसमें शहर के सरकारी एवं निजी विद्यालयों के कक्षा 6 से 10 तक के छात्र-छात्राएं शामिल होंगे। विद्यालय स्तर पर श्लोक वाचन एवं ह्यसंस्कृतभाषायाः महत्त्वम्ह्ल विषय पर भाषण प्रतियोगिता होगी। उच्च स्तर पर ह्यसंस्कृतक्षेत्रे उद्यमितायाः अवसराःह्ल विषय पर प्रतियोगिता आयोजित होगी। सफल प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र दिए जाएंगे। 28 अगस्त को संस्कृत दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर से संस्कृत शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद उपाकर्म कार्यक्रम होगा। 29 अगस्त को ह्यसंस्कृतं विज्ञानं चह्ल विषय पर संगोष्ठी होगी। 30 अगस्त को संस्कृत नाटक, गीत, वाद्य एवं अभिनय की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। 31 अगस्त को समापन समारोह आयोजित किया जाएगा। समारोह में संस्कृत भारती बिहार-झारखंड के क्षेत्र मंत्री प्रो. प्रकाश पाण्डेय मुख्य अतिथि होंगे। विशेष कार्य पदाधिकारी (शैक्षणिक) डॉ. रामसेवक झा ने बताया कि 25 से 31 अगस्त तक विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी महाविद्यालयों में भी संस्कृत सप्ताह मनाया जाएगा। समारोह के सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति का गठन किया गया है।

सेवा, सुरक्षा और बंधुत्व के संकल्प के साथ मना 48वीं वाहिनी SSB का 17वां स्थापना दिवस

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। जयनगर भारत-नेपाल सीमा पर तैनात 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), जयनगर का 17वां स्थापना दिवस रविवार को वाहिनी मुख्यालय परिसर में हर्षोल्लास, उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। कमांडेंट राजेंद्र कुमार के नेतृत्व में आयोजित समारोह में वाहिनी के अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी, जवान एवं उनके परिवारजन शामिल हुए। स्थापना दिवस समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेलकूद प्रतियोगिताएं, मनोरंजक गतिविधिया और विभिन्न प्रकार के व्यंजनों के स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहे। कार्यक्रम में स्थानीय पत्रकार एवं मीडिया प्रतिनिधि भी मौजूद रहे और उन्होने पूरे समारोह में शामिल होकर विभिन्न कार्यक्रमो का आनंद लिया।कार्यक्रम स्थल पर कमांडेंट राजेंद्र कुमार के पहुंचने पर अधिकारियो, अधीनस्थ अधिकारियों एवं जवानो ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। इसके बाद कमांडेंट एवं उपस्थित अतिथियो ने दीप प्रज्वलित कर तथा आकाश में रंग-बिरंगे गुब्बारे उड़ाकर स्थापना दिवस समारोह का विधिवत शुभारंभ किया।इस अवसर पर कमांडेंट राजेंद्र कुमार ने 48वीं वाहिनी के सभी अधिकारियो, अधीनस्थ अधिकारियो, जवानो एवं उनके परिवारजनो को स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने वाहिनी की गौरवशाली यात्रा, सीमा सुरक्षा में निभाई जा रही जिम्मेदारियो तथा सीमावर्ती क्षेत्र में संचालित नागरिक कल्याण गतिविधियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने जवानों से पूर्ण निष्ठा, अनुशासन, सजगता और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए राष्ट्र सेवा करते रहने का आह्वान किया।कमांडेंट ने कहा कि वर्ष 1962 में हुए भारत-चीन युद्ध के बाद उत्पन्न परिस्थितियो से निपटने के उद्देश्य से वर्ष 1963 में एसएसबी की स्थापना की गई थी। जयनगर में स्थापित 48वीं वाहिनी को भारत-नेपाल सीमा के करीब 66 किलोमीटर क्षेत्र की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वाहिनी स्थापना काल से ही पूरी तत्परता और मुस्तैदी के साथ सीमा सुरक्षा में जुटी है। भारत और नेपाल के बीच बेटी-रोटी का संबंध तथा खुली सीमा होने के कारण अवैध तस्करी पर अंकुश लगाना और देश विरोधी गतिविधियो में संलिप्त तत्वों से निपटना महत्वपूर्ण चुनौती है। एसएसबी के जवान ह्यसेवा, सुरक्षा और बंधुत्वह्ल की भावना के साथ इन चुनौतियों का सामना करते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे है। झिझिया से भांगड़ा तक, सांस्कृतिक रंग में रंगा समारोहस्थापना दिवस समारोह में जवानों एवं बच्चों ने अपनी कला और प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

देवेन्द्र नाथ राय की पुस्तक लोकतंत्र की सार्थकता का लोकार्पण

मुजफ्फरपुर। पत्रकार देवेंद्र नाथ राय द्वारा लिखित पुस्तक लोकतंत्र की सार्थकता का लोकार्पण शनिवार को मिठनपुरा स्थित एक होटल के सभागार में केंद्रीय राज्य जल शक्ति मंत्री डॉ राज भूषण चौधरी निषाद, नगर विधायक रंजन कुमार, ज्योतिषाचार्य पंडित कमलापति त्रिपाठी, डॉ अबूजर कमालुद्दीन, डॉ अजीत कुमार,डॉ संजय पंकज ने संयुक्त रूप में किया। विषय प्रवर्तन करते हुए संजय पंकज ने कहा कि सही अर्थ में मनुष्य होने के लिए जिन प्राकृतिक और व्यावहारिक गुणों की अनिवार्यता है, उसकी पड़ताल करते हुए लेखक देवेंद्र नाथ राय ने भारतीय चिंतन परंपरा तथा पाश्चात्य विचारधारा का गहन अध्ययन किया है। यह पुस्तक लोकतंत्र की सार्थकता केवल राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में ही नहीं बल्कि जीवन के समग्र संतुलन और सकारात्मक संवर्धन में भी व्यापक विमर्श है। लेखक ने पुस्तक में अनेक सवालों को उठाया है। समाधान को भी निर्देशित किया है।डॉ पंकज ने विस्तार से बोलते हुए आगे कहा कि लोकतंत्र की दुहाई देती हुई राजनीति आज कितनी दिशाहीन और विध्वंसक हो गई है बताने की जरूरत नहीं है।राजनेताओं का तानाशाही रवैया,महत्वाकांक्षा का अनर्गल प्रलाप, भौतिकता का मोह और स्वयंभू होने का दंभ अपने विनाशक प्रभाव से प्रकति तथा संस्कृति को निरंतर विकृत कर रहा है।पुस्तक में भारत और विश्व को देखने समझने की एक खिड़की खुलती है। लोकतंत्र की सार्थकता अनुभव, संवेदना, मानवीय मूल्य, समदर्शिता और अध्यात्म में सन्निहित है। लोकतंत्र को व्यापकता से जानने का आलोक है यह पुस्तक।केंद्रीय राज्य मंत्री ने अपने संबोधन में लेखक के प्रयास को सार्थक बताया और कहा कि सहयोगात्मक बात करें तो लोकतंत्र ही जनता के लिए बेहतर माध्यम है लेकिन इसके लिए जरूरी है कि इसके बेहतर संचालन के लिए संस्थाएं न्यायिक तंत्र और जनता की भागीदारी सही भाव से संपन्न हो ।नगर विधायक रंजन कुमार ने लोकतंत्र की सार्थकता पर विचार रखते हुए कहा कि कोई भी संगठन अथवा सरकार कभी भी नहीं चाहती कि लोकतंत्र कमजोर हो। लेखक की स्वतंत्र अभिव्यक्ति का किताब के रूप में प्रकाशित होना ही लोकतंत्र की सार्थकता है। पूर्व प्राचार्य डॉ अबूजर कमालुद्दीन ने लोकतंत्र की सार्थकता को राष्ट्रीय चिंतन का विषय बताया और कहा कि इस पर व्यापक चर्चा होनी चाहिए क्योंकि यह मुद्दा हमारा, आपका और सिर्फ भारत का ही नहीं वैश्विक स्तर पर भी यह मामला सम्यक चिंतन का विषय है। जिसमें समावेशी दृष्टिकोण रखना आवश्यक है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि न सिर्फ भारत; दुनिया के देशों में भी यह एहसास किया गया है कि लोकतंत्र का कोई विकल्प नहीं हो सकता। पूर्व प्राचार्य डॉ अजीत कुमार ने कहा कि व्यवस्था और तंत्र की जकड़न से मुक्ति और स्वतंत्रता की परिकल्पना का स्वरूप है यह पुस्तक जो लेखक की सोच और अनुभूतियों को मानवीय मूल्य में उजागर करती है। लोक और तंत्र में कभी से मेल नहीं रहा है। परस्पर दोनों एक दूसरे को दबाने की सोच रखते हैं। स्वागत-आभार मेंलेखक श्री राय ने लोकतंत्र की दशा और दिशा पर विमर्श के साथ-साथ संवैधानिक तथा व्यावहारिक स्तर पर लोकतंत्र की व्यवस्था पर प्रकाश डाला और कहा कि वर्तमान परिवेश में लोकतंत्र की दुर्दशा देखकर यह एहसास होता है कि इसके व्यावहारिक स्वरूप पर मंथन हो और एक बेहतर विकल्प भी हो। कार्यक्रम का संचालन और धन्यवाद ज्ञापन कवि डॉ संजय पंकज ने किया। मौके पर डॉ पुष्पा प्रसाद,महंत राजीव रंजन दास, सुबोध कुमार,योगेंद्र सिंह गंभीर, डॉ मनोज कुमार, आलोक कुमार राजा,प्रेमभूषण, प्रमोद आजाद समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

होली मैरी इंटरनेशनल स्कूल ने जीता अंडर-16 बालिका बास्केटबॉल का खिताब

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। थलवारा रोड स्थित होली मैरी इंटरनेशनल स्कूल, पंडासराय के परिसर में बास्केटबॉल एसोसिएशन ऑफ दरभंगा के तत्वावधान में आयोजित जिला स्तरीय इंटर स्कूल अंडर-16 बास्केटबॉल चैंपियनशिप 2026 के बालिका वर्ग का फाइनल मुकाबला रविवार को खेला गया। रोमांचक मुकाबले में मेजबान होली मैरी इंटरनेशनल स्कूल ने यू.एच.एस. तारालाही को 18-15 के अंतर से हराकर विजेता का खिताब अपने नाम किया। फाइनल से पूर्व अतिथियों ने दोनों टीमों की खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। मुकाबले में दोनों टीमों की बालिका खिलाड़ियों ने पूरे जोश और खेल भावना के साथ शानदार प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों के बेहतरीन खेल कौशल से मुकाबला अंत तक रोमांचक बना रहा। मुख्य अतिथि पूर्व जिला कबड्डी संघ अध्यक्ष संजय कुमार सिंह उर्फ पप्पू सिंह ने कहा कि बालिका खिलाड़ियों में खेल के प्रति जुनून, अनुशासन और उत्साह सराहनीय है। बेटियों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए बेहतर अवसर एवं प्रोत्साहन मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच मिलता है। मुख्य अतिथि ने विजेता होली मैरी इंटरनेशनल स्कूल एवं उपविजेता यू.एच.एस. तारालाही की टीम को मेडल और शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया। विशिष्ट अतिथि प्रथम हॉस्पिटल, बिरौल के संस्थापक डॉ. राजेश कुमार झा एवं गुरुकुल क्लासेस, बिरौल के संस्थापक डॉ. केशव चौधरी ने भी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। बास्केटबॉल एसोसिएशन ऑफ दरभंगा के सचिव आशीष कुमार ने कहा कि प्रतियोगिता का उद्देश्य जिले की युवा बास्केटबॉल प्रतिभाओं को बेहतर मंच प्रदान करना है। मंच संचालन डॉ. केशव कुमार चौधरी ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय के प्राचार्य शिवू वी. राजू ने किया। अंत में राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ।

दादा के साथ नदी पार करने के दौरान पोते की डूबने से मौत

मुजफ्फरपुर। जिले के हत्था थाना क्षेत्र के सकरी मन गांव में रविवार को नदी में डूबने से 12 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। मृतक की पहचान सकरी मन निवासी सुमंत कुमार, पिता सकल सहनी के रूप में हुई है। घटना सकरी मन नदी पुल से दक्षिण की ओर हुई। बताया गया कि सुमंत कुमार अपने बाबा के साथ जा रहा था। इसी दौरान वह नदी में डूब गया। घटना के बाद आसपास मौजूद ग्रामीणों ने काफी प्रयास कर बच्चे के शव को नदी से बाहर निकाला। हादसे की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।सूचना पर हत्था थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच, मुजफ्फरपुर भेज दिया।

दम्पति का नरकंकाल मिलने से हड़कंप, सगे भाई ने की थी हत्या

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।प्रतिशोध और रंजिश में आकर एक सगे भाई ने ही भाई-भाभी के अटूट रिश्ते को तार-तार कर दिया। बरहमपुरा के रहने वाले मनोज भगत और उनकी पत्नी मीनू भगत की उनके ही सगे भाई अनुज भगत ने बेरहमी से हत्या कर दी। साक्ष्य छिपाने की नियत से आरोपी ने दोनों के शवों को बेडशीट और कंबल में लपेटकर बोचहा थानांतर्गत दरभंगा रोड एन एच -27 पर स्थित राधा स्वामी सत्संग भवन के पास झाड़ियों में फेंक दिया। घटना के बाद से ही पुलिस मामले की तफ्तीश में जुटी थी। गुप्त सूचना और तकनीकी सर्विलांस के आधार पर आरोपी अनुज भगत को पुलिस ने बनारस से गिरफ्तार कर लिया। कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी ने अपना जुर्म कबूल किया और शवों को ठिकाने लगाने की जगह की जानकारी दी। आरोपी अनुज की निशानदेही पर एसडीपीओ-2 विनीता सिंह स्थानीय पुलिस बल और फॉरेंसिक साइंस लैब की टीम के साथ मौके पर पहुंच कर झाड़ियों के पास खुदाई के बाद दंपति के कंकाल बरामद किए गए। पुलिस ने कंकालों को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी प्रक्रिया और डीएनए जांच के लिए भेज दिया है।

सरफुद्दीनपुर चौक का लिंक रोड फिर अतिक्रमण की चपेट में

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर-दरभंगा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-27 स्थित सरफुद्दीनपुर चौक के दक्षिणी लिंक रोड पर अतिक्रमण की समस्या फिर गहराने लगी है। 31 जुलाई को प्रशासन की मौजूदगी में वर्षों पुराने अतिक्रमण को हटाया गया था। उस समय अधिकारियों ने दावा किया था कि अतिक्रमण हटने के बाद लिंक रोड पर सर्विस लेन का निर्माण कराया जाएगा। लेकिन अब तक सर्विस लेन का निर्माण नहीं होने से स्थानीय लोगों की परेशानी जस की तस बनी हुई है। सरफुद्दीनपुर उत्तर बिहार के प्रमुख गुदरी बाजारों में शामिल है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग खरीदारी और अन्य कार्यों के लिए पहुंचते हैं। लिंक रोड के अभाव में लोगों को राष्ट्रीय राजमार्ग से होकर गुजरना पड़ता है। इससे न केवल आवागमन में परेशानी होती है, बल्कि हाईवे पर जाम और दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि करीब 22 वर्षों से लिंक रोड अतिक्रमण की समस्या से जूझ रहा था। काफी प्रयास के बाद स्थानीय प्रशासन के सहयोग से 31 जुलाई को अतिक्रमण हटाया गया। इसके बाद लोगों को उम्मीद थी कि अब सर्विस लेन का निर्माण शुरू होगा और बाजार तक पहुंचना आसान हो जाएगा। लेकिन अतिक्रमण हटाए जाने के बाद भी निर्माण कार्य शुरू नहीं होने से लोगों में निराशा है। ग्रामीणों के अनुसार, सरफुद्दीनपुर चौक से करीब तीन किलोमीटर पूरब टोल प्लाजा भी है। उनका कहना है कि एनएच पर टोल वसूली के बावजूद सर्विस रोड की सुविधा बदहाल है। लिंक रोड और सर्विस लेन की समुचित व्यवस्था नहीं होने से स्थानीय लोगों को रोजाना परेशानी उठानी पड़ रही है। लोगों ने एनएचएआई और जिला प्रशासन से सरफुद्दीनपुर चौक के दक्षिणी लिंक रोड पर जल्द से जल्द सर्विस लेन का निर्माण कराने तथा दोबारा अतिक्रमण नहीं होने देने की मांग की है।

पूसा में 46 मिमी बारिश, अधिकतम तापमान 34 .5 डिग्री दर्ज

मुजफ्फरपुर। डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केंद्र की ओर से 23 अगस्त 2026 को जारी मौसम रिपोर्ट के अनुसार क्षेत्र में पिछले 24 घंटे के दौरान 46.0 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। बारिश के बावजूद अधिकतम तापमान सामान्य से 2 डिग्री अधिक 34.5 डिग्री सेल्सियस रहा। रिपोर्ट के अनुसार न्यूनतम तापमान 26.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.7 डिग्री कम है। सुबह 7 बजे सापेक्ष आर्द्रता 86 प्रतिशत और दोपहर 2 बजे 98 प्रतिशत रही। वातावरण में अधिक नमी के कारण उमस का असर बना रहा। मौसम के दौरान हवा की औसत गति 8.4 किलोमीटर प्रति घंटा रही और हवा की दिशा पुरवा रही। वाष्पोत्सर्जन की मात्रा 5.2 मिलीमीटर दर्ज की गई। बारिश और उच्च आर्द्रता के कारण आने वाले समय में मौसम में नमी बनी रहने की संभावना है।

नगर विधायक, जिला पदाधिकारी ने कलश यात्रा वाहनों को हरी झंडी दिखा कर किया रवाना

प्रात : किरण संवाददाता

नगर विधायक रंजन कुमार, जिला पदाधिकारी कुमार गौरव एवं अन्य जनप्रतिनिधियों तथा पदाधिकारियों ने समाहरणालय से 11 कलश यात्रा वाहनों को हरी झंडी दिखाकर सभी प्रखंडों के लिए रवाना किया। इन सभी वाहनों को श्री गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती के अवसर पर आयोजित समरसता संकल्प अभियान के दौरान जिला के 2,751 अनुसूचित जाति टोलों में रूट चार्ट के अनुसार घुमाया जाएगा तथा लोगों को योजनाओं के बारे में जानकारी दी जाएगी। प्रखंड विकास पदाधिकारियों के निदेशन में तत्काल प्रभाव से इन वाहनों को संचालित किया जाएगा। जिला पदाधिकारी ने कहा कि सरकार के आदेश के अनुसार संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती के अवसर पर सभी अनुसूचित जाति टोलों

में समरसता संकल्प अभियान विधिवत आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाना है। इस बारे में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग, बिहार सरकार द्वारा विस्तार से निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के चार मुख्य घटक कलश यात्रा, श्री गुरु संत रविदास विकास शिविर का आयोजन, सूचना, शिक्षा एवं संवाद हैं। इसी के साथ वाहनों के माध्यम से सरकार की योजनाओं एवं संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास समरसता संकल्प अभियान का प्रचार प्रसार तथा अन्य गतिविधियां चलाई जाएंगी। सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि कलश यात्रा को सफलतापूर्वक संपन्न करें। उन्होंने कहा कि अभियान का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जाति आबादी वाले सभी टोलों में सरकारी योजनाओं एवं सुविधाओं की शत प्रतिशत संतृप्ति प्राप्त करना है। इस उद्देश्य से श्री संत रविदास विकास शिविर का आयोजन सभी अनुसूचित जाति टोलों में 27 अगस्त, 2026 से प्रारंभ होकर 15 फरवरी, 2027 तक प्रत्येक बृहस्पतिवार को किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन शिविर कार्यक्रम का स्थल टोला या टोला क्लस्टर के नजदीक का सरकारी भवन या अन्य कोई सार्वजनिक स्थान होगा। 1,131 शिविरों में क्लस्टर बनाकर कुल 2,751 महादलित टोलों को आच्छादित किया जा रहा है। शिविर कार्यक्रम स्थल और तिथि की जानकारी विकास मित्रों के माध्यम से सभी टोलों में प्रसारित की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि शिविरों में आयोजित होने वाले योजनावार गतिविधियों के लिए उत्तरदायी विभागों, संबद्ध पंचायत स्तरीय कर्मियों एवं प्रखंड स्तरीय पर्यवेक्षकों का उत्तरदायित्व निर्धारित किया गया है। शिविरों से पूर्व आवेदन प्राप्त करते हुए आवेदन का निष्पादन किया जाएगा एवं एंटाइटलमेंट का वितरण शिविर में किया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रखंड विकास पदाधिकारियों को इन शिविरों में जन प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि जिला कल्याण पदाधिकारी जिला स्तर पर एवं प्रखंड कल्याण पदाधिकारी प्रखंड स्तर पर इस कार्यक्रम का समन्वय करेंगे। शिविरों की अध्यक्षता हेतु जिला स्तरीय पदाधिकारियों को नामित किया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि कलश यात्रा वाहनों के अतिरिक्त इस अभियान के तहत सरकार की योजनाओं के प्रचार-प्रसार हेतु आईईसी वैन का भी संचालन किया जाएगा। इन वाहनों को सितम्बर से अक्टूबर तक रूट प्लान के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों में संचालित किया जाएगा ताकि अभियान का वृहत प्रचार-प्रसार हो सके।

सीजीएम ने अहियापुर थानाध्यक्ष का वेतन बंद करने का दिया आदेश

● कोर्ट के आदेश के बाद भी नहीं हुई थी प्राथमिकी दर्ज

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। कोर्ट के आदेश का पालन नहीं करने पर सीजीएम ने अहियापुर के वर्तमान थानाध्यक्ष का वेतन बंद करने का आदेश वरीय पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरपुर को दिया है। इस आदेश के बाद पुलिस महकमे में खलबली मची हुई है। मामला अहियापुर थाना क्षेत्र के मुरादपुर भरथ गांव का है। पीड़ित महिला का आरोप है कि बोचहां थाना क्षेत्र के ककराचक निवासी राजीव कुमार ने 17 अगस्त 2022 बुधवार की रात करीब 1 बजे टाटी हटाकर उसके घर में घुसकर पिस्टल दिखाकर डराया और गलत काम करने का प्रयास किया। महिला के चिल्लाने पर आरोपी ने दाहिने हाथ में लिए पिस्टल को कनपटी पर सटा दिया और जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता द्वारा शोर मचाए जाने पर आरोपी उसे नग्न अवस्था में छोड़कर घर में रखा 35 हजार रुपये नकद जो उसने गाय बेचकर रखा था और 40 हजार रुपये के सोना चांदी के जेवरात लेकर भागने लगा। भागने के क्रम में आरोपी का एक चप्पल घटनास्थल पर ही छूट गया। पीड़िता के अनुसार आरोपी अपराधी किस्म का व्यक्ति है जो पूर्व में जेल भी जा चुका है। घटना के बाद पीड़िता ने गरहां पंचायत के मुखिया और सरपंच के पास जाकर आपबीती बताई। 21 अगस्त 2022 रविवार को पंचायत में फैसला करने की बात कही गई लेकिन पंचायत हुई ही नहीं। पंचायत होने का आश्वासन देकर टालता रहा। पंचायत न होने पर पीड़िता ने 22 अगस्त 2022 को लिखित जानकारी थानाध्यक्ष अहियापुर को दी। थानाध्यक्ष ने कहा कि घटना की जांच कोर्ट से आदेश आने के बाद ही प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। इसी बीच आरोपी ने 30 अगस्त 2022 को पीड़िता और उसके दोनों बच्चों को जान से मारने की गंभीर धमकी दी। इसकी जानकारी पीड़िता ने थानाध्यक्ष के साथ वरीय पुलिस पदाधिकारी को भी दी, परंतु कोई कार्रवाई नहीं हुई। न्याय न मिलने पर पीड़िता ने सीजीएम कोर्ट में परिवाद पत्र दाखिल किया। सीजीएम ने परिवाद की गंभीरता को देखते हुए थानाध्यक्ष को प्राथमिकी दर्ज करने को कहा, परंतु प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई। सीजेएम सचिन कुमार मिश्रा ने वरीय पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरपुर को पत्र भेजकर न्यायालय के आदेश का पालन नहीं करने के कारण वर्तमान थाना प्रभारी अहियापुर का वेतन बंद करने तथा इसकी सूचना कोर्ट में देने का आदेश दिया है।

चौथी सोमवारी के दिन आज शहर के यतायात व्यवस्था में किया गया बदलाव

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर । श्रावणी मेला की चौथी सोमवारी के लिए शहर की यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। आज बाबा गरीबनाथ मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए विशेष ट्रैफिक रूट लागू रहेगा। इसके साथ ही, दोपहिया वाहनों के लिए छह पार्किंग स्थल भी निर्धारित किए गए हैं ।बाइक से आने वाले श्रद्धालुओं को मधौल से न्यू बाईपास होते हुए गोबरसाही के रास्ते मुजफ्फरपुर शहर में प्रवेश मिलेगा। न्यू बाईपास से मुजफ्फरपुर की ओर आने वाले अन्य वाहन भी गोबरसाही के रास्ते ही शहर में प्रवेश कर सकेंगे ।यातायात व्यवस्था के तहत, मधौल लिची स्टैच्यू से किसी भी वाहन को रामदयालु गुमटी की ओर जाने की अनुमति नहीं होगी। इस मार्ग से आने वाले वाहनों को निर्धारित वैकल्पिक रास्तों से शहर की ओर भेजा जाएगा। हालांकि, एम्बुलेंस सहित आपातकालीन वाहनों को आवश्यकता पड़ने पर प्रवेश की अनुमति दी जाएगी ।बाबा गरीबनाथ मंदिर में जलाभिषेक के लिए आने वाले बाइक सवार श्रद्धालुओं के लिए छह स्थानों पर पार्किंग की व्यवस्था की गई है। इन पार्किंग स्थलों में मुजफ्फरपुर क्लब मैदान, इमलीचट्टी बस स्टैंड, बीबी कॉलेजिएट स्कूल, आरडीएस कॉलेज मैदान, आरडीएस रेलवे स्टेशन और एलएस कॉलेज मैदान शामिल हैं ।ट्रैफिक पुलिस ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अपने दोपहिया वाहन केवल निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़े करें। सड़क या यातायात मार्ग में वाहन खड़े करने से जाम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जिससे अन्य श्रद्धालुओं को असुविधा होगी। पुलिस ने आम लोगों और श्रद्धालुओं से ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों के निर्देशों का पालन करने का आग्रह किया है, ताकि श्रावणी मेला के दौरान शहर में आवागमन सुरक्षित और व्यवस्थित बना रहे।

जिलाधिकारी ने की ई-निबंधन की समीक्षा

मुजफ्फरपुर। समाहर्ता-सह-जिला पदाधिकारी-सह-जिला निबंधक, मुजफ्फरपुर कुमार गौरव द्वारा शनिवार को ई -निबंधन की समीक्षा की गई। जिला अवर निबंधक अजय कुमार ने जिला पदाधिकारी के समक्ष ई-निबंधन की पूरी प्रक्रिया के संबंध विस्तृत प्रस्तुति दी। नई व्यवस्था के संबंध में कातिब,मुद्रांक विक्रेता सेवाप्रदाता एवं संबंधित प्रतिनिधियों को विस्तृत जानकारी दी गई। समाहर्ता-सह-जिला निबंधक ने कहा कि ई-निबंधन प्रणाली काफी जनोपयोगी, सरल, पारदर्शी एवं तकनीकी दृष्टिकोण से उन्नत है। इससे आम जनता के साथ-साथ सभी स्टेकहोल्डर्स यथा सेवाप्रदाताओं और सरकार को भी लाभ होगा ।जिलाधिकारी ने कहा कि ई-निबंधन प्रणाली से आम जनता को घर बैठे दस्तावेज तैयार करने की सुविधा उपलब्ध हो रही है। आधार आधारित ई-साइन की व्यवस्था लागू होने से दूसरे व्यक्ति की जमीन बेचने के खतरे को कम किया जा सकेगा। कागजी दस्तावेज में छेड़छाड़ की संभावना में कमी आएगी। दस्तावेज तैयार करने की प्रक्रिया में सेवा प्रदाता,स्वयं पक्षकार द्वारा सुविधा मिल रही है। दस्तावेज की सच्ची प्रतिलिपि ऑनलाइन प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध हो रही है। जिलाधिकारी ने कहा कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, सुगम एवं सुलभ है। यह व्यवस्था पूर्णतः तकनीक-आधारित है। निबंधन के उपरांत दस्तावेज की पीडीएफ प्रति पक्षकार के मोबाइल पर स्वतः प्राप्त हो जाएगी, जिससे कार्यालय आने-जाने की आवश्यकता कम होगी। ऑनलाइन निबंधन के पश्चात पक्षकार को आवश्यकतानुसार हस्ताक्षरित हार्डकॉपी की प्रति भी उपलब्ध कराई जाएगी।

पुलिस ने 19 चोरी कांडों का किया खुलासा आठ शातिर अपराधी गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के पियर व हत्था थाना क्षेत्र के अलावा मुशहरी, बोचहां, सकरा थाना और मुरौल ओपी क्षेत्र में बीते दिनों हुई चोरी की 19 घटनाओं का पुलिस ने शनिवार शाम को खुलासा कर दिया। मामले में पुलिस ने आठ शातिरों को गिरफ्तार किया है। इनमें चार नाबालिग और चार युवक शामिल हैं। आरोपितों के पास से चोरी के सामान के साथ चार बाइक भी बरामद की गई है। शनिवार को पीयर थाना परिसर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए ग्रामीण एसपी राजेश सिंह प्रभाकर ने बताया कि चोरी की घटनाओं के उद्भेदन के लिए विशेष टीम का गठन किया गया था। इसमें सकरा अंचल निरीक्षक समेत छह थानों के थानाध्यक्षों को शामिल किया गया था। घटनाओं के बाद से टीम लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही थी। ग्रामीण एसपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में गायघाट थाना क्षेत्र के छोटू कुमार और सन्नी कुमार के अलावा चार नाबालिग शामिल हैं। वहीं, मुरौल ओपी क्षेत्र से भी एक नाबालिग को पकड़ा गया है। पूछताछ के दौरान सभी ने चोरी की घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। इसके अलावा बोचहां थाना क्षेत्र से कुंदन साह को चोरी का सामान खरीदने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, मुरौल क्षेत्र में 16 अगस्त को पांच घरों और 19 अगस्त को 12 घरों में चोरी की घटनाएं हुई थीं। वहीं, पियर थाना क्षेत्र में आठ आंगनबाड़ी केंद्रों तथा बोचहां थाना क्षेत्र में पांच स्कूलों और एक घर को चोरों ने निशाना बनाया था। गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ के आधार पर पुलिस अब चोरी की घटनाओं के मास्टरमाइंड की तलाश में जुटी हुई है।

जमीन कब्जा और तोड़फोड़ के आरोप में दो गिरफ्तार, 50 अज्ञात पर केस

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। अहियापुर थाना क्षेत्र के झपहा में जमीन पर कथित कब्जे और निर्माण तोड़ने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, घटना में नामजद एक अभियुक्त और एक अप्राथमिकी अभियुक्त को घटना के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक, औराई थाना क्षेत्र के प्रहलाद कुमार ने 20 अगस्त को अहियापुर थाने में लिखित आवेदन दिया था। आवेदन में उन्होंने बताया कि झपहा स्थित उनकी नौ धुर जमीन का वर्ष 2025 में दाखिल-खारिज कराया गया था और उस पर बाउंड्री का निर्माण कराया गया था।आरोप है कि 20 अगस्त को कुछ लोग स्कॉर्पियो, थार, जेसीबी और मोटरसाइकिल से करीब 50 अन्य लोगों के साथ वहां पहुंचे। इनमें एक वाहन पर राजनीतिक दल का बोर्ड लगा था। आरोपितों ने जेसीबी से वादी की जमीन सहित आसपास के क्षेत्रों में किए गए निर्माण को तोड़ना शुरू कर दिया। विरोध करने पर मारपीट करने, गले से आभूषण छीनने और जमीन खाली करने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। मामले में अहियापुर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई दो नामजद और 50 अज्ञात लोगों को आरोपित किया गया है। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए नामजद अभियुक्त सुमित कुमार श्रीवास्तव, निवासी नरियार, मोतीपुर तथा अप्राथमिकी अभियुक्त सन्नी सिंह, निवासी बैरिया, सरस्वती नगर, अहियापुर को गिरफ्तार कर लिया ।इस मामले में सीतामढ़ी जिले के बेलसंड विधानसभा क्षेत्र से लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के विधायक अमित कुमार रानू के मुजफ्फरपुर स्थित आवास पर रविवार सुबह पुलिस ने छापेमारी की। यह कार्रवाई जमीन विवाद और बाउंड्री दीवार तोड़े जाने के मामले से जुड़ी है। पुलिस टीम अदालत से सर्च वारंट लेकर अहियापुर थाना क्षेत्र के बैकुंठपुरी इलाके में विधायक के घर पहुंची और तलाशी अभियान चलाया।

भारतीय संस्कृति और लोक मंगल के अन्यतम पुरोधा गोस्वामी तुलसीदास : चंद्रभूषण सिंह चंद्र

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। नूतन साहित्यकार परिषद, कांटी के तत्वावधान में रविवार को साहित्य भवन में तुलसी जयंती समारोह श्रद्धा पूर्वक साहित्यिक वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में उपस्थित साहित्यकारों एवं साहित्यप्रेमियों ने संत कवि गोस्वामी तुलसीदास की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस दौरान वक्ताओं ने तुलसीदास के व्यक्तित्व, कृतित्व और भारतीय साहित्य एवं संस्कृति पर उनके व्यापक प्रभाव पर विस्तार से प्रकाश डाला। परिषद के अध्यक्ष चंद्रभूषण सिंह ह्यचंद्रह्ण ने कहा कि तुलसीदास ने रामचरितमानस की रचना कर कागज के पन्ने को तुलसीदल जैसा पवित्र और सार्थक बना दिया। सगुण भक्ति के महान उपासक तुलसीदास ने अपनी रचनाओं के माध्यम से भारतीय संस्कृति, लोकमंगल और मानवीय

मूल्यों को समाज तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य किया। उनकी रचनाएं मानव जीवन को सत्य, मयार्दा, करुणा, त्याग और सदाचार का मार्ग दिखाती हैं। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को तुलसी साहित्य से जोड़ना आज समय की आवश्यकता है। गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस जैसे कालजयी ग्रंथ की रचना कर भारतीय समाज को मयार्दा, समन्वय और लोककल्याण का संदेश दिया। तुलसी का साहित्य केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि भारतीय समाज की जीवन-दृष्टि और सांस्कृतिक चेतना का भी महत्वपूर्ण दस्तावेज है। चंद्र ने तुलसीदास के जीवन में रत्नावली के प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि पत्नी रत्नावली के तीखे लेकिन सच्चे वचनों ने तुलसी के भीतर की ऊर्जा और प्रेम को सांसारिक आसक्ति से हटाकर ईश्वरीय भक्ति की ओर मोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके बाद तुलसीदास की प्रतिभा ने जिस दिशा में विस्तार पाया, उसने हिंदी साहित्य को अमूल्य कृतियां प्रदान कीं। स्वराजलाल ठाकुर ने कहा कि तुलसीदास की रचनाएं केवल धार्मिक दृष्टि से ही महत्वपूर्ण नहीं हैं, बल्कि सामाजिक और साहित्यिक दृष्टिकोण से भी उनका विशेष महत्व है। उनके साहित्य में तत्कालीन समाज, लोकभाषा, लोकविश्वास और जनजीवन की स्पष्ट झलक मिलती है। तुलसी ने कठिन दार्शनिक विचारों को भी जनभाषा में प्रस्तुत कर साहित्य को आम लोगों तक पहुंचाया। परशुराम सिंह ने कहा कि तुलसीदास की कृतियों में लोकजीवन, मानवीय संवेदना और नैतिक मूल्यों का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है। उनका साहित्य व्यक्ति को अपने कर्तव्यों के प्रति सजग करने के साथ-साथ समाज में प्रेम, सहिष्णुता और सद्भाव की भावना को मजबूत करता है। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि आज की पीढ़ी आधुनिक तकनीक और तेजी से बदलती जीवनशैली के बीच अपनी सांस्कृतिक जड़ों से दूर होती जा रही है। ऐसे समय में तुलसी साहित्य नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, मानवीय मूल्यों और जीवन की मयार्दाओं से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बन सकता है। कार्यक्रम में चन्द्रकिशोर चौबे, रामेश्वर महतो, महेश कुमार, नंदकिशोर ठाकुर, मनोज मिश्र, राकेश कुमार, रोहित रंजन, रजनीश कुमार सहित बड़ी संख्या में साहित्यप्रेमी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान तुलसीदास के साहित्य और उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प भी व्यक्त किया गया।

बन्दरा पीएचसी में डॉक्टरों की कमी, प्रभारी ने अतिरिक्त चिकित्सक की तैनाती की उठाई मांग

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) बन्दरा में चिकित्सकों की कमी का मामला सामने आया है। पीएचसी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने वरीय अधिकारियों को पत्र लिखकर अस्पताल में चिकित्सकों की कमी दूर करने के लिए अतिरिक्त चिकित्सा पदाधिकारी के पदस्थापन की मांग की है। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया है कि यदि चिकित्सक की तैनाती संभव नहीं है तो उन्हें प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के पद से हटाकर किसी अन्य चिकित्सा पदाधिकारी को प्रभार दिया जाए। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने पत्र में बताया है कि वर्तमान में संस्थान में मात्र तीन एमबीबीएस चिकित्सा पदाधिकारी कार्यरत हैं। इतनी कम संख्या में चिकित्सकों के सहारे पीएचसी की नियमित स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारू रूप से संचालित करना मुश्किल हो रहा है। रोस्टर के अनुसार ड्यूटी लेने और मरीजों को आवश्यक चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने में भी परेशानी सामने आ रही है। बताया गया कि 19 अगस्त 2026 को गायघाट विधायक की ओर से प्रखंड स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में स्वास्थ्य व्यवस्था की समीक्षा के दौरान चिकित्सकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा रोस्टर ड्यूटी के अनुसार चिकित्सकों से कार्य लेने का निर्देश दिया गया था। इसके बाद पीएचसी प्रशासन द्वारा उपलब्ध चिकित्सकों से रोस्टर के अनुसार ड्यूटी लेने पर जोर दिया जा रहा है। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने अधिकारियों से अनुरोध किया है कि पीएचसी में चिकित्सकों की कमी को देखते हुए जल्द से जल्द अतिरिक्त चिकित्सा पदाधिकारी का पदस्थापन कराया जाए। उन्होंने कहा है कि यदि अतिरिक्त चिकित्सक उपलब्ध कराना संभव नहीं है तो उन्हें प्रभारी पद से हटाकर किसी अन्य चिकित्सा पदाधिकारी को प्रभार सौंपा जाए, ताकि संस्थान की स्वास्थ्य सेवाओं का संचालन बेहतर तरीके से किया जा सके। अब देखना है कि चिकित्सकों की कमी से जूझ रहे बन्दरा पीएचसी की व्यवस्था को लेकर स्वास्थ्य विभाग की ओर से क्या कदम उठाया जाता है।

एएसआई ने घायल बच्चे की मदद कर पेश की इंसानियत की मिसाल

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। पुलिस की सख्ती और कार्रवाई से जुड़ी खबरें अक्सर सुर्खियों में रहती हैं, लेकिन वर्दी के पीछे छिपी इंसानियत की तस्वीरें भी सामने आती रहती हैं। मुजफ्फरपुर में एक पुलिसकर्मी ने संवेदनशीलता दिखाते हुए घायल बच्चे और उसके परेशान परिवार की मदद कर मानवता की मिसाल पेश की। घटना सावन की तीसरी सोमवारी से पहले शनिवार की है। भगवानपुर चौक पर एक दंपती अपने करीब पांच वर्षीय घायल बेटे को लेकर पटना जाने के लिए परेशान खड़ा था। दुर्घटना में बच्चे का पैर गंभीर रूप से घायल हो गया था। डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए उसे पटना रेफर किया था। सावन के कारण बदली यातायात व्यवस्था के बीच परिवार को पटना जाने के लिए कोई साधन नहीं मिल रहा था। आर्थिक परेशानी के कारण उनकी मुश्किल और बढ़ गई थी। इसी दौरान सदर थाना की गश्ती टीम वहां पहुंची। एएसआई प्रवीण कुमार पांडेय ने परिवार की परेशानी देखी और रुककर उनकी पूरी बात सुनी। बच्चे की हालत और परिवार की मजबूरी को समझते हुए उन्होंने तत्काल मदद का फैसला किया। उन्होंने अपने मोबाइल से रैपिडो बुक किया और उसका किराया भी अपनी जेब से देने की कोशिश की। पुलिसकर्मी की इस पहल को देखकर रैपिडो चालक भी भावुक हो गया। उसने कहा, सर, कुछ पुण्य कमाने का मौका हमें भी दीजिए। इसके बाद चालक ने मानवीय संवेदना दिखाते हुए परिवार को पटना पहुंचाने की जिम्मेदारी उठाई और सिर्फ ईंधन का खर्च लिया। इस पूरे घटनाक्रम ने यह साबित किया कि वर्दी सिर्फ कानून-व्यवस्था संभालने की जिम्मेदारी नहीं देती, बल्कि जरूरतमंदों के साथ खड़े होने का फर्ज भी सिखाती है। एएसआई प्रवीण कुमार पांडेय की संवेदनशील पहल और रैपिडो चालक की दरियादिली ने पुलिस और आम नागरिक के बीच इंसानियत की एक खूबसूरत तस्वीर पेश की। ऐसे छोटे-छोटे प्रयास ही समाज में भरोसा और संवेदनशीलता को मजबूत करते हैं। मुजफ्फरपुर पुलिस के इस मानवीय चेहरे की सोशल मीडिया पर भी सराहना हो रही है।

बाबा खगेश्वर नाथ मंदिर में एसडीओ ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा, सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के बन्दरा प्रखंड के मतलूपुर स्थित अतिप्राचीन बाबा खगेश्वर नाथ मंदिर परिसर का रविवार को मुजफ्फरपुर पूर्वी एसडीओ अमित कुमार ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर और आसपास की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसडीओ ने कांवड़ियों एवं शिवभक्तों के लिए सुरक्षित आवागमन, जलाभिषेक की व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जानकारी ली। उन्होंने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने तथा किसी भी तरह की परेशानी नहीं होने देने का निर्देश दिया। मंदिर न्यास समिति के सदस्यों ने एसडीओ को बताया कि शिवभक्तों की लगातार बढ़ रही भीड़ को देखते हुए मंदिर परिसर और आसपास अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की आवश्यकता है। समिति की ओर से श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुचारू जलाभिषेक के लिए पर्याप्त पुलिस बल उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया। एसडीओ ने समिति के सदस्यों को आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने अधिकारियों को भीड़ के दौरान विशेष सतर्कता बरतने और श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखने को कहा। निरीक्षण के दौरान बन्दरा की अंचलाधिकारी अदिति राय, हत्था थानाध्यक्ष लोकेश कुमार चौधरी सहित अन्य अधिकारी एवं मंदिर न्यास समिति के सदस्य मौजूद रहे।

लूट का 400 बोरी चावल बरामद, तीन गिरफ्तार

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जमुई जिले के चकाई थाना क्षेत्र से चावल लदा ट्रक रहस्यमय तरीके से गायब होने के मामले में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। चकाई पुलिस ने मुजफ्फरपुर जिले के पारू और जैतपुर थाना क्षेत्रों में छापेमारी कर गायब किए गए करीब 400 बोरी चावल बरामद किया है। इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सभी आरोपियों को कड़ी सुरक्षा के बीच मुजफ्फरपुर से चकाई ले जा रही है। जानकारी के अनुसार, चावल व्यापारी रतन लाल कुमार ने चकाई थाने में ट्रक और चावल गायब होने को लेकर नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी। उन्होंने पुलिस को बताया था कि 12 अगस्त को पश्चिम बंगाल के बर्धमान स्थित लक्ष्मी नारायण राइस मिल से चावल खरीदकर ट्रक पर लोड कराया गया था। ट्रक को हाजीपुर पहुंचना था। ट्रक का चालक सह मालिक मो. नियाज, निवासी बघरियाटांड़, गिरिडीह, झारखंड, खुद ट्रक चला रहा था। 15 अगस्त की सुबह चालक के भाई ने व्यापारी को फोन कर बताया कि ट्रक और चावल गायब हो गया है तथा चालक पटना के मरांची अस्पताल में भर्ती है। व्यापारी जब अस्पताल पहुंचे तो चालक ने बताया कि सरौन के पास खाना खाने के दौरान चार अज्ञात बदमाशों ने उसे जबरन नशीला पदार्थ खिला दिया और ट्रक लूटकर फरार हो गए। चालक की इस कहानी पर व्यापारी को संदेह हुआ। उन्होंने चालक सह मालिक पर ही अपने साथियों के साथ मिलकर साजिश रचने और चावल गायब करने का आरोप लगाया। इसके बाद पुलिस ने मामले की वैज्ञानिक तरीके से जांच शुरू की। घटना की गंभीरता को देखते हुए जमुई एसपी के निर्देश पर विशेष पुलिस टीम गठित की गई। चकाई थानाध्यक्ष सर्वजीत कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने चावल बरामद करने और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी शुरू की। इसी दौरान पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि गायब किया गया चावल मुजफ्फरपुर जिले के पारू और जैतपुर थाना क्षेत्रों में छिपाकर रखा गया है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने दोनों क्षेत्रों में छापेमारी कर करीब 400 बोरी चावल बरामद कर लिया। मौके से तीन आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों को मुजफ्फरपुर से चकाई ले जा रही है। उनसे पूछताछ के बाद ट्रक और चावल गायब करने की पूरी साजिश का खुलासा होने की उम्मीद है। पुलिस मामले में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है। चकाई थानाध्यक्ष सर्वजीत कुमार ने चावल बरामदगी और तीन लोगों की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि जल्द इस पूरे मामले का विस्तृत खुलासा किया जाएगा। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि इस चोरी और साजिश के नेटवर्क में और कितने लोग शामिल हैं।

बाइक सवार बदमाशों ने युवक से झपटा बैग, मोबाइल और 15 हजार नकद समेत सामान गायब

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। अहियापुर थाना क्षेत्र में बाइक सवार बदमाशों का आतंक लगातार जारी है। आए दिन हो रही आपराधिक घटनाओं से इलाके के लोगों में भय का माहौल है। ताजा घटना में डॉक्टर से इलाज कराकर घर लौट रहे एक युवक को बाइक सवार दो बदमाशों ने निशाना बनाया और सामान से भरा बैग झपटकर फरार हो गए। घटना के संबंध में पीड़ित की लिखित शिकायत पर अहियापुर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। जानकारी के अनुसार, सिवाइपट्टी थाना क्षेत्र के सिरसिया बुजुर्ग निवासी धीरेंद्र कुमार 20 अगस्त 2026 की रात करीब 9:30 बजे डॉक्टर से इलाज कराने के बाद अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान वह अहियापुर थाना क्षेत्र के विश्वनाथ हाट के समीप मुख्य सड़क पर पहुंचे। आरोप है कि इसी दौरान बाइक सवार दो अज्ञात बदमाशों ने अचानक झपट्टा मारकर उनके हाथ से सामानों से भरा बैग छीन लिया और मौके से फरार हो गए। पीड़ित के अनुसार, बैग में ओप्पो कंपनी का मोबाइल फोन, करीब 15 हजार रुपये नकद, पर्स और कई जरूरी कागजात रखे हुए थे। पीड़ित ने चोरी गए सामानों और नकदी की कुल अनुमानित कीमत करीब एक लाख रुपये बताई है। घटना के बाद उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी और लिखित शिकायत दर्ज कराई। मामले की जानकारी मिलते ही अहियापुर पुलिस ने जांच शुरू कर दी। पुलिस घटनास्थल के आसपास और मुख्य मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि बदमाशों की पहचान कर उनके बारे में सुराग जुटाया जा सके। पुलिस बाइक सवार दोनों आरोपियों की तलाश में जुटी है। इधर, अहियापुर थाना क्षेत्र में लगातार सामने आ रही झपटमारी और चोरी की घटनाओं को लेकर स्थानीय लोगों और दुकानदारों में नाराजगी के साथ-साथ सुरक्षा को लेकर चिंता भी बढ़ गई है। लोगों ने पुलिस से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और ऐसी घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने की मांग की है।

वीआइपी के पूर्व जिला सचिव के घर तोड़फोड़

मुजफ्फरपुर ।बोचहा थाना क्षेत्र के जगाई मझौली गांव में शनिवार की दोपहर उपद्रवियों ने वीआईपी पार्टी के पूर्व जिला सचिव के घर पर धावा बोलकर जमकर उत्पाद मचाया। ट्रैक्टर पर सवार होकर आए उपद्रवियों ने दिनदहाड़े पूर्व जिला सचिव अमित सहनी के भाई सोनू सहनी के मकान को निशाना बनाया और पूरे घर को मलबे में तब्दील कर दिया। विरोध करने आए के साथ बदसलूकी भी की ।घटना के वक्त सोनू सहनी घर पर मौजूद नहीं थे। पीड़ित महिला ने बताया कि अचानक पहुंचे हथियारबंद दबंगों ने घर में घुसते ही सामानों की तोड़फोड़ शुरू कर दी। घर में अकेली मौजूद सोनू सहनी की पत्नी ने जब इसका विरोध किया, तो उपद्रवियों ने उनके साथ गाली-गलौज और दुर्व्यवहार किया उन्हें धक्का देकर नीचे गिरा दिया। करीब दो घंटे से अधिक समय तक दबंग गाँव में तांडव मचाते रहे और जाते-जाते पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दे गए ।घटना के बाद पीड़िता और पीड़ित परिवार किसी तरह जान बचाकर बोचहा थाना पहुंचे। सोनू सहनी ने आशंका जताई है कि दबंगों का मनोबल बढ़ा हुआ है और उनके साथ भविष्य में कोई भी बड़ी अप्रिय घटना या अनहोनी हो सकती है। फिलहाल मामले में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से हस्तक्षेप की मांग की जा रही है। थाना अध्यक्ष ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है।

रिजल्ट में गड़बड़ी और सेशन लेट को लेकर छात्रों का हंगामा

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। रिजल्ट में गड़बड़ी और सेशन लेट होने के विरोध में शनिवार को छात्रों ने मार्कन चौक के पास नर्सिंग कॉलेज के गेट के बाहर जमकर हंगामा किया। बड़ी संख्या में छात्र मौके पर जुटे और अपनी समस्याओं को लेकर विरोध जताया छात्रों का आरोप है कि परीक्षा परिणाम में गड़बड़ी के कारण उनका भविष्य प्रभावित हो रहा है। वहीं, सेशन लेट होने

से पढ़ाई और आगे की शैक्षणिक प्रक्रिया भी प्रभावित हो रही है। छात्रों ने संबंधित अधिकारियों और कॉलेज प्रशासन से मामले में जल्द हस्तक्षेप कर समस्याओं का समाधान कराने की मांग की। हंगामे के दौरान छात्रों ने अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की। मौके पर छात्रों की भीड़ जुटने से कुछ देर के लिए स्थिति तनावपूर्ण बनी रही। छात्रों का कहना है कि यदि उनकी समस्याओं का जल्द समाधान नहीं किया गया तो वे आगे भी आंदोलन करने को मजबूर होंगे। छात्रों ने रिजल्ट में हुई गड़बड़ी की जांच कराने, सही परिणाम जारी करने और सेशन को समय पर कराने की मांग की है।

सम्पादकीय

बेहद खतरनाक है वोट बैंक के लालच में मुफ्तखोरी की बाढ़

तमिलनाडु की तमिलगा वेत्री कड़गम गठबंधन सरकार के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने थाईमामन थंगा मोथिरम थिट्टम यानी मामा की सोने की अंगूठी योजना घोषणा की है जिसकी औपचारिक शुरूआत पूर्व मुख्यमंत्री सी.एन. अन्नादुराई की जयंती पर आगामी 15 सितंबर 2026 को की जायेगी। इस योजना के तहत 22 जून 2026 या उसके बाद सरकारी अस्पतालों में पैदा होने वाले सभी बच्चों को इस योजना का लाभ मिलेगा। यह तो एक नवीनतम बानगी है। ईमानदाराना बात तो यह है कि वर्तमान में भारतीय लोकतांत्रिक राजनीति अत्यंत संवेदनशील और संक्रमणकालीन दौर से गुजर रही है। चुनाव अब विकास के मुद्दों, दीर्घकालिक नीतियों, विदेशी साख, विश्व सहयोग, जीवन स्तर के मापदण्ड, बुनियादी ढांचे के निर्माण या औद्योगिक क्रांति पर नहीं, बल्कि इस बात पर लड़े जा रहे हैं कि कौन सा दल मतदाताओं को कितनी लोक लुभावन वस्तुएं मुफ्त में दे सकता है। तात्कालिक राजनीतिक लाभ और वोट बैंक को सुरक्षित करने की इस अंधी होड़ ने देश में मुफ्तखोरी की एक भयावह बाढ़ ला दी है। चुनावी वैतरणी पार करने का यह शॉर्टकट अब देश की आर्थिक रीढ़ तोडने के साथ साथ समाज को एक गहरे संकट की ओर भी धकेल रहा है। मुफ्तखोरी का तीव्र से तीव्रतम होता यह दावानल अब खतरे के निशान से ऊपर पहुंचता जा रहा है। लोक लुभावन रेवड़ियां बांटने की यह होड़ देश के लगभग सभी राज्यों में चल रही है। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत महिलाओं को 1, 250 रुपये से 1, 750 रुपये प्रति माह की दिये जाते है। कर्नाटक में गृह लक्ष्मी योजना के तहत परिवार की महिला मुखिया को 2, 000 रुपये प्रति माह दिए जाते हैं। पश्चिम बंगाल में लक्ष्मी भंडार योजना के तहत महिलाओं को मासिक वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। तमिलनाडु में कलेग्नार मगालिर उरीमाई थोगाई योजना के तहत महिलाओं को 1, 000 रुपये प्रति माह दिए जाते हैं। दिल्ली में पिंक टिकट योजना के तहत महिलाओं के लिए डीटीसी और क्लस्टर बसों में सफर पूरी तरह मुफ्त है। कर्नाटक में शक्ति योजना के तहत राज्य की सभी महिलाओं के लिए सरकारी ऑर्डिनरी बसों में यात्रा मुफ्त है। पश्चिम बंगाल व आंध्र प्रदेश में भी महिलाओं के लिए सरकारी परिवहन बसों में मुफ्त यात्रा सुविधा लागू है। उत्तर प्रदेश में 60 वर्ष या उससे अधिक आयु की बुजुर्ग महिलाओं के लिए रोडवेज बसों में मुफ्त यात्रा दी जाती है। पंजाब, तेलंगाना, केरल और जम्मू-कश्मीर में भी महिलाओं के लिए यह सुविधा उपलब्ध है। इसी तरह पंजाब में घरेलू उपभोक्ताओं को 300 यूनिट प्रति माह मुफ्त बिजली दी जा रही है। दिल्ली में उपभोक्ताओं को 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली और 400 यूनिट तक आधे दाम पर बिजली का लाभ मिलता है। कर्नाटक में गृह ज्योति योजना के तहत घरेलू उपभोक्ताओं को उनकी औसत खपत के आधार पर 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान की जाती है। मध्य प्रदेश में साइकिल वितरण, मोबाइल वितरण, स्कूटी वितरण जैसे कार्यक्रम चलाये गये। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत पीएम किसान के अलावा 6, 000 रुपए वार्षिक अतिरिक्त दिए जाते हैं। इस प्रकार किसानों को कुल 12, 000 रुपये मिलते हैं। कुछ राज्यों ने अतिरिक्त स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत केंद्र की आयुष्मान भारत योजना यानी 5 लाख के बीमा के अलावा भी अतिरिक्त धनराशि दी जा रही है जिसमें राजस्थान की चिरंजीवी योजना, पश्चिम बंगाल की स्वास्थ्य साथी योजना और तमिलनाडु की मुफ्त इलाज गांटी योजनायें शामिल हैं। केन्द्र सरकार भी इस दौड में पीछे नहीं है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत पात्र परिवारों को प्रति माह मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाता है। वन नेशन वन राशन कार्ड यानी देश के किसी भी कोने में उचित मूल्य की दुकान से मुफ्त या तय दर पर राशन लेने की सुविधा। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत पात्र परिवारों को सूचीबध्द अस्पतालों में प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा कवरेज मिलता है। प्रधानमंत्री जन औषधि परियोजना के तहत आम जनता को कम कीमत पर जेनेरिक दवाइयां उपलब्ध कराना। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीबों को पक्के मकान देने के लिए वित्तीय सहायता और सब्सिडी प्रदान की जाती है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत घरों की छतों पर सोलर पैनल लगवाने के लिए भारी सब्सिडी व मुफ्त बिजली का प्रावधान। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजनाः गरीब महिलाओं को मुफ्त एलपीजी गैस कनेक्शन का लाभ।

चीनी की मिठास पर महंगाई की कड़वाहट आखिर क्यों बढ़ रहे हैं इसके दाम?

सुनील कुमार महला

देश में चीनी की कीमतों में इन दिनों काफी बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है और चीनी के प्रति किलो के दाम 60 रुपए प्रति किलो या इससे ज्यादा तक पहुंच गये हैं। इस क्रम में यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि चीनी की कीमतों में अचानक हुई बढ़ोतरी चिंता का विषय जरूर है, लेकिन फिलहाल स्थिति बहुत गंभीर नहीं है।इस संबंध में यहां पर पाठकों को बताता चलूं कि त्योहारी सीजन को देखते हुए सरकार ने 31 अक्तूबर तक 10 लाख टन कच्ची चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति दी है। इससे बाजार में चीनी की उपलब्धता बढ़ेगी और कीमतों को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। अच्छी बात यह भी है कि सरकार ने जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए भंडारण सीमा भी सख्त की है। आखिर क्यों बढ़ रही चीनी की कीमतेंः यहां पर यह सवाल जरूर उठता है कि जब देश में चीनी की कमी नहीं है, तो कीमतें इतनी तेजी से क्यों बढ़ रही हैं। इसके पीछे गन्ने के उत्पादन में कमी, गन्ने का अधिक हिस्सा इथेनॉल बनाने में इस्तेमाल होना या गन्ने की खेती का पर्याप्त विस्तार न होना जैसे कारण हो सकते हैं। वास्तव में देश में चीनी उत्पादन में कमी, खराब मौसम और कम बारिश, त्योहारी सीजन में मांग बढ़ना, भंडार में कमी और जमाखोरी की आशंका, वैश्विक बाजार में आपूर्ति का दबाव तथा गन्ने से इथेनॉल बनाने की नीति को भी चीनी कीमतों की चर्चा में प्रमुखता मिली है, जिसके कारण चीनी की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। हालांकि केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि मौजूदा कीमत वृद्धि का मुख्य कारण इथेनॉल के लिए चीनी का डायवर्जन नहीं है। गाड़ियों में इथेनॉल का इस्तेमाल भी एक कारण? पाठक जानते होंगे कि हमारे देश में गाड़ियों में इथेनॉल का इस्तेमाल मुख्यतः पेट्रोल में मिलाकर किया जा रहा है। इसे इथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल (ईबीपी) कहा जाता है। हमारे देश में स्थिति की बात करें तो ई-20 पेट्रोल यानी 20% इथेनॉल तथा 80% पेट्रोल अब भारत में पेट्रोल का प्रमुख मानक मिश्रण है। जानकारी के अनुसार वर्ष 2025-26 में औसत इथेनॉल मिश्रण लगभग 20% तक पहुंच गया है।अप्रैल 2026 से बीएस-शकवाहनों के लिए ई-20 उत्सर्जन मानकों को पूरा करना अनिवार्य किया गया है। वास्तव में, इथेनॉल मिश्रण का उद्देश्य कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करना, विदेशी मुद्रा बचाना, किसानों के लिए अतिरिक्त बाजार उपलब्ध कराना और कार्बन उत्सर्जन घटाना है। सरकार के अनुसार ईबीपी कार्यक्रम से अब तक लगभग 1.97 लाख करोड़ की विदेशी मुद्रा बचत हुई है। संक्षेप में कहें तो हमारे देश भारत पेट्रोल वाहनों को धीरे-धीरे इथेनॉल आधारित ईंधन की ओर ले जा रहा है। आज की स्थिति में ई-20 सामान्य पेट्रोल व्यवस्था का हिस्सा है। ऐसे में कृषि और पेट्रोलियम मंत्रालय को मिलकर इन पहलुओं की समीक्षा जरूर करनी चाहिए। इथेनॉल की बढ़ती मांग को देखते हुए गन्ने का उत्पादन भी बढ़ाना जरूरी है, ताकि चीनी और इथेनॉल दोनों की जरूरत पूरी हो सके और किसानों को भी बेहतर लाभ मिले। हमारे देश में चीनी उत्पादनः बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत दुनिया के प्रमुख चीनी उत्पादक देशों में है। 2025-26 चीनी सत्र में भारत का चीनी उत्पादन लगभग 306 लाख टन (3.06 करोड़ टन) रहने का अनुमान है, जो शुरूआती अनुमान से करीब 11 प्रतिशत कम है। उत्पादन में कमी का असर घरेलू बाजार में चीनी की उपलब्धता और कीमतों पर पड़ा है। इस बीच, इथेनॉल उत्पादन के लिए भी गन्ने से प्राप्त चीनी का एक हिस्सा इस्तेमाल किया जाता है और हाल फिलहाल कमी को देखते हुए सरकार ने घरेलू आपूर्ति बनाए रखने के लिए, जैसा कि ऊपर भी इस आलेख में चर्चा कर चुका हूं कि, शुल्क-मुक्त चीनी आयात की अनुमति भी दी है। उक्त संदर्भ में यहां पर यह भी उल्लेखनीय है कि देश में गेहूं, चावल, सब्जी, फल और दूध जैसे कई खाद्य पदार्थों के उत्पादन में आत्मनिर्भरता बढ़ी है। लेकिन दाल और खाद्य तेल के मामले में अभी भी आयात पर निर्भरता है। दालों की बढ़ती मांग और खाद्य तेल की लगभग आधी जरूरत ही देश में पूरी होना चिंता का विषय है।

जिनके घर शीशे के हों वह दूसरों के घरों पर पत्थर नहीं फेंकते

मैंने अपनी जिंदिगी में इतना अजीब और इतना बुरा कुछ नहीं देखा है। इन्हें (युवा पीढ़ी को) किसने जन्म दिया है? कौन इनका पालन-पोषण कर रहा है? यह गटर की पीढ़ी है। कंगना ने प्रदर्शन के दौरान युवाओं द्वारा इस्तेमाल की जा रही भाषा को बेहद असभ्य और अमर्यादित बताया था। उन्होंने इसे उल्टी आने जैसा व्यवहार करार दिया था। प्रदर्शनकारी छात्राओं और युवतियों पर निशाना साधते हुए कंगना ने कहा था कि इन लड़कियों का आचरण बेहद निराशाजनक है। उन्होंने कहा कि यह लड़कियां भविष्य में अच्छी गृहिणी भी नहीं बन सकतीं। कंगना ने केवल छात्रों को ही नहीं बल्कि उनके माता-पिता को भी कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने सवाल उठाया कि माता-पिता अपने बच्चों को ऐसे संस्कार कैसे दे सकते हैं, जो उन्हें सार्वजनिक रूप से इस तरह के अभद्र व्यवहार की अनुमति देते हैं? कंगना रनौत के इस बयान की खासकर इसकी शब्दावली की चारों ओर घोर आलोचना की गयी। परन्तु सबसे तीखी प्रतिक्रिया योग गुरु एवं व्यवसायी बाबा रामदेव द्वारा एक टी वी चैनल पर इसी संबंध में पूछे गये एक सवाल पर दी गयी।

तनवीर जाफरी
(लेखक)

देश में इन दिनों छात्रों और युवा पीढ़ी अर्थात जेन जी के छिड़े घमासान के बीच जेन जी को ही केंद्र में रखकर कुछ ऐसे बयान सुनने में आ रहे हैं जिनकी न तो भाषा शालीन है न ही बयान देने वालों का व्यक्तित्व ही ऐसा है जिसे देश में शिक्षा, रोजगार, पारदर्शिता, जवाबदेही, भ्रष्टाचार, लोकतंत्र तथा संवैधानिक मूल्यों को लेकर संघर्षरत युवा पीढ़ी व छात्रों से जोड़ा जा सके। इस संबंध में सबसे दिलचस्प वाकयुद्ध बाबा रामदेव व फिल्म अभिनेत्री व भारतीय जनता पार्टी सांसद कंगना रनौत के बीच छिड़ा। इस वाक्युद्ध ने एक दूसरे की पोल पट्टी खोलकर रख दी। गौरतलब है कि बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक मामले के विरोध में प्रदर्शन कर रही युवा पीढ़ी पर तीखी टिप्पणियां की थीं। कंगना ने प्रदर्शनकारी युवाओं को ह्यगटर जनरेशनह्ल कहकर संबोधित किया था। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा था कि जेन जी के आंदोलनों के वीडियो देखकर मुझे झटका लगा। मैंने अपनी जिंदिगी में इतना अजीब और इतना बुरा कुछ नहीं देखा है। इन्हें (युवा पीढ़ी को) किसने जन्म दिया है? कौन इनका पालन-पोषण कर रहा है? यह गटर की पीढ़ी है। कंगना ने प्रदर्शन के दौरान युवाओं द्वारा इस्तेमाल की जा रही भाषा को बेहद असभ्य और अमर्यादित बताया था। उन्होंने इसे ह्लउल्टी आने जैसाह्व व्यवहार करार दिया था। प्रदर्शनकारी छात्राओं और युवतियों पर निशाना साधते हुए कंगना ने कहा था कि इन लड़कियों का आचरण बेहद निराशाजनक है। उन्होंने कहा कि ह्लयह लड़कियां भविष्य में अच्छी गृहिणी भी नहीं बन सकतीं।ह्व कंगना ने केवल छात्रों को ही नहीं बल्कि उनके माता-पिता को भी कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने सवाल उठाया कि माता-पिता अपने बच्चों को ऐसे संस्कार कैसे दे सकते हैं, जो उन्हें सार्वजनिक रूप से इस तरह के अभद्र व्यवहार की अनुमति देते हैं? कंगना रनौत के इस बयान की खासकर इसकी शब्दावली की चारों ओर घोर आलोचना की गयी। परन्तु सबसे तीखी प्रतिक्रिया योग गुरु एवं व्यवसायी बाबा रामदेव द्वारा एक टी वी चैनल पर इसी संबंध में पूछे गये एक सवाल पर दी गयी। जब बाबा रामदेव से कंगना के ह्यगटर जेनरेशनह्ल वाले बयान पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कंगना की मानसिक स्थिति, उनकी योग्यता और उनके अतीत पर ही गंभीर सवाल उठा दिये। रामदेव ने कहा कि ह्लउनकी क्वालिफिकेशन (शिक्षा)क्या है? उनका बचपन कैसा रहा है? उनकी जवानी कैसी रही है? उनके पहले के कारनामे कैसे रहे हैं? मैं ऐसे लोगों के बारे में बात नहीं करना चाहता। किसी भी देश के जवानों को और जेन-जी को ह्यगटरह्ल बोलना यह बिगड़े हुए दिमाग की निशानी है। यह गलत बात है और उनकी पार्टी (बीजेपी) को इस पर संज्ञान लेना चाहिए।ह्व हमेशा भाजपा सरकार की पैरवी करने वाले बाबा रामदेव के इस बयान को लेकर वैसे भी लोग आश्चर्यचकित हैं कि आखिर उन्होंने किस तरह सत्ता के विरोध में आवाज उठाने की हिम्मत जुटाई? कुछ लोग तो उनके इस बयान की वजह से उन्हें राजनीति का ह्यमौसम विज्ञानीह्ल भी कहने लगे हैं। बहरहाल सवाल यह है कि रामदेव ने कंगना रानौत को लेकर इतने सारे सवाल एक साथ कैसे और किस आधार पर खड़े किये? और क्या वजह थी कि रामदेव के इन सवालों से तिलमिलाकर कंगना को भी रामदेव पर तीखे जवाबी बाण छोड़ने पड़े? दरअसल कंगना रनौत ने स्वयं अपने अनेक इंटरव्यू में अपने शुरूआती जीवन, चरित्र, नशे और संघर्षों को लेकर बेहद चौंकाने वाले और बेबाक बयान दिए थे। उनके ये बयान समय-समय पर सोशल मीडिया और मीडिया गलियारों में बड़े विवाद की वजह बने हैं। कंगना रनौत ने साल 2020 में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया था। इस वीडियो में उन्होंने खुलकर स्वीकार किया था कि वह एक समय पर ड्रग्स की लत का शिकार हो चुकी थीं। उन्होंने कहा था कि ह्लजब मैं घर से भागी थी, उसके डेढ़-दो साल के अंदर ही मैं एक फिल्म स्टार भी थी और एक ह्यड्रग एडिक्टह्ल भी थी।ह्व उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि शुरूआती दिनों में उनके एक ह्यमेंटॉरह्ल जो बाद में प्रताड़ित करने वाले बन गए, उनकी ड्रिंक्स में नशीली चीजें मिलाकर देते थे ताकि वह पुलिस के पास न जा सकें। बाद में एक इंटरव्यू में उन्होंने स्पष्ट किया कि वे योग और स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं की मदद से नशे की इस लत से बाहर आ पाईं। उसी 2020 के वीडियो में अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए कंगना ने खुद को ह्यखतरनाकह्ल बताया था। उन्होंने कहा था कि जब वह कम उम्र में घर से भागकर मुंबई आई थीं, तो बहुत गलत लोगों के चंगुल में फंस गई थीं। उन्होंने कहा था कि ह्लमेरी जिंदिगी में इतने स्कैंडल चल रहे थे और मैं ऐसे लोगों के हाथों में पड़ गई थी, जहां से सिर्फ मौत ही मुझे बचा सकती थी। यह सब मेरी जिंदिगी में तब हो रहा था जब मैं सिर्फ एक टीनेजर (किशोरी) थी। सोच लो, मैं कितनी खतरनाक हूँ! ह्व कंगना ने यह भी बताया था कि उनके पिता उन्हें डॉक्टर बनाना चाहते थे, लेकिन जब उन्होंने मना किया तो उनके पिता ने उन्हें थप्पड़ मारा था, जिसके बाद उन्होंने घर छोड़ दिया। वह महज 15-16 साल की उम्र में बिना पैसों के घर से भागकर दिल्ली और फिर मुंबई आ गई थीं। वास्तव में कंगना की इस तरह की स्वीकारोक्ति को ही आधार बनाकर रामदेव ने उन्हें लेकर अनेक प्रश्न खड़े कर दिये।

परीक्षा व्यवस्था में भरोसा लौटाना समय की जरूरत

यह पहल केवल परीक्षा के तौर-तरीकों में बदलाव तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इसका लक्ष्य शिक्षा व्यवस्था में ऐसी समानता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता स्थापित करना होना चाहिए, जिसमें देश के हर विद्यार्थी को अपनी प्रतिभा साबित करने का समान अवसर मिले। नंदन नीलेकनी का नाम तकनीक, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और बड़े स्तर की प्रणालियों के निर्माण से जुड़ा रहा है। परीक्षा व्यवस्था भी अब केवल प्रश्नपत्र छापने और परीक्षा केंद्रों तक सीमित नहीं रह गई है। यह एक विशाल डिजिटल और प्रशासनिक प्रणाली बन चुकी है, जिसमें लाखों विद्यार्थियों का पंजीकरण, पहचान सत्यापन, परीक्षा केंद्रों का प्रबंधन, प्रश्नपत्रों की सुरक्षा, ऑनलाइन आवेदन, मूल्यांकन और परिणाम शामिल हैं। इसलिए परीक्षा सुधार में तकनीकी विशेषज्ञता की भूमिका बढ़ गई है। लेकिन तकनीक को समाधान का एक हिस्सा मानना होगा, पूरा समाधान नहीं। परीक्षा प्रणाली का संबंध विद्यार्थी की सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि, स्कूल की गुणवत्ता, शिक्षक की उपलब्धता, भाषा, इंटरनेट सुविधा और परिवार की आर्थिक क्षमता से भी है। इसलिए विशेषज्ञ समिति को तकनीक और शिक्षा, दोनों को साथ लेकर चलना होगा।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

भारत की शिक्षा व्यवस्था लंबे समय से बदलाव की मांग कर रही है। देश में स्कूलों और विश्वविद्यालयों की संख्या बढ़ी है, उच्च शिक्षा के अवसरों का विस्तार हुआ है और डिजिटल तकनीक ने पढ़ाई के तौर-तरीकों को बदल दिया है। इसके बावजूद परीक्षा प्रणाली को लेकर विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों के मन में अनेक सवाल बने हुए हैं। पेपर लीक, नकल, परीक्षा परिणामों में देरी, तकनीकी गड़बड़ियां, अलग-अलग परीक्षाओं के अलग मानक और प्रतियोगी परीक्षाओं का बढ़ता दबाव जैसी चुनौतियों ने परीक्षा व्यवस्था में विश्वास को प्रभावित किया है। ऐसे समय में केंद्र सरकार की ओर से परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार की पहल महत्वपूर्ण मानी जानी चाहिए। उद्यमी और तकनीक की दुनिया के जाने-माने विशेषज्ञ नंदन नीलेकनी के नेतृत्व में विशेषज्ञ टीम को भारतीय परीक्षा प्रणाली में सुधार और विश्वास बहाल करने के लिए सुझाव देने की जिम्मेदारी दिया जाना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह पहल केवल परीक्षा के तौर-तरीकों में बदलाव तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इसका लक्ष्य शिक्षा व्यवस्था में ऐसी समानता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता स्थापित करना होना चाहिए, जिसमें देश के हर विद्यार्थी को अपनी प्रतिभा साबित करने का समान अवसर मिले। नंदन नीलेकनी का नाम तकनीक, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और बड़े स्तर की प्रणालियों के निर्माण से जुड़ा रहा है। परीक्षा व्यवस्था भी अब केवल प्रश्नपत्र छापने और परीक्षा केंद्रों तक सीमित नहीं रह गई है। यह एक विशाल डिजिटल और प्रशासनिक प्रणाली बन चुकी है, जिसमें लाखों विद्यार्थियों का पंजीकरण, पहचान सत्यापन, परीक्षा केंद्रों का प्रबंधन, प्रश्नपत्रों की सुरक्षा, ऑनलाइन आवेदन, मूल्यांकन और परिणाम शामिल हैं। इसलिए परीक्षा सुधार में तकनीकी विशेषज्ञता की भूमिका बढ़ गई है। लेकिन तकनीक को समाधान का एक हिस्सा मानना होगा, पूरा समाधान नहीं। परीक्षा प्रणाली का संबंध विद्यार्थी की सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि, स्कूल की गुणवत्ता, शिक्षक की उपलब्धता, भाषा, इंटरनेट सुविधा और परिवार की आर्थिक क्षमता से भी है। इसलिए विशेषज्ञ समिति को तकनीक और शिक्षा, दोनों को साथ लेकर चलना होगा। परीक्षा सुधार की चर्चा अक्सर पेपर लीक या नकल रोकने तक सीमित हो जाती है। निश्चित रूप से प्रश्नपत्र की सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन परीक्षा व्यवस्था की समस्याएं इससे कहीं बड़ी हैं। मान लीजिए किसी परीक्षा में पेपर लीक नहीं हुआ, लेकिन परीक्षा केंद्र दूर-दराज के क्षेत्र में है, किसी विद्यार्थी के पास गुणवत्तापूर्ण तैयारी के साधन नहीं हैं और किसी दूसरे विद्यार्थी ने महंगे कोचिंग संस्थान से तैयारी की है। दोनों को एक जैसा प्रश्नपत्र मिलने के बावजूद उनके अवसर समान नहीं कहे जा सकते। यही कारण है कि परीक्षा में समानता स्थापित करने का अर्थ केवल समान प्रश्नपत्र देना नहीं, बल्कि समान अवसर उपलब्ध कराना भी है। आज एक बड़ी समस्या यह है कि कई बार शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान अर्जित करने के बजाय परीक्षा पास करना बन जाता है। विद्यार्थी पाठ्यक्रम को समझने के बजाय संभावित प्रश्नों की तैयारी करने लगते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अलग कोचिंग व्यवस्था विकसित हो गई है। इससे दो समानांतर व्यवस्थाएं बनती दिखाई देती हैं- एक औपचारिक शिक्षा व्यवस्था और दूसरी परीक्षा-केंद्रित तैयारी व्यवस्था। इस अंतर को कम करना जरूरी है। यदि स्कूल और कॉलेज विद्यार्थियों को तार्किक सोच, समस्या समाधान, विश्लेषण, रचनात्मकता और विषय की वास्तविक समझ विकसित करने में सक्षम बनाएं, तो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का बोझ भी कम हो सकता है। देश में कोचिंग संस्थानों का विस्तार अपने आप में समस्या नहीं है। समस्या तब पैदा होती है जब विद्यार्थी को यह विश्वास होने लगे कि बिना महंगी कोचिंग के वह किसी बड़ी परीक्षा में सफल नहीं हो सकता है। यह धारणा सामाजिक असमानता को बढ़ा सकती है। शहरों में रहने वाले और आर्थिक रूप से सक्षम परिवारों के विद्यार्थियों को बेहतर कोचिंग, टेस्ट सीरीज, डिजिटल सामग्री और विशेषज्ञ शिक्षकों तक पहुंच मिल सकती है। दूसरी ओर ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के विद्यार्थी सीमित संसाधनों के साथ तैयारी करते हैं। इसलिए परीक्षा सुधार के साथ सार्वजनिक शिक्षा की गुणवत्ता मजबूत करना भी आवश्यक है। भारत विविधताओं का देश है। यहां अलग-अलग भाषाएं, सामाजिक परिस्थितियां, आर्थिक स्तर और शैक्षिक संसाधन हैं। ऐसी स्थिति में परीक्षा व्यवस्था को ऐसा बनाया जाना चाहिए कि विविधता प्रतिभा के रास्ते में बाधा न बने। भाषा के प्रश्न पर भी संवेदनशील दृष्टिकोण जरूरी है। विद्यार्थियों को अपनी सुविधा और परीक्षा की प्रकृति के अनुरूप पर्याप्त भाषाई विकल्प मिलने चाहिए। प्रश्नों का अनुवाद केवल शब्दों का अनुवाद न होकर अर्थ की समानता सुनिश्चित करने वाला होना चाहिए। इसी तरह दिव्यांग विद्यार्थियों, दूर-दराज के क्षेत्रों के विद्यार्थियों और डिजिटल संसाधनों से वंचित छात्रों की जरूरतों को भी सुधार प्रक्रिया में शामिल करना होगा। भविष्य की परीक्षा व्यवस्था में तकनीक की भूमिका निश्चित रूप से बढ़ेगी। ऑनलाइन आवेदन, डिजिटल पहचान, कंप्यूटर आधारित परीक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित निगरानी और डिजिटल मूल्यांकन जैसी व्यवस्थाएं परीक्षा को अधिक तेज और पारदर्शी बना सकती हैं। लेकिन तकनीक के साथ नए जोखिम भी आते हैं। साइबर सुरक्षा, डेटा गोपनीयता, सर्वर की विश्वसनीयता, तकनीकी खराबी और डिजिटल विभाजन जैसी चुनौतियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। इसलिए डिजिटल परीक्षा प्रणाली ऐसी होनी चाहिए जिसमें तकनीकी गड़बड़ी होने पर विद्यार्थी को नुकसान न उठाना पड़े।

कम उम्र में विवाह : मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव और बचाव की राह

डॉ. मनोज कुमार तिवारी

भारतीय समाज में विवाह को केवल दो व्यक्तियों के बीच संबंध स्थापित करने की प्रक्रिया नहीं माना जाता, बल्कि यह एक महत्वपूर्ण सामाजिक और सांस्कृतिक संस्था के रूप में देखा जाता है। विवाह परिवार निर्माण, सामाजिक स्थिरता और पारिवारिक मूल्यों के संरक्षण का माध्यम है। यही कारण है कि विवाह को जीवन के महत्वपूर्ण पड़ावों में से एक माना जाता है। हालांकि, जब विवाह उचित आयु से पहले कर दिया जाता है या युवाओं पर कम उम्र में विवाह करने का दबाव बनाया जाता है, तब इसके दूरगामी सामाजिक, आर्थिक और मानसिक प्रभाव सामने आते हैं। किशोरावस्था और युवावस्था जीवन का वह चरण है जब व्यक्ति अपनी पहचान विकसित करता है, शिक्षा प्राप्त करता है, भविष्य की योजनाएँ बनाता है और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ता है। ऐसे समय में विवाह की जिम्मेदारियाँ अचानक उस पर थोप दी जाएँ तो मानसिक संतुलन और भावनात्मक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। कम उम्र में विवाह विशेष रूप से युवतियों के लिए अनेक चुनौतियाँ लेकर आता है, जिनका असर उनके मानसिक स्वास्थ्य पर लंबे समय तक बना रह सकता है। कम उम्र में विवाह होने का सबसे बड़ा प्रभाव भावनात्मक अपरिपक्वता के रूप में दिखाई देता है। किशोर और युवा अभी स्वयं को समझने, अपनी भावनाओं को नियंत्रित करने तथा जीवन के विभिन्न अनुभवों से सीखने की प्रक्रिया में होते हैं। ऐसे समय में वैवाहिक जीवन, पारिवारिक जिम्मेदारियाँ और सामाजिक अपेक्षाएँ उनके लिए अतिरिक्त बोझ बन जाती हैं। जब वे इन जिम्मेदारियों को प्रभावी ढंग से निभाने में स्वयं को असमर्थ पाते हैं, तब तनाव, चिंता और आत्मविश्वास में कमी जैसी समस्याएँ उत्पन्न होने लगती हैं। घरेलू हिंसा और असुरक्षा भी कम उम्र में विवाह से जुड़ी एक गंभीर समस्या है। अनेक अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि कम आयु में विवाह करने वाली लड़कियों में शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक हिंसा का जोखिम अपेक्षाकृत अधिक होता है। निरंतर भय, नियंत्रण और दबाव की स्थिति व्यक्ति के मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती है। इससे आत्मसम्मान में कमी आती है और कई मामलों में अवसाद तथा मानसिक आघात जैसी स्थितियाँ विकसित हो जाती हैं। शिक्षा का बाधित होना भी मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। विवाह के बाद बड़ी संख्या में युवतियों की पढ़ाई बीच में ही रुक जाती है। शिक्षा से वंचित होने के कारण वे अपने कैरियर और आर्थिक आत्मनिर्भरता के अवसर खो देती हैं। परिणामस्वरूप उन्हें दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता है, जिससे हीन भावना और असंतोष की भावना विकसित हो सकती है। जब व्यक्ति अपने सपनों और वास्तविक परिस्थितियों के बीच बड़ा अंतर महसूस करता है, तब मानसिक तनाव और निराशा बढ़ने लगती है। कम उम्र में विवाह का एक अन्य महत्वपूर्ण प्रभाव सामाजिक अलगाव के रूप में सामने आता है। विवाह के बाद युवा अपने मित्रों, शैक्षणिक वातावरण और सामाजिक गतिविधियों से दूर हो जाते हैं। इससे अकेलेपन की भावना उत्पन्न होती है। सामाजिक संपर्कों की कमी और भावनात्मक समर्थन का अभाव मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दे सकता है। लंबे समय तक अकेलेपन की स्थिति अवसाद और चिंता विकारों के जोखिम को बढ़ा देती है। अनचाहे गर्भधारण की समस्या भी कम उम्र में विवाह से जुड़ी हुई है। शारीरिक और मानसिक रूप से पूर्ण रूप से तैयार न होने के बावजूद कई युवतियों को गर्भधारण करना पड़ता है। गर्भावस्था और प्रसव से जुड़ी जटिलताएँ, बच्चों के पालन पोषण की जिम्मेदारी तथा परिवार की अपेक्षाएँ उनके मानसिक स्वास्थ्य पर अतिरिक्त दबाव डालती हैं। कई बार यह स्थिति गंभीर मानसिक तनाव और अवसाद का कारण बन जाती है। तनाव में वृद्धि भी एक प्रमुख कारण है। अनेक युवा अपने व्यक्तिगत सपनों, शिक्षा, रोजगार और पारिवारिक अपेक्षाओं के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास करते हैं। जब वे इन अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर पाते, तब उनमें असफलता और अपर्याप्तता की भावना विकसित होती है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
पटना, सोमवार, 24 अगस्त, 2026

संक्षिप्त खबरें

विगत 24 घंटे 32 अभियुक्त किये गये गिरफ्तार

छपरा सदर। सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक द्वारा दिये गये निर्देश के आलोक में असामाजिक तत्वों,अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी एवं शराब के सेवन, बिक्री, भंडारण,निर्माण और परिवहन आदि पर पूर्ण रूप से पाबंदी लगाने तथा देशी शराब भट्ठी ध्वस्त करने हेतु कार्रवाई को दृष्टिगत रखते हुए 22 अगस्त को विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान में कुल-32 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें हत्या के प्रयास मे 9, वारंट में 7, शराब कारोबारी में 3, शराब सेवन में 7, अपहरण में 1, गृहभेदन में 2, झपटमारी में 1, अन्य में 2 अभियुक्त शामिल है। वही अपराध नियंत्रण एवं यातायात सुरक्षा के दृष्टिकोण से कुल-60 वाहनों से 84,500 रूपए जुमार्ना राशि वसूली गई। साथ ही जिला अंतर्गत कुल शराब-1255.9लीटर, मोटरसाईकिल-01 एवं अपहृत-01 बरामद किए गए।

महिला जदयू को संगठन विस्तार और मजबूती का दिया संदेश

छपरा। सारण जिला जनता दल यूनाइटेड (जदयू) महिला प्रकोष्ठ की समीक्षा बैठक रविवार को सर्किट हाउस, छपरा में आयोजित की गई। बैठक में बिहार प्रदेश जदयू उत्तरी बिहार महिला प्रकोष्ठ की प्रभारी कुमारी खुशबू रानी की उपस्थिति में संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा की गई। बैठक की अध्यक्षता सारण जिला जदयू महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष कुसुम देवी ने की। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में सारण जिला जदयू अध्यक्ष बैद्यनाथ प्रसाद सिंह विकल मौजूद रहे। उन्होंने महिला कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने तथा पार्टी की नीतियों एवं सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया। बिहार प्रदेश समीक्षा बैठक के दौरान जदयू किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष भोला सिंह, जिला उपाध्यक्ष ओमप्रकाश शर्मा, जिला प्रवक्ता ब्रजेश कुमार, मुख्यालय प्रभारी ई. प्रभाष शंकर तथा शम्भू मांझी सहित अन्य नेताओं ने भी अपने विचार रखे। बैठक में महिला प्रकोष्ठ की संगठनात्मक स्थिति, आगामी कार्यक्रमों और पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। महिला पदाधिकारियों ने संगठन की गतिविधियों को और सक्रिय करने तथा अधिक से अधिक महिलाओं को पार्टी से जोड़ने पर जोर दिया।

रक्तदान शिविर में लोगों ने बढ़-चढ़कर किया रक्तदान

छपरा। लायंस लियो क्लब छपरा टाउन के द्वारा रविवार को सदर अस्पताल, छपरा के रक्त कोष विभाग में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान कार्यक्रम के चेयरपर्सन आशुतोष पाण्डेय, डॉ किरण ओझा और लायंस सचिव चंदन सिंह ने कार्यक्रम की शुभारंभ किया। आशुतोष पाण्डेय ने बताया कि शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करना था। इस अवसर पर क्लब के सदस्य आशुतोष पाण्डेय, मनीष कुमार मनी, अनिल सोनी, अमरजीत सोनी, अमित सोनी, सौरभ कुमार, श्याम कुमार, बृजेश मांझी, सत्यम सोनी ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। लायंस सचिव चंदन सिंह ने कहा कि रक्तदान महादान है और हमारे द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद की जिंदगी बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। वही लियो सचिव सत्यम सोनी ने रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए समाज के लोगों से नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील की। शिविर के सफल आयोजन में क्लब के अध्यक्ष आदित्य सोनी, राहुल राज, अली अहमद, अभिषेक किशोर,लियो उज्ज्वल मिश्रा, अभिषेक गुप्ता, दीपक पटेल, एवं सदर अस्पताल के रक्त कोष विभाग के समस्त स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सिताबदियारा में किसानों की वृहद बैठक, सात गुना लगान वृद्धि के खिलाफ उठी आवाज

प्रात: किरण संवाददाता

रिविलगंज। गौतम ऋषि आश्रम के प्रांगण में रविवार को किसानों की वृहद बैठक आयोजित की गई। बैठक में उत्तरवारी चक्की, दक्षिणवारी चक्की, नवबरार बैजूटोला, लोहा टोला, डिग्री सुधा, मेहताना, जजीरा 36 और सिताबदियारा मौजा क्षेत्र के बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य किसानों की जमीन और बढ़े हुए लगान से जुड़ी समस्याओं को स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं सरकार तक पहुंचाकर समाधान कराना था। किसानों की समस्याओं को सुनने और उनके समाधान के लिए स्थानीय विधायक छोटी कुमारी को विशेष रूप से बैठक में बुलाया गया था। किसानों ने विधायक के समक्ष अपनी समस्याएं विस्तार से रखते हुए कहा कि मार्च 2026 से जमीन का लगान करीब सात गुना बढ़ा दिया गया है, जिससे किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। किसानों का कहना है कि एक फसल वाली जमीन पर दो फसल के हिसाब से लगान वसूला जा रहा है। वहीं, जिस जमीन पर बालू है और जिस पर सरकार की ओर से बालू की बिक्री की जाती है, उस जमीन पर भी लगान लगाया जा रहा है। इसके अलावा जिस जमीन से घाघरा नदी का बहाव होता है, उस पर भी सात गुना लगान लगाए जाने की शिकायत किसानों ने की।किसानों ने बताया कि कई ऐसी जमीनें हैं जिनकी 1956 से लगातार रसीद कटती आ रही है, लेकिन उन्हें टोपो लैंड घोषित कर दिया गया है। किसानों ने इस व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए सरकार से पूरे मामले की जांच कर उचित समाधान की मांग की।

बैठक में किसानों ने अपनी समस्याओं को भूमि सुधार मंत्री दिलीप जायसवाल एवं मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी तक पहुंचाने का आग्रह किया। किसानों ने कहा कि यदि सरकार उनकी समस्याओं को शांतिपूर्ण ढंग से सुनकर न्यायसंगत समाधान करती है तो वे सहयोग करेंगे, लेकिन मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो किसान आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। स्थानीय विधायक छोटी कुमारी ने किसानों को आश्वस्त करते हुए कहा कि उनकी समस्याओं को संबंधित पदाधिकारियों एवं बिहार सरकार तक पहुंचाया जाएगा और समाधान कराने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से प्रो. बैजनाथ सिंह, बिपिन बिहारी सिंह, अनिल कुमार सिंह, मुक्तिनाथ प्रसाद, शत्रुघ्न सिंह, राजेंद्र सिंह, डॉ. राम नारायण सिंह, गजेंद्र सिंह, नंदू कुमार सिंह, आनंद तिवारी, सुनील सिंह, राजकुमार सिंह, मनजीत सिंह, रामनारायण सिंह, दिनेश्वर सिंह, अजीत सिंह मुखिया अनुरंजन कुमार सहित बड़ी संख्या में किसान एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे। बैठक में किसानों की भारी मौजूदगी ने जमीन और लगान से जुड़ी समस्याओं के प्रति क्षेत्र में बनी गंभीर चिंता और एकजुटता को स्पष्ट रूप से सामने रखा।

कुलपति प्रो. परमेंद्र कुमार बाजपेयी ने प्रेस कांफ्रेंस में बताई पूरी प्रक्रिया, सहयोग पोर्टल से होगा नामांकन

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा। जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा में स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकन से वंचित छात्र-छात्राओं को विश्वविद्यालय प्रशासन ने एक और अवसर दिया है। उपलब्ध रिक्त सीटों पर स्पॉट एडमिशन के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया चल रही है। कुलपति प्रो. परमेंद्र कुमार बाजपेयी ने आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में स्पॉट एडमिशन से संबंधित पूरी प्रक्रिया और निर्धारित समय-सारिणी की जानकारी दी। कुलपति ने कहा कि नामांकन प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और निर्धारित नियमों के अनुरूप संचालित किया जा रहा है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से अपील की कि वे अंतिम समय का इंतजार किए बिना निर्धारित अवधि के भीतर ऑनलाइन आवेदन पूरा कर लें। स्पॉट एडमिशन की प्रक्रिया में सहयोग पोर्टल की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

25 अगस्त को महाविद्यालयों को मिलेगी छात्रों की सूची, 27 अगस्त तक जमा करनी होगी हार्ड कॉपी: विश्वविद्यालय की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद 25 अगस्त को संबंधित महाविद्यालयों को छात्र-छात्राओं की सूची उपलब्ध कराई जाएगी। इसके आधार पर महाविद्यालय स्तर पर आगे की नामांकन प्रक्रिया शुरू होगी। कुलपति ने बताया कि जिन छात्र-छात्राओं का चयन संबंधित महाविद्यालय के लिए होगा, उन्हें निर्धारित तिथि तक अपने आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी के साथ आवश्यक प्रमाण-पत्रों की छायाप्रति जमा करनी होगी। 27 अगस्त को दोपहर 12:30 बजे तक हार्ड कॉपी और आवश्यक दस्तावेज जमा करने का समय निर्धारित किया गया है।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर हार्ड कॉपी जमा नहीं करने वाले छात्र-छात्राओं के नाम पर नामांकन के लिए विचार नहीं किया जाएगा और उनकी मेरिट सूची भी तैयार नहीं की जाएगी। ऐसे में अभ्यर्थियों को समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी गई है।

27 अगस्त को मेरिट-वेटिंग लिस्ट, शाम 4:30 बजे तक मुख्य सूची वालों को लेना होगा प्रवेश: महाविद्यालयों द्वारा प्राप्त आवेदन की हार्ड कॉपी और प्रमाण-पत्रों की जांच के बाद विषयवार मुख्य मेरिट सूची एवं वेटिंग लिस्ट तैयार की जाएगी। विश्वविद्यालय के निर्देश के अनुसार 27 अगस्त को दोपहर 2:30 बजे तक मेरिट एवं वेटिंग लिस्ट तैयार कर महाविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करनी होगी। मेरिट तैयार करने में मुख्य रूप से इंटरमीडिएट यानी कक्षा 12वीं में प्राप्त अंकों सहित निर्धारित मानकों को आधार बनाया जाएगा। मुख्य मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को 27 अगस्त को अपराह्न 4:30 बजे तक सहयोग पोर्टल के माध्यम से नामांकन प्रक्रिया पूरी करनी होगी। निर्धारित समय तक मुख्य सूची के अभ्यर्थियों द्वारा प्रवेश नहीं लेने की स्थिति में रिक्त सीटों पर वेटिंग लिस्ट में शामिल छात्रों को क्रम के अनुसार नामांकन का अवसर दिया जाएगा। कुलपति प्रो. परमेंद्र कुमार बाजपेयी ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन का प्रयास है कि नामांकन प्रक्रिया में किसी प्रकार की अनियमितता की गुंजाइश न रहे और सभी प्रक्रियाएं निर्धारित नियमों के तहत पूरी हों। उन्होंने बताया कि सत्र 2023-28 तक के शैक्षणिक सत्र को निर्धारित समय के अनुरूप पूरा करने तथा बैकलॉग को पूरी तरह समाप्त करने की दिशा में विश्वविद्यालय लगातार काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि सत्र 2026-30 के लिए स्पॉट एडमिशन नामांकन से वंचित छात्र-छात्राओं के लिए महत्वपूर्ण अवसर है। इसलिए अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन से लेकर दस्तावेज जमा करने और मेरिट सूची के बाद नामांकन तक प्रत्येक चरण में निर्धारित तिथि और समय का अनिवार्य रूप से पालन करना चाहिए। विश्वविद्यालय प्रशासन ने महाविद्यालयों को भी निर्देश दिया है कि स्पॉट एडमिशन की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से संपन्न कराई जाए।

ईद मिलादुन्नबी का मुख्य जलसा 25 अगस्त को तैयारियों को लेकर आयोजन समिति ने की बैठक

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा। इस्लाम धर्म के अंतिम पैगंबर हजरत मोहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) के जन्मदिवस के अवसर पर मनाए जाने वाले जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। आगामी 25 अगस्त को जिले के मर्कजी शिक्षण संस्थान दारुल उलूम नईमिया, जामा मस्जिद साहेबगंज, छपरा में ईद मिलादुन्नबी का मुख्य समारोह आयोजित किया जाएगा। समारोह को ऐतिहासिक एवं भव्य बनाने के उद्देश्य से रविवार को आयोजन समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक के बाद आयोजन समिति के सदस्यों मौलाना नेसार अहमद मिस्बाही, प्रिंसिपल मौलाना हामिद रजा, कारी रेयाजुद्दीन, मुर्शिद आलम अमजदी, आरिफ रजा सहित अन्य सदस्यों ने संयुक्त रूप से बताया कि इस वर्ष के आयोजन को विशेष एवं यादगार बनाने का निर्णय लिया गया है। साथ ही समारोह को पूरी सादगी, सौम्यता और अनुशासन के साथ आयोजित करने की अपील की गई है। आयोजन समिति के अनुसार, दारुल उलूम नईमिया स्थित जामा मस्जिद में होने वाले जलसे में देश के प्रसिद्ध उलेमा, मोकर्रिर (प्रवक्ता) एवं शायर-ए-इस्लाम को आमंत्रित किया गया है। वक्ताओं द्वारा हजरत मोहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) के जीवन, उनके आदर्शों, दर्शन और मानवता के प्रति दिए गए संदेशों पर प्रकाश डाला जाएगा। आयोजन का उद्देश्य आम लोगों तक इस्लाम के सच्चे संदेश, अमन, भाईचारे, समानता और मानवता की भावना को पहुंचाना है। ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर जिले की विभिन्न मस्जिदों और घरों को आकर्षक ढंग से सजाने की परंपरा रही है। मुख्य जलसे के बाद अगले दिन प्रातः फज्र की नमाज के पश्चात जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला जाएगा। जामा मस्जिद से निकलने वाला जुलूस शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए जुमनी मस्जिद होते हुए भगवान बाजार पहुंचेगा। वहां सलात-ओ-सलाम पेश करने के बाद जुलूस के समापन की परंपरा है। आयोजन समिति ने स्पष्ट किया कि जुलूस एवं जलसे में डीजे पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। समिति ने सभी श्रद्धालुओं एवं जुलूस में शामिल होने वाले लोगों से जिला प्रशासन द्वारा जारी गाइडलाइन का पूरी तरह पालन करने, शांतिपूर्ण एवं अनुशासित तरीके से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है। समिति ने कहा कि आयोजन का मूल उद्देश्य पैगंबर हजरत मोहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) के अमन, भाईचारे और मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है।

महागठबंधन (सीपीआई) प्रत्याशी श्री विद्यासागर विद्यार्थी को वैश्य महासभा छपरा द्वारा मिला समर्थन

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। वैश्य महासभा छपरा, सारण के तत्वाधान में 03 -सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए महागठबंधनद्वारा विद्यासागर विद्यार्थी , सचिव, बिहार माध्यमिक शिक्षक संघ, सारण को अपना उम्मीदवार घोषित किए जाने के बाद दिनांक 22.7.2026 को सारण जिला माध्यमिक शिक्षक संघ भवन के सभागार में शिक्षा -संवाद कार्यक्रम का आयोजन कर श्री विद्यासागर विद्यार्थी को एमएलसी चुनाव में समर्थन देने की घोषणा की गई । कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर सिया शर्म प्रसाद एवं संचालन सेवानिवृत प्रधानाध्यापक अरुण कुमार गुप्ता ने किया। सभा को संबोधित करते हुए वैश्य महासभा के अध्यक्ष श्री वीरेंद्र साह, मुखिया ने कहा कि इतिहास में पहली बार किसी राजनीतिक गठबंधन द्वारा किसी वैश्य पुत्र को अपना उम्मीदवार बनाया जाना यह समाज के लिए गौरव की बात है ।साथियों महागठबंधन ने अपना कार्य कर दिया अवशेष कार्य हम सभी वैश्य बंधुओ को करना है तथा यहां उपस्थित सैकड़ो की संख्या में शिक्षक/शिक्षिकाओं को करना है अध्यक्ष श्री भरत प्रसाद ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सभी विद्यालयों में कम से कम दो वैश्य पुत्र शिक्षक है उनको अपने साथ-साथ अन्य शिक्षकों को भी प्रोत्साहित कर श्री विद्यासागर विद्यार्थी के पक्ष में प्रथम बरियता का मत देने का प्रयास करन चाहिए । सभा को संबोधित करते हुए श्री अरविंद कुमार यादव ने कहा की यह बहुत वर्षों के बाद वैश्य समाज को महागठबंधन से टिकट प्राप्त हुआ है ।आप सभी एक साथ लगकर मतदाता को मतदान केंद्र तक पहुंचाने का कार्य करें । वैश्य समाज की कुल मतदाताओं में लगभग 2000 वोट है । इसलिए समय नहीं है आप अभी से लगे । जीत सुनिश्चित है। सभा को संबोधित करते हुए प्रत्याशी विद्यासागर विद्यार्थी ने कहा की सरकार ने बड़े पैमाने पर शिक्षकों की नियुक्ति की लेकिन नवनी वेतनमान मिला ना समय की सुरक्षा मिला नहीं कैशलेस चिकित्सा की सुविधा मिले यदि आप सभी का आशीर्वाद मिला तो निश्चित है या जीत आप लोगों की होगी आपके समाज की होगी आपकी प्रतिष्ठा के लिए होगीआप सभी अपने साथ एक-एक मत लाकर 4000मे बदलने की कोशिश करें ।हम निश्चित चुनाव जीतेंगे। महागठबंधन प्रत्याशी विद्यार्थी ने कहा की हम शिक्षकों की आन बान शान और मयार्दा की लड़ाई लड़ेंगे ।अभी तक हमारे किसी भी शिक्षक बांधों को सातवें वेतनमान का लाभ प्राप्त नहीं है। सभा को संबोधित करने वालों में प्रधानाचार्य श्री महेश चौरसिया, डॉक्टर सुभाष कुमार गुप्ता ,डॉक्टर श्वेता रानी ,डॉक्टर रजनीश कुमार, डॉक्टर अमित कुमार, महापौर श्री लक्ष्मी नारायण गुप्ता पूर्व अध्यक्ष श्री भरत प्रसाद ,प्राथमिक शिक्षक संघ अध्यक्ष श्री अरविंद कुमार , शिक्षक सतीश कुमार प्रधानाचार्य बृजकांत शशि, डॉक्टर हिमांशु शेखर डॉक्टर श्वेता रानी ,प्रियंका कुमारी आलोक आजाद आदि रहे।

रसूलपुर में पांच दिवसीय राधा-कृष्ण झूलनोत्सव आज से, तैयारी पूरी

- राधा- कृष्ण भक्ति में गोते लगायेंगे ग्रामीण
- डेढ़ सौ वर्षों की परम्परा को जीवित रखे हैं रसूलपुर के ग्रामीण

प्रात: किरण संवाददाता

रसूलपुर। स्थानीय चट्टी पर बाबा दुर्गेश्वरनाथ शिवमन्दिर में करीब डेढ़ सौ वर्षों से चली आ रही श्री राधा कृष्ण झूलनोत्सव की तैयारी रविवार को पुरी कर ली गई। झूलनोत्सव में हर दिन राधा कृष्ण भक्ति पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद श्रद्धालु ग्रामीण उठायेंगे। समारोह समिति से जुड़े ओम क्लासेज के संचालक अनूप दूबे,उप मुखिया मनोज सोनी,समाजसेवी लालू सोनी ने बताया कि रसूलपुर चट्टी का झूलनोत्सव का इतिहास काफी पुराना है ।विशु श्रीवास्तव बताते हैं कि उनके परिवार से जुड़े पूर्वज फकीर चंद प्रसाद ,शांति कुंवर- गंगाधर कुंवर ने इस परम्परा की शुरूआत की थी। तत्कालीन पुजारी रघुनंदन दूबे कहते हैं कि आजादी के करीब तीन चार दशक पहले अंग्रेजों के जमाने से इस पारम्परिक उत्सव को हमारे ग्रामीण भक्ति भाव से मनाते आ रहे हैं। झूलनोत्सव परम्परा से जिले के प्रसिद्ध चिकित्सक डा गोविन्द शरण भी जुड़ कर अपने ननिहाल रसूलपुर का नाम रौशन कर चुके है ।मंदिर के वर्तमान पुजारी खीरू बाबा कहते हैं कि यह रसूलपुर के सामाजिक सद्भाव का इतिहास है कि हर वर्ग के लोग इस महोत्सव में श्रद्धा पूर्वक भाग लेते हैं। समारोह को अंतिम रूप देने में जूटे मुखिया प्रतिनिधि मिथिलेश प्रसाद,बबलू दुबे, अशोक दुबे, बल्टू दुबे आर्मी, पिन्टू श्रीवास्तव, मंजीत मिश्रा, शुभम दुबे, अमन दुबे, प्रिंस सोनी, अंशु चौरसिया ने कहा कि इस साल का झूलनोत्सव ऐतिहासिक होगा ।जिसमें गोरखपुर, आजमगढ़ झांकी टीम के साथ नवादा उच्चतर विद्यालय की शिक्षिका सोनम मिश्रा की टीम राधा कृष्ण पर आधारित झांकी की प्रस्तुति से श्रद्धालुओं का मनोरंजन करेंगी।

जीबीएम कॉलेज में मनोविज्ञान विभाग की ओर से एकदिवसीय कार्यक्रम आयोजित

गया जी। गौतम बुद्ध महिला कॉलेज के सावित्री महाजन सभागार में मनोविज्ञान विभाग एवं विभाग के वेलनेस क्लब द्वारा अनुभवजन्य अधिगम सत्र के तहत कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें मनोविज्ञान विभाग की छात्राओं को स्वयं पोर्टल पर विभिन्न कोर्सेज को ढूंढने तथा उनमें नामांकन लेने की विधियाँ बताई गयीं। कार्यक्रम का संयोजन प्रधानाचार्या डॉ सीमा पटेल की अध्यक्षता में मनोविज्ञान विभाग की सीनियर असिस्टेंट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष प्रीति शेखर तथा मनोविज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ शुचि सिन्हा, डॉ प्रमिला कुमारी एवं डॉ सीता ने संयुक्त रूप से किया। कॉलेज की पीआरओ डॉ रश्मि प्रियदर्शनी ने बताया कि सभी छात्राओं ने इस महत्वपूर्ण परामर्श सत्र का तन्मयता के साथ लाभ उठाया। प्रधानाचार्या पटेल ने छात्राओं को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए डिजिटल शिक्षा मंच स्वयं से जुड़कर अपने ज्ञान को विस्तार देने की बात कही। साथ ही, उन्होंने शिक्षक-शिक्षिकाओं को इस कार्य में छात्राओं की सहायता करने की बात कही। कार्यक्रम में आकांक्षा, वर्षा, प्रियंका, तनीषा, सुमन, रजनी, खुशी, नेहा, सुमन, काजल, माधवी, साधना प्रिया, तेजस्विनी, तब्बसुम, सहित अनेक छात्राओं की उपस्थिति रही।

शिक्षक शत्रुघ्न प्रसाद की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा। परसा प्रखंड क्षेत्र के बनकेरवा बांध निवासी शिक्षक स्वर्गीय शत्रुघ्न प्रसाद की नौवीं पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान परिजनों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकताओं एवं स्थानीय लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं पुष्पमाला पहनाकर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के दौरान लोगों ने उनके व्यक्तित्व एवं सामाजिक योगदान को याद करते हुए उनके प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। बताया गया कि शत्रुघ्न प्रसाद का जन्म 15 मई 1954 को परसा प्रखंड क्षेत्र के बनकेरवा बांध ग्रामीण क्षेत्र में हुआ था। उन्होंने शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं देते हुए शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका निधन 22 अगस्त 2017 को हुआ था। उनके निधन के बाद से प्रत्येक वर्ष पुण्यतिथि के अवसर पर परिजन एवं शुभचिंतक उन्हें श्रद्धापूर्वक याद करते हैं।

श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने कहा कि शिक्षक समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्वर्गीय शत्रुघ्न प्रसाद ने भी अपने जीवनकाल में शिक्षा के माध्यम से समाज को दिशा देने का कार्य किया। उनके द्वारा दिए गए संस्कार और शिक्षण क्षेत्र में किए गए कार्य लोगों के लिए हमेशा स्मरणीय रहेंगे।

राकेश सिंह ने दी श्रद्धांजलिः कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सह सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह ने स्वर्गीय शत्रुघ्न प्रसाद को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि शिक्षक का स्थान समाज में सदैव सम्माननीय रहा है। शिक्षा के माध्यम से समाज और आने वाली पीढ़ी को मजबूत बनाने वाले लोगों को हमेशा याद किया जाता है। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय शत्रुघ्न प्रसाद का जीवन लोगों के लिए प्रेरणादायी रहा है।

वक्ताओं ने साझा किए संस्मरणः कार्यक्रम में पूर्व मुखिया प्रो. विमल प्रसाद, स्वर्गीय शत्रुघ्न प्रसाद के भाई श्रवण सिंह तथा पुत्र अभय सिंह ने भी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके जीवन से जुड़े विभिन्न संस्मरण साझा किए। वक्ताओं ने कहा कि शत्रुघ्न प्रसाद सरल स्वभाव के व्यक्ति थे और लोगों के बीच उनका व्यवहार हमेशा आत्मीय रहा। उनके निधन से परिवार के साथ-साथ समाज ने भी एक शिक्षक एवं मार्गदर्शक को खो दिया।

छपरा में ऑर्केस्ट्रा नृतकी से भय दिखाकर दुष्कर्म का आरोप, पुलिस जांच में जुटी

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा। मशरक-तरैया मुख्य मार्ग पर एक आर्केस्ट्रा डांसर के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। घटना शनिवार की अहले सुबह करीब 3 से 4 बजे के बीच की बताई जा रही है। पीड़िता के अनुसार, वह एक जन्मदिन समारोह में आर्केस्ट्रा कार्यक्रम करने के बाद स्कूटी से वापस लौट रही थी। इसी दौरान सुनसान स्थान पर स्कूटी चालक ने उसे रोककर डराने-धमकाने के बाद उसके साथ कथित रूप से जबरन दुष्कर्म किया।घटना के बाद आरोपी पीड़िता को मशरक-तरैया मुख्य मार्ग पर छोड़कर फरार हो गया। इसके बाद पीड़िता ने कार्यक्रम से लौट रही अपनी दो अन्य साथियों से संपर्क कर घटना की जानकारी दी। साथ ही आर्केस्ट्रा संचालक को भी मामले की सूचना दी गई। सूचना मिलने पर आर्केस्ट्रा संचालक अपने सहयोगियों के साथ मौके पर पहुंचे और पीड़िता को इलाज के लिए अमनौर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। घटना की जानकारी अमनौर थाना पुलिस को भी दी गई। अमनौर पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर पीड़िता का फर्द बयान दर्ज किया। अमनौर पुलिस ने बताया कि मामला तरैया थाना क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। इसके बाद मामले की जानकारी तरैया थाना पुलिस को दी गई और आगे की कार्रवाई के लिए मामला संबंधित थाना पुलिस को सौंप दिया गया.फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी को लेकर कार्रवाई कर रही है।

मरहूम चिकित्सक की स्मृति में निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

प्रात: किरण संवाददाता

पानापुर (सारण)प्रखंड के भोरहा गांव निवासी प्रसिद्ध एवं जनप्रिय स्वर्गीय चिकित्सक इस्लामुद्दीन की स्मृति में रामपुररूद्र सोमवार बाजार पर रविवार को निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। साथ ही, उनकी जनसेवा की परंपरा को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से एक नए क्लिनिक का भव्य उद्घाटन भी संपन्न हुआ।सर्वप्रथम उपस्थित गणमान्य लोगों ने स्वर्गीय डॉक्टर इस्लामुद्दीन के चित्र पर माल्यार्पण कर शिविर का शुभारंभ किया।उसके बाद जिलापार्षद रत्नेश कुमार भास्कर, मुखिया प्रतिनिधि ललन महतो एवं दिवंगत चिकित्सक के छोटे पुत्र डॉ. मंजूर आलम ने संयुक्त रूप से फीता काटकर डा. इस्लामुद्दीन मेमोरियल क्लिनिक का उद्घाटन किया। इस मौके पर उपस्थित अतिथियों ने स्वर्गीय डाक्टर इस्लामुद्दीन के योगदान को याद करते हुए कहा कि डाक्टर साहब केवल एक चिकित्सक ही नहीं बल्कि समाज के सच्चे सेवक थे।उनकी याद में क्लिनिक की शुरूआत एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन ही उन्हें सबसे बड़ी श्रद्धांजलि हैं।वही दिवंगत चिकित्सक के पुत्र डा. मंजूर आलम ने बताया कि यह शाह क्लिनिक डाक्टर साहब के कम लागत में बेहतर इलाज के सपने को साकार करने के लिए समर्पित रहेगा।इस शिविर में क्षेत्र के सैकड़ों जरूरतमंद मरीजों ने अपनी स्वास्थ्य जांच करवाई।

3 माह में 16,760 मरीजों के लिए दौड़ी मुफ्त एंबुलेंस, 12 हजार से अधिक गर्भवतियों को पहुंचाया अस्पताल

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा। प्रसव पीड़ा से जूझ रही गर्भवती महिला हो, सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति या फिर गंभीर हालत में बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया नवजात को समय पर अस्पताल पहुंचाना कई बार जीवन बचाने के लिए सबसे महत्वपूर्ण होता है। ऐसे मरीजों के लिए सारण जिले में संचालित निःशुल्क एंबुलेंस सेवा बड़ी राहत साबित हो रही है। मई से जुलाई 2026 के बीच महज तीन माह में जिले के 16,760 मरीजों और लाभार्थियों को निःशुल्क एंबुलेंस सेवा का लाभ मिला है। इनमें 12,137 गर्भवती महिलाएं, 840 ट्रामा मरीज और 349 नवजात शिशु शामिल हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुगम और सुलभ बनाने के लिए एंबुलेंस नेटवर्क को मजबूत किया गया है। जरूरतमंद मरीजों को घर से स्वास्थ्य संस्थान तक पहुंचाने के साथ ही आवश्यकता पड़ने पर एक स्वास्थ्य केंद्र से दूसरे अस्पताल तक रेफर करने में भी यह सेवा महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

12 हजार से अधिक गर्भवती महिलाओं को मिली सुविधाः मई से जुलाई तक जिले में 12,137 गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क एंबुलेंस सेवा उपलब्ध कराई गई। इन महिलाओं को उनके घर से स्वास्थ्य संस्थानों तक पहुंचाने के साथ ही प्रसव के बाद जरूरत के अनुसार स्वास्थ्य केंद्र से घर तक पहुंचाने में भी एंबुलेंस सेवा का उपयोग किया गया। समय पर अस्पताल पहुंचने की सुविधा मिलने से गर्भवती महिलाओं और उनके परिजनों को काफी राहत मिल रही है। खासकर ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों के लिए यह सेवा सुरक्षित संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने में भी सहायक साबित हो रही है।

840 ट्रामा मरीजों को समय पर पहुंचाया अस्पतालः सड़क दुर्घटना और अन्य आपात स्थितियों में समय पर चिकित्सा सुविधा मिलना बेहद महत्वपूर्ण होता है। तीन माह के दौरान 840 ट्रामा यानी दुर्घटना के शिकार मरीजों को एंबुलेंस सेवा के माध्यम से अस्पताल पहुंचाया गया।गंभीर मरीजों को उनकी स्थिति के अनुसार बेहतर चिकित्सा संस्थान तक पहुंचाने में एंबुलेंस नेटवर्क की अहम भूमिका रही। आपातकालीन स्थिति में तेज और प्रभावी प्रतिक्रिया से मरीजों को समय पर इलाज उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

349 नवजातों को एसएनसीयू तक पहुंचाया गयाः नवजात शिशुओं के लिए भी एंबुलेंस सेवा महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। मई से जुलाई के बीच 349 नवजात शिशुओं को एंबुलेंस के माध्यम से प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य केंद्रों से छपरा स्थित एसएनसीयू तक पहुंचाया गया।

33वें स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन, 'छपरा रेड ड्रॉप वॉरियर्स' ने दिया मानवता का संदेश

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा। रक्तदान महादान नारों के साथ रेड ड्रॉप वॉरियर्सह्ल संस्था द्वारा ह्यपाम व्यू हॉस्पिटल ब्लड सेंटर, पटनाह्न के सहयोग से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन स्थानीय शुभारंभ पैलेस, कटहरीबाग, में किया गया है, जहाँ सुबह 11:00 बजे से दोपहर 03:00 बजे तक रक्तदान किया गया। इस अवसर पर संस्था के संस्थापक अध्यक्ष तारिक अनवर ने आम जनता और युवाओं से अपील करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है और हर एक बूंद किसी की जिंदगी बचा सकती है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि वे सही समय पर शिविर में पहुंचकर रक्तदान करने वाले वीरों और पूरी टीम का हौसला अफजाई करें। आयोजकों का मानना है कि ऐसे कार्यक्रमों में समाज के प्रबुद्ध और जागरूक नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति इस नेक प्रयास को सफल बनाने में सबसे बड़ी भूमिका निभाएगी। रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाने और जरूरतमंदों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने की दिशा में छपरा रेड ड्रॉप वॉरियर्स लगातार प्रयासरत है। रेड ड्रॉप वॉरियर्स द्वारा आयोजित 33वें स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में समाज के विभिन्न क्षेत्रों से आए गणमान्य अतिथियों, डॉक्टरों, समाजशास्त्रियों और रक्तदाताओं ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर रक्तदान के महान कार्य में अपना अमूल्य सहयोग देने वाले अतिथियों एवं समर्पित साथियों को मेडल और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सुशील कुमार सिन्हा (निदेशक, पाम व्यू हॉस्पिटल ब्लड सेंटर, पटना) उपस्थित थे। कार्यक्रम में सम्मानित होने वाले अतिथियों में नदीम अहमद,शाहिद जमाल, शहर के जाने-माने बिजनेसमैन अतुल कुमार,रवि शंकर उपाध्याय संस्थापक - रोटी बैंक, छपरा, प्रो. लाल बाबू यादव,प्रो. शकील अनवर, प्रो. इरफान अहमद संतोष कुमार, पूर्व रोटरी अध्यक्ष, डॉ. तौसीफ मुस्तबा ऑर्थो सर्जन डॉ. शंभू कुमार नेत्र विशेषज्ञ भगवान बाजार,अर्शद समीउज्जमा,डॉ. एहतेशाम अहमद जनरल फिजिशियन, डॉ. ओ. पी. गुप्ता डेंटिस्ट, डॉ. रुना खान जनरल फिजिशियन,शाहजाद आलम (शरा अध्यक्ष, रेड क्रॉस सोसाइटी मो. रफी इकबाल पूर्व मेयर प्रत्याशी, पुनीतेश्वर रोटरी क्लब ऑफ छपरा राहुल जी लियो क्लब ऑफ छपरा हाफिज रजबुल कादरी, हाफिज मौलाना जाकिर,मौलाना नेसार मिस्बाही,वलीउल्लाह कादरी, प्रोफेसर शकील अनवर,शहीद जमाल, शाहबाज सिद्दीकी पटना शमशेर जी पारस हॉस्पिटल ब्लड बैंक पटना आदि प्रमुख है। इसके अलावा सम्मानित होने वालों में मौलाना अली हसन, अफाक आलम,अलाउद्दीन, जहांगीर आलम मुन्ना तथा शाकिर अहमद सहित-38 लोग शामिल है। इस अवसर पर दो दर्जन से अधिक युवाओं एवं समाजसेवी ने रक्तदान शिविर में डॉक्टरों की देखरेख में रक्तदान किया।

संक्षिप्त खबरें

दुलमचक में हर्षोल्लास से मनी तुलसी जयंती

सहार भोजपुर। सहार-अगिआंव अंचलीय अध्यात्म चिंतन मंडल की ओर से रविवार को दुलमचक सूर्यमंदिर परिसर में गोस्वामी तुलसीदास की जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई। समारोह में सत्संग एवं रामायण प्रेमियों ने भाग लिया। वक्ताओं ने भारतीय संस्कृति, समाज, साहित्य और साधना में तुलसीदास के योगदान पर चर्चा की। इस दौरान भजन, रामधुन और भक्तिसंगीत भी प्रस्तुत किए गए।कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष अवधेश राय ने की, जबकि संयोजन रामबरन दास ने किया। मुख्य वक्ता भोजपुरी रामायणी राजवल्लभ सिंह भोजपुरिया ने तुलसी साहित्य में समाज और परिवार के आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए रामचरितमानस को समतामूलक समाज का लोकप्रिय साहित्य बताया।साहित्यकार राजेंद्र पाठक ने तुलसीदास के वर्षा और शरद ऋतु वर्णन के माध्यम से ग्रामीण जीवन और सहज अध्यात्म की चर्चा की। उन्होंने सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के बीच किताबी ज्ञान के महत्व पर भी जोर दिया।समारोह में बाबा इंटरनेशनल स्कूल, धनछुन्हा के बच्चों अभिषेक, सूरज, रितिक, रितेश, सलोनी और प्रिया ने रामचरितमानस की चौपाइयां सुनाईं। सुंदर प्रस्तुति के लिए बच्चों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का समापन सामूहिक आरती और प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

100 ग्राम गांजा के साथ 55 वर्षीय व्यक्ति गिरफ्तार

बड़हरा। बड़हरा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अकौना गांव निवासी एक व्यक्ति को गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान प्रदीप शाह (55 वर्ष), ग्राम अकौना, थाना बड़हरा, जिला भोजपुर के रूप में हुई है पुलिस ने आरोपी के पास से करीब 100.8 ग्राम गांजा बरामद किया। बरामद गांजे को विधिवत जब्त करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस द्वारा मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

गांधी मैदान की हरियाली, स्वच्छता और सुरक्षा को लेकर डॉ. प्रेम कुमार ने की समीक्षा बैठक

गया। बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने रविवार को गयाजी के गांधी मैदान में नगर आयुक्त, डीएसपी, सिटी एसपी, सिविल लाइन थाना प्रभारी, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की गांधी मैदान नोडल पदाधिकारी अर्चना सहित अन्य संबंधित पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में गांधी मैदान को स्वच्छ, सुरक्षित और हरा-भरा बनाने के साथ-साथ आम नागरिकों के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने को लेकर विस्तृत विमर्श किया गया है। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि गांधी मैदान गयाजी का हृदय स्थल है। इसे स्वच्छ, सुंदर एवं हरियाली से परिपूर्ण बनाना हम सभी की जिम्मेदारी है। गांधी मैदान एवं इसके आसपास के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया जाएगा। इसके लिए 500 से अधिक वृक्ष लगाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ शहर में हरित क्षेत्र बढ़ाना भी समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। उन्होंने गांधी मैदान में नगर निगम द्वारा पूर्व में किए जा रहे कूड़ा डंपिंग का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे आसपास रहने वाले लोगों एवं मैदान में आने वाले आम नागरिकों को परेशानी होती थी तथा स्वास्थ्य और पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था। इस संबंध में उन्होंने पूर्व में भी नगर आयुक्त का ध्यान आकृष्ट कराया था। इसके परिणामस्वरूप गांधी मैदान से कूड़ा डंपिंग प्वाइंट को हटा दिया गया है, जो एक सकारात्मक पहल है। विधानसभा अध्यक्ष ने गांधी मैदान की सुरक्षा एवं व्यवस्था को लेकर भी पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि मैदान में खानाबदोश लोगों के अनधिकृत निवास तथा नशा करने वाले असामाजिक तत्वों के कारण आम नागरिकों, विशेषकर महिलाओं, बच्चों एवं बुजुर्गों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने नियमित पुलिस गश्ती बढ़ाने तथा गांधी मैदान के प्रवेश द्वारों को निर्धारित समय पर बंद करने का निर्देश दिया है। डॉ. प्रेम कुमार ने गांधी मैदान के पाथ-वे पर मोटरसाइकिल एवं अन्य वाहनों के परिचालन पर रोक लगाने का निर्देश देते हुए कहा कि पाथ-वे का उपयोग लोगों के पैदल भ्रमण एवं स्वास्थ्य गतिविधियों के लिए होना चाहिए। उन्होंने मैदान में आने वाले लोगों के वाहनों को व्यवस्थित रखने के लिए उचित पार्किंग स्थल चिह्नित करने का निर्देश दिया, ताकि गांधी मैदान के अंदर एवं आसपास वाहनों की अव्यवस्थित पार्किंग से लोगों को परेशानी न हो। उन्होंने गांधी मैदान में बेसहारा एवं आवारा पशुओं के अनावश्यक विचरण पर रोक लगाने का भी निर्देश दिया है। इस संबंध में उन्होंने होमगार्ड के जवानों को आवश्यक निगरानी रखने को कहा है।

रोहतास के तुतला भवानी में डीएम-डीएफओ ने खुद उठाया कचरा, स्वच्छता अभियान से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

● इको टूरिज्म स्थल को पॉलिथीन मुक्त बनाने की पहल बड़ी संख्या में लोगों ने किया श्रमदान

प्रात : किरण संवाददाता

रोहतास। जिले के तिलौथू प्रखंड स्थित प्रसिद्ध माँ तुतला भवानी इको पर्यटन स्थल को स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल बनाने को लेकर जिला प्रशासन एवं वन विभाग की ओर से विशेष स्वच्छता एवं जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व रोहतास के जिलाधिकारी दीपक कुमार मिश्रा और वन प्रमंडल पदाधिकारी स्टालिन फिडल कुमार ने किया। इस दौरान डीएम और डीएफओ ने स्वयं हाथों में दस्ताने पहनकर पर्यटन स्थल के आसपास बिखरे प्लास्टिक बोतल और अन्य कचरे को उठाया। अधिकारियों को खुद सफाई करते देख अभियान में शामिल लोगों और पर्यटकों में भी स्वच्छता के प्रति उत्साह नजर आया। स्वच्छता अभियान में रोहतास पुलिस लाइन डेहरी के जवान, एनसीसी कैडेट,डेहरी और तिलौथू के विभिन्न विद्यालयों की छात्राएं, वन विभाग के कर्मी, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर सहित जिला प्रशासन के कई पदाधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। सभी ने मिलकर मंदिर परिसर, झरने के आसपास, पैदल मार्ग और पार्किंग क्षेत्र में व्यापक रूप से सफाई की। अभियान के दौरान बड़ी मात्रा में कचरा एकत्र कर उसका उचित निष्पादन किया गया। जिलाधिकारी दीपक कुमार मिश्रा ने कहा कि माँ तुतला भवानी रोहतास ही नहीं बल्कि पूरे बिहार की महत्वपूर्ण प्राकृतिक धरोहर है। यहां बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। ऐसे में पर्यटन स्थल को स्वच्छ और पॉलिथीन मुक्त रखना प्रशासन के साथ-साथ प्रत्येक पर्यटक की जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे कचरा निर्धारित स्थान पर ही डालें और प्लास्टिक का उपयोग कम से कम करें। वहीं डीएफओ स्टालिन फिडल कुमार ने कहा कि तुतला भवानी को बेहतर इको टूरिज्म स्थल के रूप में विकसित करने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। प्राकृतिक जलप्रपात, जंगल और जैव विविधता को सुरक्षित रखने के लिए स्वच्छता बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में यहां जागरूकता बोर्ड और अतिरिक्त डस्टबिन लगाए जाएंगे तथा नियमित रूप से स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। कैमूर पहाड़ी की गोद में स्थित माँ तुतला भवानी धाम अपने प्राकृतिक जलप्रपात, हरियाली और मनोरम वातावरण के कारण पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र है। प्रशासन का प्रयास है कि इस पर्यटन स्थल को स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण के अनुकूल बनाकर इको टूरिज्म का बेहतर मॉडल तैयार किया जाए।

चांदी थाने में शांति समिति की बैठक पुलिस बोली अफवाहों पर न दें ध्यान

प्रात : किरण संवाददाता

कोईलवर। रविवार को चांदी थाना परिसर में आगामी ईद-उल-फितर पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर थानाध्यक्ष विनोद कुमार ने की। बैठक में शांति समिति के सदस्यों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य लोगों ने भाग लिया। पुलिस अवर निरीक्षक सुशील कुमार व रामसेवक सिंह बैठक में भाग लिए। इस दौरान पर्व के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने, आपसी भाईचारा कायम रखने तथा किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान नहीं देने की अपील की गई। अपर थानाध्यक्ष विनोद कुमार ने उपस्थित लोगों से प्रशासन का सहयोग करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि या समस्या की सूचना तत्काल पुलिस को देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि ईद का त्योहार शांति, सद्भाव और आपसी सौहार्द के साथ मनाएं, ताकि क्षेत्र में अमन-चैन का माहौल बना रहे।

कोईलवर में अंग्रेजी शराब के साथ युवक गिरफ्तार

कोईलवर। कोईलवर थाने की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 2.5 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान कुल्हड़िया गांव निवासी धूमिल यादव के 22 वर्षीय पुत्र धनजीत कुमार के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष नरोत्तम चंद्र ने बताया कि रविवार को गुप्त सूचना मिलने पर पुलिस ने छापेमारी की। इस दौरान आरोपी के पास से 2.5 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की गई। मामले में कोईलवर थाना कांड संख्या 180/26, दिनांक 22 अगस्त 2026 के तहत बिहार मध्य निषेध एवं उत्पाद (संशोधित) अधिनियम, 2018 की धारा 30(ए) के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

गंगा डेंजर लेवल के पार, बड़हरा के निचले इलाकों में तेजी से फैल रहा पानी

प्रात : किरण संवाददाता

बड़हरा (आरा)। गंगा नदी के जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि के बाद नदी डेंजर लेवल को पार कर गई है। इसके साथ ही बड़हरा प्रखंड के निचले और मैदानी इलाकों में बाढ़ का पानी तेजी से फैलने लगा है। कई संपर्क पथों पर पानी चढ़ने से ग्रामीणों के आवागमन पर भी संकट गहराने लगा है। नेकनाम टोला संपर्क पथ, सिरसिया गांव का संपर्क पथ और बखोरापुर-बड़का लौहर मार्ग पर बाढ़ का पानी पहुंच गया है। गंगा के बढ़ते जलस्तर से किसानों की चिंता भी बढ़ गई है। निचले इलाकों में लगी मक्का, सब्जी सहित अन्य फसलें पानी में डूबने लगी हैं। इससे फसल बर्बाद होने की आशंका है। ग्रामीण नन्हक राय ने बताया कि जलस्तर में इसी तरह वृद्धि जारी रही तो किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। वहीं, बाढ़ का पानी फैलने से पशुओं के लिए हरे चारे की समस्या भी गंभीर होने की आशंका है। इन गांवों के निचले इलाकों में पहुंचा पानी नेकनाम टोला, रमई राय का टोला, बखोरापुर, बड़का लौहर, केशोपुर, पैगा, दुबे छपरा, ईटाहना, शालीग्राम सिंह का टोला, सिरसिया, एकवना, बड़हरा, कुतुबपुर डेरा, बबुरा, कारजा दुर्ग टोला, शिवपुर, फारहदा और लवकुशपुर समेत कई गांवों के निचले हिस्सों में बाढ़ का पानी पहुंच गया है। जलस्तर में लगातार वृद्धि से ग्रामीणों में भय का माहौल है।

मारपीट मामले का प्राथमिक आरोपी गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

कोईलवर। रविवार को कोईलवर थाने की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर मारपीट मामले के प्राथमिक आरोपी जयप्रकाश उर्फ गोलू कुमार को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी पचैना बाजार निवासी स्वर्गीय कन्हैया प्रसाद का पुत्र है। इस संबंध में कोईलवर थानाध्यक्ष नरोत्तम चंद्र ने बताया कि 16 जून 26 को पचैना बाजार निवासी राहुल कुमार ने कोईलवर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। दर्ज शिकायत में आरोप लगाया गया था कि रात्रि के समय आरोपी एवं अन्य नामजद लोगों ने उनके घर में घुसकर जान से मारने की नीयत से सिर पर हमला किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले की जांच के दौरान फरार चल रहे प्राथमिक आरोपी जयप्रकाश उर्फ गोलू कुमार को गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

समर्थ पोर्टल से होंगे वीकेएसयू के शैक्षणिक प्रशासनिक व वित्तीय कार्य, बढ़ेगी पारदर्शिता

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय समेत बिहार के सभी विश्वविद्यालयों में अब शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं वित्तीय कार्यों को समर्थ पोर्टल के माध्यम से संचालित करने की दिशा में पहल तेज हो गई है। राजभवन की ओर से विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को समर्थ पोर्टल का अनिवार्य रूप से इस्तेमाल करने का निर्देश दिया गया है। नई व्यवस्था लागू होने से विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होगी। समर्थ पोर्टल के माध्यम से छात्रों के नामांकन, परीक्षा, शुल्क, छात्रवृत्ति, एडमिट कार्ड और रिजल्ट से संबंधित कार्य ऑनलाइन संचालित किए जाएंगे। पोर्टल पर छात्रों और संस्थानों का केंद्रीय डेटाबेस तैयार होने से डिग्री सत्यापन और माइग्रेशन जैसी प्रक्रियाओं में भी तेजी आने की संभावना है। इससे विद्यार्थियों को अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत मिल सकती है। नई व्यवस्था में विश्वविद्यालय द्वारा लिए गए निर्णयों एवं कार्यों से संबंधित आवश्यक सूचनाएं पोर्टल पर दर्ज करना अनिवार्य होगा। इससे शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियों की निगरानी आसान होगी तथा कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ने की उम्मीद है।वीकेएसयू में कार्यरत कर्मचारियों से संबंधित छुट्टी, सेवा मामलों, अकादमिक एवं प्रशासनिक कार्यों तथा वेतन भुगतान से जुड़ी सूचनाएं भी डिजिटल माध्यम से दर्ज किए जाने की तैयारी है। इससे कर्मचारियों को अपनी सेवा संबंधी जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध हो सकेगी। समर्थ पोर्टल केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की पहल पर उच्च शिक्षण संस्थानों के प्रशासनिक एवं शैक्षणिक कार्यों को एकीकृत करने के उद्देश्य से विकसित डिजिटल व्यवस्था है। इससे पहले विश्वविद्यालयों को अलग-अलग सॉफ्टवेयर और निजी एजेंसियों पर निर्भर रहना पड़ता था। नई व्यवस्था से अलग-अलग प्रणालियों पर होने वाले खर्च में कमी आने के साथ कामकाज में एकरूपता आने की संभावना है। वीकेएसयू में इसके प्रभावी क्रियान्वयन से छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को सेवाएं अधिक सुगमता से मिलने की उम्मीद है।

पीएचडी, यूजीसी-नेट व जेआरएफ स्कॉलर शिक्षकों के लिए भी 36 घंटे की अकादमिक ट्रेनिंग अनिवार्य

आरा। राज्य के विश्वविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को अब अकादमिक रूप से दक्ष बनाने के लिए प्रशिक्षण अनिवार्य किया जा रहा है। राजभवन सचिवालय की पहल के तहत शिक्षकों के लिए 36 घंटे की अकादमिक ट्रेनिंग की व्यवस्था की गई है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लागू होने के बाद स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर पाठ्यक्रम एवं शिक्षण व्यवस्था में व्यापक बदलाव आया है। ऐसे में शिक्षकों को नई शैक्षणिक जरूरतों, शोध और आधुनिक तकनीकों से अपडेट रखने पर जोर दिया जा रहा है। राज्यपाल सचिवालय की ओर से विश्वविद्यालयों को अकादमिक प्रशिक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। इसका उद्देश्य कक्षाओं में शिक्षण कार्य को अधिक प्रभावी बनाना और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है। विश्वविद्यालयों के अतिरिक्त सभी अंगीभूत एवं संबद्ध महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को भी इसका लाभ मिलेगा। नव नियुक्त सहायक प्राध्यापकों के लिए प्रशिक्षण को विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना गया है।पीएचडी, यूजीसी-नेट उत्तीर्ण और जेआरएफ स्कॉलर होने के बावजूद शिक्षकों को अकादमिक प्रशिक्षण से गुजरना होगा। प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षण कार्य के लिए जरूरी आधुनिक शैक्षणिक कौशल विकसित किए जाएंगे। शिक्षकों को रिसर्च कोर्स, शॉर्ट टर्म प्रोग्राम और फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में शामिल किया जाएगा। साथ ही पाठ्यक्रम विकास, बहुविषयक शिक्षा और विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षण प्रणाली से भी अवगत कराया जाएगा।अकादमिक प्रशिक्षण में अकादमिक नेतृत्व, शोध पद्धति, भारतीय ज्ञान प्रणाली, आईसीटी उपकरण और पर्यावरण स्थिरता जैसे आधुनिक विषयों को शामिल किए जाने की योजना है। प्रशिक्षण में भाग लेने वाले शिक्षकों को ड्यूटी लीव का प्रावधान भी रहेगा। राजभवन के अनुसार फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का प्रमुख उद्देश्य शिक्षकों और छात्रों में उत्कृष्टता का संचार करना तथा सभी स्तरों पर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाना है। इसके साथ ही शिक्षकों को सतत व्यावसायिक विकास के माध्यम से आजीवन सीखने वाले के रूप में विकसित करने पर जोर दिया जाएगा। विशेष कार्य योजना के तहत शिक्षकों के कौशल, अनुसंधान क्षमता और शिक्षण गुणवत्ता को बेहतर बनाने की दिशा में कार्यक्रम चलाए जाएंगे। इससे उच्च शिक्षा संस्थानों में नवाचार और शोध को बढ़ावा मिलने के साथ विद्यार्थियों के मार्गदर्शन एवं शैक्षणिक विकास में भी मदद मिलने की उम्मीद है। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय समेत राज्य के विश्वविद्यालयों में भी इसके प्रभावी क्रियान्वयन की तैयारी तेज होने की संभावना है।

मिलाद-उन-नबी व रक्षाबंधन को लेकर तीन थानों में शांति समिति की बैठक

बड़हरा। आगामी मिलाद-उन-नबी एवं रक्षाबंधन पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर बड़हरा प्रखंड के सिन्हा, कृष्णगढ़ और बबुरा थाना में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। संबंधित थाना अध्यक्षों की मौजूदगी में हुई बैठक में स्थानीय जनप्रतिनिधि, आमजन, दोनों समुदायों के लोग एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक शामिल हुए। बैठक में पर्व के दौरान आपसी भाईचारा, सौहार्द और शांति बनाए रखने पर चर्चा की गई। पुलिस पदाधिकारियों ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने तथा सोशल मीडिया पर भ्रामक या आपत्तिजनक संदेशों को प्रसारित नहीं करने की अपील की। साथ ही किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति की सूचना तत्काल पुलिस को देने को कहा गया। थाना अध्यक्षों ने कहा कि त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। संवेदनशील स्थानों पर निगरानी रखी जाएगी और असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रहेगी। बैठक में मौजूद जनप्रतिनिधियों एवं दोनों समुदायों के लोगों ने पुलिस-प्रशासन को सहयोग देने का भरोसा दिलाया। बैठक के दौरान सभी लोगों ने आपसी प्रेम, भाईचारे और सौहार्द के साथ पर्व मनाने की अपील की।

सहार के दो शिक्षकों को डायट में मिला बिहार टीचर हिस्ट्री मेकर अवार्ड

प्रात : किरण संवाददाता

सहार। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान, नवाचारपूर्ण शिक्षण पद्धति तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में उल्लेखनीय भूमिका निभाने के लिए सहार प्रखंड के दो शिक्षकों को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) में आयोजित सम्मान समारोह में ह्यद बिहार टीचर हिस्ट्री मेकर (टीबीटी) अवार्ड-2026ह्ण से सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि से प्रखंड के शिक्षकों एवं शिक्षा प्रेमियों में खुशी का माहौल है। डायट परिसर में आयोजित सम्मान समारोह में जिले के विभिन्न विद्यालयों के चयनित शिक्षकों में मध्य विध्यालय कोसियर के शिक्षक मो रफिक आलम, आदर्श मध्य विः सहार के पंकज कुमार को उत्कृष्ट शैक्षणिक कार्यों, नवाचारों तथा शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने में योगदान के लिए सम्मानित किया गया। टीबीटी मंच द्वारा राज्य भर में शिक्षकों के नवाचार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ऐसे सम्मान समारोह आयोजित किए जाते हैं। दोनों सम्मानित शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र, मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के पदाधिकारी, डायट के व्याख्याता, शिक्षक प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षकों का सम्मान शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है तथा इससे अन्य शिक्षकों को भी बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। अवार्ड प्राप्त करने वाले दोनों शिक्षकों ने इस सम्मान को अपने विद्यालय, विद्यार्थियों तथा सहकर्मी शिक्षकों को समर्पित करते हुए कहा कि वे आगे भी शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

छात्रों की आवाज बनेगा छात्र संवाद एक सितंबर को जुटेंगे विद्यार्थी

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। छात्र राष्ट्रीय लोक मोर्चा की ओर से एक सितंबर को वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के कतिरा मोड़ स्थित पुराने परिसर के राधाकृष्णन सभागार में छात्र संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर रविवार को आरा क्लब मोड़ स्थित कैरियर बॉस इंस्टीट्यूट में बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता छात्र रालोमो के भोजपुर जिलाध्यक्ष नीतीश कुशवाहा ने की। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा के निर्देश पर आयोजित कार्यक्रम में छात्र रालोमो बिहार के प्रदेश अध्यक्ष अनीश मौर्या मुख्य रूप से शामिल होंगे। नीतीश कुशवाहा ने कहा कि छात्र संवाद के माध्यम से विश्वविद्यालय और कॉलेजों के विद्यार्थियों की समस्याओं को सीधे सुना जाएगा। साथ ही उनके समाधान के लिए पहल की जाएगी। उन्होंने अधिक से अधिक छात्रों से कार्यक्रम में पहुंचकर अपनी समस्याएं और सुझाव रखने की अपील की। बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष अमरेन्द्र पाठक, प्रदेश महासचिव बद्रीनारायण पाठक, प्रदेश सचिव सुमित गोस्वामी, विकास पासवान, दीपक कुमार, प्रिंस कुशवाहा समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

120 साल पुराने मंदिर में नौ दिवसीय भागवत कथा, भक्ति में डूबा एकौना गांव

प्रात : किरण संवाददाता

बड़हरा (आरा)। प्रखंड के एकौना गांव स्थित करीब 120 वर्ष पुराने मंदिर परिसर में नौ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया गया है। कथा सुनने के लिए गांव के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों और दूर-दराज से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। भजन-कीर्तन और धार्मिक कार्यक्रमों से पूरा गांव भक्तिमय माहौल में डूबा हुआ है। आयोजन को सफल बनाने में एकौना के ग्रामीण बढ़-चढ़कर सहयोग और योगदान दे रहे हैं। भागवत कथा का वाचन साध्वी देवी शिवांगी किशोरी, अंतरराष्ट्रीय कथावाचक किशोरी दीपिका आनंद एवं अन्य कथा वक्ताओं द्वारा किया जा रहा है। कथा के दौरान भगवान की लीलाओं और श्रीमद्भागवत के विभिन्न प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया जा रहा है। कथा सुनने के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर परिसर में पहुंच रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार, इस प्राचीन मंदिर का इतिहास करीब 120 वर्ष पुराना है। मान्यता है कि बहुत पहले गंगा नदी के उग्र कटाव के दौरान एक साधु ने अपनी साधना और तपोबल से कटाव को रोक दिया था। इसके बाद उन्होंने यहां मंदिर की स्थापना की। बताया जाता है कि वे महान आयुर्वेदाचार्य भी थे और अपने ज्ञान एवं साधना के माध्यम से लोगों की सेवा और जनकल्याण करते थे। ग्रामीणों का कहना है कि समय के साथ इस मंदिर के प्रति लोगों की आस्था और विश्वास और मजबूत होता गया। मंदिर को ग्रामीण आस्था और श्रद्धा का प्रमुख केंद्र मानते हैं। इसी कारण गांव के लोग मिल-जुलकर मंदिर की सेवा और देखरेख में जुटे रहते हैं। तीन बजे से लेकर शाम सात बजे तक ह्य मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन और कथा की मधुर ध्वनि से गूंज उठता है। श्रद्धालु कथा श्रवण के साथ धार्मिक आयोजनों में शामिल होकर आध्यात्मिक आनंद ले रहे हैं। पूरे गांव में भक्ति, श्रद्धा और उत्साह का माहौल बना हुआ है।

गीधा थाने में ईद-मिलाद-उन-नबी को लेकर शांति समिति की बैठक

कोईलवर। पुलिस अधीक्षक, भोजपुर के निदेर्शानुसार आगामी ईद-मिलाद-उन-नबी पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से रविवार को गीधा थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष टिंकू कुमार ने की। बैठक में पुलिस पदाधिकारियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकताओं तथा गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। इस दौरान पर्व के अवसर पर आपसी भाईचारा बनाए रखने, शांतिपूर्ण ढंग से जुलूस एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित करने तथा विधि-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस-प्रशासन का सहयोग करने की अपील की गई। थानाध्यक्ष टिंकू कुमार ने शांति समिति के सदस्यों से कहा कि ईद-मिलाद-उन-नबी का पर्व प्रेम, शांति, सद्भाव और भाईचारे के साथ मनाएं। उन्होंने अफवाहों पर ध्यान नहीं देने, किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने तथा जिले में शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करने का आग्रह किया।

मोहम्मद साहब के जन्मदिवस को लेकर सहार थाना परिसर में शांति समिति की बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

सहार। आगामी 26 अगस्त को मोहम्मद साहब के जन्मदिवस (ईद-ए-मिलादुन्नबी) के अवसर पर शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में पर्व मनाने को लेकर रविवार को सहार थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एंव संचालन थाना अध्यक्ष इंस्पेटर सुबोध ने किया। जिसमें विभिन्न पंचायतों के जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, बुद्धिजीवी, धार्मिक प्रतिनिधि एवं प्रशासनिक पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने, जुलूस मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने तथा आपसी भाईचारे के साथ त्योहार मनाने पर विशेष चर्चा की गई। थाना अध्यक्ष ने उपस्थित लोगों से जुलूस की रूट की जनकारी प्राप्त किया। वहीं उन्होंने ने अफवाहों पर ध्यान नहीं देने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की। उन्होंने कहा कि पर्व के दौरान असामाजिक तत्वों पर प्रशासन की विशेष नजर रहेगी और शांति भंग करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं समाज के गणमान्य लोगों में दरोगा अशोक सिंह,दरोगा महेन्द्र कुमार, मुखिया बसंत कुमार, उप मुखिया अरमान कुरैशी,अनवर हसन जमाली,शमशाद बाबू, मो जुबैर, मो जैनुद्दीन, मो रब्बुद्दीन, मो ईजराईल, मो खलिल, खुर्शीद आलम ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया तथा सभी समुदायों से आपसी सद्भाव बनाए रखते हुए पर्व मनाने की अपील की। अधिकारियों ने बताया कि संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी तथा आवश्यकतानुसार पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। बैठक के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने क्षेत्र में शांति, सौहार्द और भाईचारे का माहौल बनाए रखने का संकल्प लिया।

छात्रों की मांगें पूरी करे सरकार, नहीं तो आंदोलन होगा तेज : आइसा

आरा। पटना के गर्दनीबाग में पिछले बीस दिनों से आमरण अनशन कर रहे छात्रों की मांगों के समर्थन में रविवार को आइसा कार्यकताओं ने आरा में प्रतिरोध मार्च निकाला। भाकपा-माले जिला कार्यालय, श्रीटोला से निकला मार्च विभिन्न मार्गों से होते हुए आरा बस स्टैंड पहुंचा, जहां शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी का पुतला दहन किया गया। मार्च का नेतृत्व आइसा भोजपुर जिला सहसचिव रौशन कुशवाहा ने किया। उन्होंने कहा कि बिहार में शिक्षा और रोजगार से जुड़े सवालों को लेकर छात्र लगातार आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी मांगों को गंभीरता से नहीं ले रही है। शिक्षक नियुक्ति, बीपीएससी, बिहार एसएससी सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में अभ्यर्थियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आइसा की बिहार उपाध्यक्ष नीतू कुमारी ने कहा कि गर्दनीबाग में छात्र पिछले बीस दिनों से आमरण अनशन पर हैं, बावजूद इसके सरकार की ओर से अब तक कोई प्रतिनिधि उनसे वार्ता करने नहीं पहुंचा है। उन्होंने आंदोलनरत छात्रों की मांगों को तत्काल पूरा करने की मांग की।जैन कॉलेज की आइसा नेत्री वर्षा ने कहा कि सरकार को छात्रों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर करना चाहिए। मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा।प्रतिरोध मार्च में आइसा भोजपुर जिला सचिव जयशंकर प्रसाद, जिलाध्यक्ष विकास कुमार, महाराजा कॉलेज सचिव राजेश कुमार, जिला सहसचिव सुमित कुमार, विवेक कुमार, अनूप कुमार, अनीता कुमारी सहित बड़ी संख्या में छात्र शामिल हुए।

अब गरीब, युवा, महिला और किसान विकास की प्राथमिकता : कृषि मंत्री

■ जातीय राजनीति से आगे बढ़कर बिहार, विकास और किसान होगे केन्द्र में : विजय सिन्हा

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी। बिहार सरकार के कृषि मंत्री सह गया जिला प्रभारी मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने रविवार को सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में विपक्ष पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के कई नेता बिना संघर्ष के बड़े पदों पर पहुंच गए हैं और उन्हें समाज की जमीनी वास्तविकता की जानकारी नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता की लालसा और तुष्टिकरण की राजनीति के कारण समाज के ताने-बाने को कमजोर करने वालों से किसी विषय पर चर्चा का कोई औचित्य नहीं है। विजय सिन्हा ने कहा कि अब देश और प्रदेश को जाति, धर्म या लिंग के नाम पर बांटने की राजनीति नहीं चलनी चाहिए।

समाज को जोड़ने का समय आ गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बताए गए गरीब, युवा, महिला और किसान विकास की चार प्रमुख प्राथमिकताएं हैं। उन्होंने कहा कि अब जाति का जहर नहीं, बल्कि जमात और विकास की बात होनी चाहिए तथा सबका साथ, सबका विकास की भावना से आगे बढ़ना चाहिए।

कृषि मंत्री ने कहा कि सरकार किसान को सीधे खेत से बाजार तक जोड़ने की दिशा में काम कर रही है। छोटे किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए एफपीओ को मजबूत किया जा रहा है। कम पानी में बेहतर उत्पादन के लिए उन्नत बीज और आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने 33 एकड़ में बिना नर्सरी तैयार किए सीधे धान की रोपनी के सफल प्रयोग का भी उल्लेख किया। मंत्री ने कहा कि बीज, खाद या कृषि योजनाओं से संबंधित शिकायत प्रमाण के साथ मिलने पर 24 घंटे के भीतर कार्रवाई होगी।

गड़बड़ी की सूचना पर कमेटी गठित कर जांच और छापेमारी की जाएगी। पंचायत से जिला और राज्य स्तर तक अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी। छोटे किसानों और भूमिहीन श्रमिकों को एकीकृत खेती के माध्यम से योजनाओं का लाभ प्राथमिकता से दिया जाएगा। सिंचाई के लिए मनरेगा समेत अन्य योजनाओं की राशि किसानों के हित में खर्च करने पर जोर दिया गया है।इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष जैनेन्द्र कुमार, वरिष्ठ नेता संतोष सिंह आदी काफी संख्या में उपस्थित थे।

नगर परिषद औरंगाबाद को नगर निगम का दर्जा मिले : अनिल सिंह

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। औरंगाबाद के सुप्रसिद्ध कुंडा हाउस में नगर परिषद औरंगाबाद के उत्क्रमण से संबंधित प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर उत्थान समिति के संयोजक भाजपा के वरिष्ठ नेता अनिल सिंह द्वारा नगर परिषद को नगर निगम का दर्जा मिले इस हेतु 30 अगस्त तक आवश्यक कार्यवाही करने का आग्रह किया गया। इस संबंध में उन्होंने नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव द्वारा निर्गत पत्र का भी उल्लेख किया। जिसमें अनुरोध किया गया है कि बिहार नगरपालिका अधिनियम 2007 की धारा 3, 7 एवं 8 के आलोक में राज्य के नगर निकायों में दो या उससे अधिक नगर पालिका क्षेत्रों को एक नगर पालिका क्षेत्र के रूप में गठित करने, नगर पालिका क्षेत्र से संलग्न किसी ग्रामीण क्षेत्र को उस नगर पालिका क्षेत्र में शामिल करने तथा पुराने नगर निकायों के उत्क्रमण एवं नए नगर निकायों के गठन संबंधी प्रस्ताव, जिसमें नगर निकाय की कुल जनसंख्या, कुल कर्मियों की संख्या एवं कुल कृषि कर्मियों की संख्या, कुल क्षेत्रफल, जनसंख्या घनत्व, सीमा, चौहद्दी एवं थाना नंबर इत्यादि स्पष्ट अंकित हो, आधार पर विहित मूल प्रपत्र सहित दिनांक 30 अगस्त 2026 तक उपलब्ध कराया जाए। इस अवसर पर भाजपा के दीपक सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष पुरुषोतम सिंह, मुन्ना सिंह, उदय कुमार सिंह सहित अनेक सहयोगी उपस्थित रहे।

नारायण प्रसाद मांझी बने हम (से0) के प्रदेश उपाध्यक्ष

गया। हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (से०) के प्रदेश अध्यक्ष, पूर्व विधायक एवं पूर्व मंत्री डॉ. अनिल कुमार ने पार्टी के गया जिला के पूर्व जिलाध्यक्ष नारायण प्रसाद मांझी को प्रदेश उपाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया है। वहीं, गया जिला के उपाध्यक्ष चंदन गौरव को प्रदेश महासचिव की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। नारायण प्रसाद मांझी ने गया जिला अध्यक्ष के रूप में संगठन को मजबूत करने के लिए पूरी निष्ठा, समर्पण और लगन के साथ कार्य किया। उनके नेतृत्व में पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती मिली तथा लोकसभा एवं विधानसभा चुनावों में पार्टी को बेहतर सफलता प्राप्त हुई। उनकी कार्यशैली, व्यवहार कुशलता, संगठनात्मक क्षमता एवं कार्यकुशलता को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने उन्हें प्रदेश स्तर पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है।नारायण प्रसाद मांझी के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत होने तथा चंदन गौरव को प्रदेश महासचिव बनाए जाने पर पार्टी कार्यकताओं में हर्ष एवं उत्साह का माहौल है। कार्यकताओं ने पार्टी के संस्थापक एवं संरक्षक आदरणीय श्री जीतन राम मांझी, राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संतोष कुमार सुमन एवं प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार के प्रति आभार व्यक्त किया है।

संक्षिप्त खबरें

लोकरत्न स्व. उपेंद्र नाथ वर्मा की जयंती पर हुआ आयोजन

गया जी।लोकरत्न से मशहूर पूर्व मंत्री स्व. उपेंद्र नाथ वर्मा की 106वीं जयंती मनाई गई. इस दौरान लोगों ने शहर के दिग्घी तालाब के समीप स्थित उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण किया है।इस दौरान कलाकारों के द्वारा निर्गुण सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी की गई. इस मौके पर विधायक, पूर्व सांसद, सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए हैं। इस मौके पर उनकी पुत्रवधू सह पूर्व विधान परिषद सदस्य कुमुद वर्मा ने कहा कि आज हमलोग स्व. उपेंद्र नाथ वर्मा की 106वीं जयंती मना रहे हैं. वे एक प्रख्यात समाजसेवी थे, और इसके साथ ही शिक्षाविद भी थे. वे मंत्री भी रहे थे।हमेशा गरीबों की मदद किया करते थे. अपने जीवनकाल में उन्होंने कई लोगों को विधायक और सांसद भी बनाया था. स्वयं पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी उन्हें उन्हें मान सम्मान देने का कार्य करते थे। यही वजह है कि आज बड़ी संख्या में लोग उनकी जयंती कार्यक्रम में शामिल हुए हैं और उनके प्रति श्रद्धा-सुमन अर्पित कर रहे हैं इस मौके पर प्रभारी मंत्री विजय सिन्हा भी आकर पुष्पांजलि अर्पित किए इसके साथ ही टेकारी राजद विधायक अजय दांगी, पूर्व विधायक विनय यादव, पूर्व सांसद अरुण कुमार, पूर्व विधायक कृष्णानंद यादव, युवा नेता आर.एस. नागमणि, वार्ड पार्षद सारिका वर्मा, सुनील बंबईया, विनोद कुमार शहीद कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

इनर व्हील क्लब ऑफ गया द्वारा सेवा एवं सामाजिक सरोकार के विभिन्न कार्यक्रम

गया। इनर व्हील क्लब ऑफ गया, डिस्ट्रिक्ट 325 द्वारा 21 अगस्त 2026 को सेवा, पर्यावरण संरक्षण एवं जरूरतमंदों की सहायता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। इस अवसर पर भुसुंडा पशु मेला मैदान स्थित गौ सेवा आश्रम, मानपुर, गया जी में गौ सेवा के उद्देश्य से गौ चारा हेतु धनराशि प्रदान की गई है। इस कार्यक्रम में पी एल एल डबलु एडिटर एंड मीडिया मैनेजर प्रभा रघुरंदन , क्लब प्रेसिडेंट आभा सिंह, सेक्रेटरी राखी भदानी सहित क्लब के सदस्य उपस्थित रहे हैं। इसके बाद भुसुंडा मेला मैदान में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया है।साथ ही वहां उपस्थित जरूरतमंद लोगों के बीच छातों का वितरण किया गया है।इस अवसर पर पीडीसी किरण प्रकाश, पीपी तृप्ति गुप्ता, मनीषा भदानी, अनामिका सिन्हा, स्मिता अग्रवाल, डेजी सिंह एवं अलका तरवे सहित क्लब के अन्य सदस्य मौजूद रहे हैं। इसी क्रम में क्लब द्वारा जरूरतमंद महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने एवं उनके जीवनयापन में सहयोग देने के उद्देश्य से सिलाई मशीनें प्रदान की गईं।इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को स्वरोजगार का अवसर उपलब्ध कराकर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।

सावन मिलन समारोह में कजरी, ठुमरी और लोकनृत्य की रही धूम

गया जी। सावन की रिमझिम फुहार, सुरीले गीत, कजरी, ठुमरी और रंग-बिरंगे परिधानों में सजी महिलाओं के बीच लोकनृत्य की धमक से शनिवार को गयाजी के प्रतिष्ठित होटल रॉयल सूर्या में खुशनुमा माहौल देखने को मिला। अवसर था प्रथम भूमिहार महिला समाज की ओर से आयोजित सावन मिलन समारोह का आयोजन। इस कार्यक्रम की शुरूआत भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्ज्वलन, मंगलाचरण एवं भगवान परशुराम के श्लोक के साथ हुई है। इस कार्यक्रम की संयोजक वंदना शर्मा ने मंच संचालन करते हुए सभी आगंतुकों का स्वागत किया है। मुख्य अतिथि डॉ. श्रीमती कविता निश्चल ने प्रथम भूमिहार महिला समाज की बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि समाज और सरकार में मुख्यधारा में आने का निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए, ताकि हमारी पहचान सदियों से जो चली आ रही वह बरकरार रहे हैं।

जिला पदाधिकारी ने करपी में पंचायत सरकार भवन का किया निरीक्षण, दिए सख्त निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

अरवल। जिला पदाधिकारी अमृषा बैंस ने करपी प्रखंड के करपी पंचायत में निमार्णाधीन पंचायत सरकार भवन का स्थलीय निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी ने भवन के विभिन्न हिस्सों, निर्माण सामग्री की गुणवत्ता और कार्य की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अभियंताओं से प्राक्कलन और तकनीकी मानकों के अनुरूप कार्य की जानकारी ली। और स्पष्ट निर्देश दिया कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं हो और कार्य को समय पर पूरा किया जाए। साथ ही नियमित निगरानी और सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने को कहा।बताया गया कि इस भवन के बनने से ग्रामीणों को पंचायत स्तर पर ही सरकारी सेवाओं और योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। मौके पर उप विकास आयुक्तःशैलेश कुमार,अपर समाहर्ताःरवि प्रसाद चौहान, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी रोहित कुमार सिंह सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

ट्रस्ट की हुई बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। पूर्व दिवंगत सांसद रमेश प्रसाद के स्मृति में बना रमेश प्रसाद सिंह मेमोरियल ट्रस्ट औरंगाबाद की बैठक कन्हैया लाल जैन के आवास पर सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष कन्हैयालाल जैन और संचालन एपीपी वरीय अधिवक्ता रसिक बिहारी सिंह ने किया। अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि सर्वप्रथम पूर्व दिवंगत सांसद रमेश प्रसाद सिंह के पुत्र ई राजेन्द्र प्रसाद सिंह के दिवंगत पत्नी प्रो लीला सिंह के पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी गई। तत्पश्चात सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि औरंगाबाद शहर के हृदय स्थल रमेश चौक का सौंदर्यीकरण किया जाएगा और शहरवासियों से अपील किया जाएगा कि किसी कार्यक्रम में चौक पर गंदगी न फैलाएं। ट्रस्ट के नये गोल्डन सदस्य और ई सदस्य पर चर्चा करते हुए अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही को सर्वसम्मति से ई सदस्य बनाया गया है। संस्था कार्य के लिए ऑडिटर की नियुक्ति किया जाएगा। पुर्व में संस्था द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा किया गया और अंत में युवा सदस्यों से आग्रह किया गया है कि समाज सुधार कार्यक्रमो में अधिक से अधिक सदस्य भाग लें। इस अवसर पर उपस्थित थे।

किसना ने औरंगाबाद में अपने एक्सक्लूसिव शोरूम का किया शुभारंभ

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी ने औरंगाबाद के एम जी रोड स्थित महेश एकेडमी स्कूल के सामने अपने 20वें एक्सक्लूसिव शोरूम का भव्य शुभारंभ किया। शोरूम का उद्घाटन हरि कृष्णा ग्रुप के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक घनश्याम ढोलकिया एवं किसना के एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट पार्टनर अभय कुमार सिंह के द्वारा किया गया। यह लॉन्च बिहार में किसना के रिटेल विस्तार की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस भव्य लॉन्च के अवसर पर किसना अपने ग्राहकों के लिए विशेष उद्घाटन ऑफर लेकर आया है। ग्राहकों को डायमंड ज्वेलरी के मेकिंग चार्ज पर 100 प्रतिशत तक की छूट और गोल्ड ज्वेलरी के मेकिंग चार्ज पर 50 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी। इसके अलावा, ग्राहक अपना पुराना सोना एक्सचेंज कर डायमंड ज्वेलरी की खरीद पर 105 प्रतिशत वैल्यू प्राप्त कर सकते हैं। हरि कृष्णा ग्रुप के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक घनश्याम ढोलकिया ने कहा कि बिहार में ग्राहकों की बढ़ती आकांक्षाएं और तेजी से बदलता ज्वेलरी रिटेल बाजार इसे किसना की विस्तार रणनीति के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार बनाते हैं। बिहार में हमारा 20वां एक्सक्लूसिव शोरूम औरंगाबाद में शुरू होना राज्य के प्रति हमारी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, हमारा मार्गदर्शन हर घर किसना के विजन से होता रहेगा, जिसका उद्देश्य भारतीय घरों तक गुणवत्तापूर्ण डायमंड ज्वेलरी को सुलभ बनाना है। किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी के सीईओ पराग शाह ने कहा कि हमें औरंगाबाद में बिहार के अपने 20वें एक्सक्लूसिव शोरूम को लॉन्च करते हुए खुशी हो रही है। हमारा उद्देश्य ग्राहकों को ज्वेलरी की खोज और खरीदारी का एक बेहतर एवं शानदार अनुभव प्रदान करना है। इसके लिए हम आधुनिक डिजाइन, सोच-समझकर तैयार किए गए कलेक्शंस और ग्राहकों की बदलती पसंद के अनुरूप एक प्रीमियम शोरूम अनुभव उपलब्ध करा रहे हैं। किसना के एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट पार्टनर अभय कुमार सिंह ने कहा कि किसना जैसे ब्रांड के साथ जुड़ना हमारे लिए गर्व की बात है, जो विश्वास, गुणवत्ता और नवाचार की मजबूत नींव पर स्थापित है। हम ग्राहकों के लिए एक पसंदीदा ज्वेलरी डेस्टिनेशन बनने और औरंगाबाद के बेहतरीन ज्वेलरी स्टोर्स में किसना को स्थापित करने की दिशा में काम करने के लिए उत्साहित हैं। समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप किसना ने शोरूम के उद्घाटन के अवसर पर जरूरतमंद लोगों के बीच भोजन वितरण अभियान भी आयोजित किया। इसके साथ ही स्वच्छ भारत अभियान के समर्थन में स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण अभियान और रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया। इन पहलों के माध्यम से किसना ने सामुदायिक कल्याण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया।

सरकार की लापरवाही से ऊबकर ग्रामीणों ने निजी खर्चे से सड़क पर मिट्टी भराई किया

■ देवकुंड से रामपुर चाय बगीचा जाने वाली लिंक रोड 1.5 किमी नहीं बनने से खतरा से कम नहीं है

प्रात : किरण संवाददाता

करपी। औरंगाबाद जिले के देवकुंड पेट्रोल पंप के निकट से निकलकर नौरंगा बंधवा होते हुए अरवल जिले के भगवानपुर प्रयाग बिगहा मुंगिला बिगहा होते हुए रामपुर चाय पंचायत के बैरबाना के पास जाकर राजकीय उच्च पथ से जुड़ने वाली सड़क जो मानिकपुर से चलकर उपहरा होते हुए देवकुंड से जुड़ते हुए पीरु तक जाती है। सड़क की इतनी दुर्दशा है कि सैकड़ो स्कूली छात्र इस रास्ते से होकर गुजरते हैं जो देवकुंड में आकर अपना पढ़ाई लिखाई का कार्य करते हैं। साथ ही इन तमाम गांव के आम लोग अपने रोजमर्रा की समान की खरीदारीके लिए देवकुंड बाजार में आते हैं तथा निकटवर्ती सैकड़ो लोग प्रतिदिन देवकुंड धाम जाकर बाबा दूधेश्वर नाथ का पूजा अर्चना करते हैं।सरकार की ऐसी लापरवाही है कि यह इतना महत्वपूर्ण सड़क जो मुख्य सड़क से कटे हुए सभी गांव को जोड़ते हुए यह क्षेत्र के लिए काफी उपयोगी सड़क है। लगभग 10 किलोमीटर में बना हुआ यह कच्ची सड़क जिसमें कुछ दूर तक पक्की बना हुआ है लेकिन महज 1.5 किलोमीटर कच्ची सड़क की ऐसी दुर्दशा है कि उस पर बच्चों का चलना खतरा से खाली नहीं है। ग्रामीणों ने बताया कि सरकार की ऐसी लापरवाही है की दो जिला अरवल एवं औरंगाबाद कि ग्रामीणों को जोड़ने वाली सड़क पर किसी का कोई ध्यान नहीं है ।अंततः लाचार होकर सरकार की लापरवाही पर तमाचा लगाते हुए निकटवर्ती ग्रामीणों ने खास करके नौजवान छात्रों ने श्रमदान करके इस कच्ची सड़क को चलने के लायक बनाया है जो कि वर्तमान समय के लिए वे छात्र धन्यवाद के पात्र हैं। सरकार को जो जिला में बैठे हुए पदाधिकारी हैं उन्हें चाहिए कि यथाशीघ्र सड़क का निर्माण करवा कर स्कूली छात्रों को प्रतिदिन हो रहे कठिनाई को दूर करने का प्रयास करें।

जिला परिवहन विभाग का प्रदूषण नियंत्रण पर जोर इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रति बढ़ाएगा जागरूकता

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी। बढ़ते वायु प्रदूषण पर नियंत्रण और पर्यावरण संरक्षण को लेकर जिला परिवहन विभाग ने जागरूकता अभियान चलाने की तैयारी शुरू कर दी है। जिला परिवहन पदाधिकारी राजेश कुमार के नेतृत्व में जिले भर में लोगों को प्रदूषण कम करने के उपायों और इलेक्ट्रिक वाहनों के इस्तेमाल के प्रति जागरूक किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य प्राकृतिक सुरक्षा, जीवन रक्षा और पर्यावरण स्वच्छता के प्रति लोगों को जिम्मेदार बनाना है। परिवहन विभाग के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि वाहनों से निकलने वाले धुएं को कम करना प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसके लिए लोगों को इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग के फायदे बताए जाएंगे। साथ ही नियमित प्रदूषण जांच कराने, वाहनों की उचित देखभाल करने और अनावश्यक रूप से वाहनों का इस्तेमाल नहीं करने के लिए भी प्रेरित किया जाएगा।

पितृपक्ष मेला में चलेगा मेगा जागरूकता अभियानः बताया गया कि डीएम शशांक शुभंकर के निर्देश पर आगामी पितृपक्ष मेला अवधि में परिवहन विभाग बड़े स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने की तैयारी कर रहा है। मेला में देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने को देखते हुए यातायात व्यवस्था के साथ पर्यावरण संरक्षण पर भी विशेष जोर दिया जाएगा। साथ ही प्राकृतिक सुरक्षा, जीवन रक्षा, पर्यावरण स्वच्छता का विशेष संदेश दिया जाएगा।

नाबालिगों से ऑटो-टोटो नहीं चलाने की अपीलः परिवहन विभाग ने अभिभावकों और वाहन मालिकों से नाबालिग बच्चों से ऑटो-टोटो का परिचालन नहीं कराने की अपील की है। अधिकारियों ने कहा कि नाबालिगों से वाहन चलवाना उनकी सुरक्षा के साथ अन्य सड़क यात्रियों के लिए भी खतरा पैदा कर सकता है। जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से यातायात नियमों के पालन, सुरक्षित वाहन परिचालन और पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया जाएगा।

किसानों के सिंचाई का संसाधन ऐतिहासिक सलेमपुर पईन वरदान था : गोपाल प्रसाद पटवा

गया जी। बिहार प्रदेश सह- संयोजक भाजपा बुनकर प्रकोष्ठ सह स्वच्छता प्रहरी गोपाल प्रसाद पटवा ने आज कृषि जन कल्याण संवाद कार्यक्रम में जिला प्रभारी मंत्री महोदय को आवेदन समर्पित करते हुए कहा कि जगजीवन महाविद्यालय, मानपुर में जलजमाव की समस्या केवल कॉलेज की नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के किसानों की समस्या है। पटवा ने बताया कि कल दिनांक 21.08.2026 को रात्रि 8:00 बजे बुद्धिजीवियों के साथ संवाद, समाहरणालय, गया जी के सभागार में जिला प्रभारी मंत्री एवं जिला पदाधिकारी के समक्ष उन्होंने यह मुद्दा उठाया था। माननीय मंत्री जी ने लिखित आवेदन देने का निर्देश दिया था।

मानव घाट महोत्सव का आगाज देवधाम के जलाभिषेक एवं वेद मन्त्रोंच्चार के साथ

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। जिले के मदनपुर प्रखंड के खिरियावां गांव में मानव घाट महोत्सव का शुभारंभ मानव घाट स्थित देवी देवताओं की देवधाम के पवित्र जल के जलाभिषेक के साथ किया गया हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने देवधाम से जल लेकर पैदल 15 किलोमीटर की दूरी तय करके पैदल खिरियावां के मानव घाट स्थल पहुंचे और वहां स्थित सभी देवी देवताओं का जलाभिषेक किया गया। तत्पश्चात योग्य आचार्यो के सान्निध्य में वेद मंत्रोचार के साथ मानव घाट महोत्सव का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलन के साथ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रफीगंज विधानसभा के माननीय विधायक प्रमोद कुमार सिंह,राज्य महोत्सव संघ के अध्यक्ष महोत्सव रत्न संजीव कुमार सिंह,प्रोफेसर संतोष कुमार सिंह,मदनपुर प्रखंड जदयू अध्यक्ष लव सिंह, भोला बाबू,निखिल कुमार,सुनील कुमार, अष्टभुजी धाम के संरक्षक अजीत मिश्रा, राज्य महोत्सव संघ के प्रवक्ता सुरेश विद्यार्थी सहित अन्य लोगों ने उद्घाटन किया। मुखिया प्रतिनिधि रंजीत यादव के अध्यक्षता में एवं देवनंदन प्रसाद के संयोजन में महोत्सव का संचालन आयोजन समिति के अध्यक्ष उदय शिकारी द्वारा किया गया। मानव घाट महोत्सव के महिमा एवं गरिमा विषयक विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि आज से सैकड़ो वर्ष पूर्व वैश्य परिवार के लोगों ने महावीर मंदिर की स्थापना की थी।मानव घाट की विशेषता के बारे में चर्चा करते हुए कहा गया कि यह स्थल पुण्यदायिनी मदार नदी के पावन तट पर है। नदी के तट पर मानव निर्मित घाट की विशेषता यही है कि घाट पर जो भी श्रद्धालु विश्राम करने आते है उन्हें असीम शांति की प्राप्ति होती है। बाद के वर्षों में देवी मंदिर,संतोषी माता,शिव मंदिर सहित कई अन्य मंदिरों की स्थापना की गई। संजीव कुमार सिंह ने संबोधन के क्रम में कहा कि औरंगाबाद जिला सदियों से विभिन्न धरोहरों का जिला रहा है इस जिले में ऐसे ऐसे स्थल भरे पड़े हैं जिनकी चर्चा पुराणों और अन्य शास्त्रों है।

चौरसिया समाज का उत्सव, धूमधाम से मना नागपंचमी महोत्सव, धर्मशाला निर्माण का पकड़ा जोड़

प्रात : किरण संवाददाता

गयाजी। धर्मसभा भवन में वैश्य-चौरसिया समाज की ओर से नागपंचमी महोत्सव सह सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सामाजिक एकता एवं सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत करने का संकल्प लिया है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि रमेश लख्खू लाल चौरसिया, डॉ. विक्रम चौरसिया, समाज के अध्यक्ष अनुज चौरसिया, युवा अध्यक्ष त्रिपुरारी कुमार चौरसिया, सुनील कुमार चौरसिया एवं सरिता चौरसिया ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया है। अतिथियों का स्वागत समाज के सदस्यों ने किया है।

इस महोत्सव के दौरान नागपंचमी की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज के लोगों को एकजुट होने और नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति एवं परंपराओं से जोड़ने का अवसर मिलता है। और एक दुसरे से जान पहचान बढाना और समाज में एकता का परिचय देखने को मिला है।कयी समाज के बच्चे,बच्चीयो के द्वारा स्वागत गित और गणेश शंकर स्तोत्र का डांस भी करके आए हुए लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। चौरसिया समाज का गया शहर में आबादी काफी है लेकिन एक भी धर्मशाला नही है जिसपर व्यक्तताये ने एक दुसरे में संगठित होकर इस पहल पर प्रयास करने की बात कही है। चौरसिया समाज के लोगों को काफी सहयोग मिल रहा है।इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से गया जिला अध्यक्ष अनुज कुमार चौरसिया, युवा जिलाध्यक्ष त्रिपुरारी कुमार चौरसिया, महिला अध्यक्ष रिकी चौरसिया समाज के काफी लोग महिला पुरुष शामिल थे।

महादलित बहनों ने पूर्व डीएम कंवल तनुज को भेजी राखी

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। रक्षाबंधन का त्योहार भाई-बहन के स्नेह और अपनत्व का पर्व है। औरंगाबाद की महादलित बस्ती की महिलाओं ने इस रिश्ते को वर्षों से एक अलग भावनात्मक रंग दे रखा है। जिले के पूर्व जिलाधिकारी और वर्तमान में बिहार सरकार के योजना एवं विकास विभाग के सचिव कंवल तनुज को यहां की महादलित बहनों ने इस बार भी राखी भेजी है। यह लगातार आठवां वर्ष है, जब बहनें रक्षाबंधन पर अपने भाई समान पूर्व डीएम को राखी भेज रही हैं। महादलित बस्ती की बहनों ने राखी पटना भेजने की जिम्मेदारी कांग्रेसी नेता व समाजसेवी मो. शाहनवाज रहमान उर्फ सल्लू खान को सौंपी गई। उनके माध्यम से राखी पटना भेज दी गई है। राखी भेजने वाली बहनों में अनीता देवी, गुंजा देवी लाल देवी, तेतरी देवी, उर्मिला कुंवर, अनीता देवी, गीता कुमारी, सविता देवी काजल देवी कुमारी, देवी, मुनका देवी मनोरमा देवी, रीना कुमारी कुमारी, प्रिया कुमारी, लड्डो और खुशी कुमारी शामिल हैं। बहनों ने भावुक होकर बताया कि कंवल तनुज जब औरंगाबाद के डीएम थे, तब वे रक्षाबंधन के अवसर पर स्वयं महादलित बस्तियों में पहुंचकर बहनों से राखी बंधवाते थे। उनका कहना है कि प्रशासनिक पद पर रहते हुए भी उन्होंने आम लोगों से आत्मीय रिश्ता बनाया था। यही वजह है कि पद से स्थानांतरित होने के बाद भी उनके साथ बना भाई-बहन का यह रिश्ता कायम है। महादलित बहनों ने बताया कि कंवल तनुज मकर संक्रांति के अवसर पर भी उनके बीच पहुंचते थे और तिलकुट, चूड़ा-दही के साथ भोजन करते थे। स्थानांतरण के बाद भी बहनें उनके लिए मकर संक्रांति पर सामग्री भेजती हैं। कोरोना काल में भी उन्होंने महादलित परिवारों के लिए राशन सामग्री के साथ आर्थिक सहयोग भेजकर मदद की थी। बहनों का कहना है कि पद से दूर रहने के बावजूद वे आज भी उनका हालचाल लेते रहते हैं। बहनों ने कहा कि रक्षाबंधन आते ही उन्हें उन दिनों की याद आती है, जब पूर्व डीएम खुद उनके बीच पहुंचकर राखी बंधवाते थे। अब वे हर वर्ष अपनी राखी पटना भेजती हैं।

ईद मिलाद-उन-नबी पर्व को लेकर ओबरा थाना परिसर में शांति समिति की बैठक

औरंगाबाद। ईद मिलाद-उन-नबी पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर रविवार को ओबरा थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता ओबरा थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने की। इस दौरान पुलिस प्रशासन के पदाधिकारियों के साथ जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, गणमान्य नागरिक एवं विभिन्न समुदायों के लोग मौजूद रहे। बैठक को संबोधित करते हुए थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने कहा कि पर्व-त्योहार आपसी भाईचारे और सामाजिक सौहार्द का संदेश देते हैं। उन्होंने सभी लोगों से मिल-जुलकर पर्व मनाने तथा किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान नहीं देने की अपील की। उन्होंने कहा कि पर्व के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। किसी भी तरह की असामाजिक गतिविधि या विवाद की सूचना तत्काल पुलिस को देने की बात कही गई। थानाध्यक्ष ने कहा कि सोशल मीडिया पर भी भ्रामक या आपत्तिजनक पोस्ट से बचें और किसी भी अफवाह को बिना पुष्टि के आगे प्रसारित न करें। प्रशासन की ओर से पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने का भरोसा भी दिया गया। बैठक में एएसआई मुनाजिर हुसैन, लाइसेंसधारी मोहम्मद मुख्तार, मोहम्मद सलीम, मोहम्मद आबिद हुसैन, हाफिज सरफराज, पूर्व विधायक प्रतिनिधि मोहम्मद कैफ खान, बभनडीहा सरपंच मोहम्मद जावेद सिद्दीकी, सोहेल अहमद, इरसाद करीम, मोहम्मद शमशुद्दीन, जुल्फेकार अहमद सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे। बैठक के दौरान उपस्थित लोगों ने भी प्रशासन को सहयोग करने तथा ईद मिलाद-उन-नबी पर्व को आपसी प्रेम, भाईचारे, शांति एवं सौहार्द के साथ मनाने का संकल्प लिया।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
पटना, सोमवार, 24 अगस्त, 2026

अंतिम सोमवारी पर लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना, राहत-बचाव व मेडिकल टीम 24 घंटे अलर्ट

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। अंतिम सावन सोमवारी के मद्देनजर वाल्मीकिनगर स्थित कवलेश्वर, जटाशंकर धाम समेत विभिन्न धार्मिक स्थलों पर आयोजित होने वाले विशाल सावन मेले को लेकर भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। लाखों श्रद्धालुओं के संभावित आगमन को देखते हुए सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने 23 अगस्त से ही सभी सीमा चौकियों को हाई अलर्ट पर रखा है। एसएसबी 21वीं वाहिनी के कमांडेंट तपेश्वर संबित राउत के दिशा-निर्देश पर सीमा क्षेत्र में अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। कमांडेंट ने स्वयं रविवार शाम से सोमवार दोपहर तक वाल्मीकि आश्रम, जटाशंकर मंदिर, कवलेश्वर मंदिर, त्रिवेणी घाट और वाल्मीकिनगर क्षेत्र का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने तैनात जवानों से बातचीत कर मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम आवागमन को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए तथा सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरती जाए। वहीं, किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए एसएसबी का राहत एवं बचाव दल और मेडिकल टीम 24 घंटे हाई अलर्ट पर रखा गया है। मेले के दौरान किसी श्रद्धालु को स्वास्थ्य संबंधी समस्या या अन्य आपात स्थिति होने पर तत्काल सहायता उपलब्ध कराने की तैयारी की गई है।

हजारीमल धर्मशाला से त्रिमूर्ति, लाल बाजार, तीन लालटेन चौक तक पीसीसी रोड व नाला निर्माण में खर्च होंगे 1.20 करोड़: गरिमा

प्रात: किरण संवाददाता

बेतिया। नगर निगम क्षेत्र में आधारभूत संरचना को सुदृढ़ बनाने और नागरिक सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण पर बुडको प्रशासन द्वारा निविदा जारी की गई है। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने बताया कि बिहार शहरी आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड (बुडको) के स्थानीय परियोजना निदेशक द्वारा इस योजना की निविदा जारी कर दी गई है। ई-टेंडरिंग विधि से जारी निविदा के माध्यम से नगर निगम के वार्ड 17 के लिए इस महत्वपूर्ण योजना की निविदा पर सक्षम और इच्छुक संवेदकों से ई-टेंडरिंग की मानक अर्हताओं के तहत दावेदारी आमंत्रित की गई है। निविदा विज्ञप्ति के अनुसार महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि नगर के हजारीमल धर्मशाला से त्रिमूर्ति चौक तक तथा लाल बाजार चौक से तीन लालटेन चौक तक पीसीसी सड़क एवं आरसीसी नाला निर्माण कार्य किया जाना है। लंबे समय से इस क्षेत्र के लोगों द्वारा जलजमाव और जर्जर सड़क की शिकायत की जा रही थी, अब इस निर्माण से निजात मिलने की उम्मीद है। जारी निविदा के अनुसार इस योजना की प्राक्कलित राशि 1 करोड़ 20 लाख 61 हजार 300 रुपये है। कार्य की अवधि चार माह निर्धारित की गई है। इच्छुक संवेदकों द्वारा 25.08.2026 तक ई-टेंडरिंग पोर्टल www.eproc2.bihar.gov.in के माध्यम से निविदा अपलोड की जा सकती है। इस सड़क और नाला निर्माण के पूर्ण होने से वार्ड 17 के हजारों निवासियों के साथ इस सघन शहरी क्षेत्र के हजारों लोगों के साथ आम राहगीरों के भी आवागमन में सुविधा होगी, साथ ही बरसात के दिनों में होने वाले जलजमाव की समस्या का स्थायी समाधान होगा। महापौर ने बताया कि यह योजना मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना के तहत शहर के समग्र विकास को नई गति देगी।

संक्षिप्त खबरें

भक्तों की भारी भीड़, व्यवस्था नदारद: वाल्मीकिनगर में श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर उठे सवाल

बगहा। सावन की अंतिम सोमवारी के मौके पर वाल्मीकिनगर के त्रिवेणी संगम तट समेत विभिन्न धार्मिक स्थलों पर बिहार और उत्तर प्रदेश के दूर-दराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। हजारों की संख्या में उमड़े श्रद्धालुओं के बीच व्यवस्थाओं की कमी को लेकर स्थानीय लोगों और बुद्धिजीवियों ने प्रशासन तथा स्थानीय इकाइयों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि वाल्मीकिनगर में धार्मिक पर्यटन और आस्था के लिहाज से श्रद्धालुओं का लगातार आगमन होता है। खासकर सावन में त्रिवेणी संगम पर स्नान और जल बोझी के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। इसके बावजूद श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, अस्थायी ठहराव, मेडिकल कैंप, शौचालय और साफ-सफाई जैसी बुनियादी सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था नजर नहीं आती। स्थानीय लोगों ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने के बावजूद व्यवस्था के नाम पर स्थिति बेहद निराशाजनक दिखाई देती है। श्रद्धालुओं को कई जगहों पर मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान होना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन और संबंधित स्थानीय इकाइयों को ऐसे महत्वपूर्ण अवसरों से पहले ही आवश्यक तैयारियां पूरी करनी चाहिए थीं। विशेष बात यह है कि वाल्मीकिनगर जंगली क्षेत्र और टाइगर रिजर्व से सटा इलाका है। ऐसे में बड़ी संख्या में बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को लेकर प्रशासन को अतिरिक्त सतर्कता बरतने की जरूरत है।

इनरवा थाना पुलिस ने चलाया सघन वाहन जांच अभियान

मैनाटांड। इनरवा थाना पुलिस ने रविवार को थाना क्षेत्र में सघन वाहन जांच अभियान चलाया। अभियान के दौरान थानाध्यक्ष संतोष कुमार पुलिस बल के साथ विभिन्न स्थानों पर मौजूद रहे और आने-जाने वाले वाहनों की जांच की। पुलिस टीम ने दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों को रोककर आवश्यक कागजात, हेलमेट तथा अन्य सुरक्षा मानकों की जांच की। इस दौरान वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने की हिदायत दी गई। थानाध्यक्ष संतोष कुमार ने कहा कि क्षेत्र में अपराध नियंत्रण और सड़क सुरक्षा को लेकर पुलिस लगातार सक्रिय है। संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के साथ-साथ यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के इस अभियान से वाहन चालकों में सतर्कता बढ़ी है। थाना पुलिस ने लोगों से सुरक्षित वाहन चलाने और सभी जरूरी कागजात साथ रखने की अपील की।

सावन के चौथे सोमवार पर इंडो-नेपाल बॉर्डर पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

मैनाटांड। सावन के चौथे सोमवार को भगवान शिव के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए नेपाल स्थित प्रसिद्ध भाथा बाबा मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ एक बार फिर इंडो-नेपाल बॉर्डर पर उमड़ पड़ी। सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु सीमा क्षेत्र से नेपाल की ओर जाते दिखाई दिए। भक्तों में भगवान शिव के दर्शन को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। महिला, पुरुष और युवा श्रद्धालु पूजा सामग्री के साथ मंदिर की ओर रवाना हुए। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के कारण सीमा क्षेत्र में चहल-पहल काफी बढ़ गई। सावन के पवित्र महीने में भाथा बाबा मंदिर में जलाभिषेक और पूजा करने की विशेष मान्यता है। चौथे सोमवार को दूर-दराज के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचते हैं। भीड़ को देखते हुए सीमा क्षेत्र में सुरक्षा एवं आवागमन व्यवस्था पर भी विशेष नजर रखी गई। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव से सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। हर-हर महादेव के जयकारों से सीमा क्षेत्र और मंदिर जाने वाला मार्ग भक्तिमय नजर आया।

नौरंगिया पुलिस ने दो लोगों को किया गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। नौरंगिया थाना पुलिस ने न्यायालय से जारी सम्मन के आलोक में कार्रवाई करते हुए एक पुराने मामले से जुड़े दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों की पहचान ओम प्रकाश शाह और रंजन शाह के रूप में हुई है। दोनों नौरंगिया थाना क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं। नौरंगिया थानाध्यक्ष राज रौशन ने बताया कि न्यायालय से जारी सम्मन के अनुपालन में पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार किया। मामला सेशन ट्रायल संख्या 634/17 एवं सीआईएस संख्या 91/18 से संबंधित है। न्यायालय द्वारा मामले में दोनों के विरुद्ध प्रक्रिया जारी की गई थी। थानाध्यक्ष ने बताया कि न्यायालय के आदेश के आलोक में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों को हिरासत में लिया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने मुक्तिनाथ मंदिर में की पूजा-अर्चना

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने शनिवार शाम मुस्तांग जिले में स्थित प्रसिद्ध धार्मिक स्थल मुक्तिनाथ मंदिर पहुंचकर दर्शन और पूजा-अर्चना की। प्रधानमंत्री शाह निजी यात्रा पर मुस्तांग पहुंचे थे। मुक्तिनाथ विकास समिति के प्रबंधक दिनेश भुसाल के अनुसार, प्रधानमंत्री शाम करीब 7:30 बजे मंदिर परिसर में पहुंचे और रात 8 बजे तक मंदिर में रहकर पूजा-अर्चना की। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री शाह शुक्रवार को काठमांडू से निजी यात्रा पर निकले थे। सड़क मार्ग से पोखरा होते हुए वे शनिवार दोपहर करीब 3 बजे बेनी-जोमसोम सड़क मार्ग से मुस्तांग के जोमसोम पहुंचे। यहां घरपझोंग-3 स्थित पुथाङ एयरपोर्ट के होटल ओम्स होम में कुछ समय विश्राम करने के बाद वे मुक्तिनाथ दर्शन के लिए रवाना हुए। मुक्तिनाथ विकास समिति के प्रबंधक दिनेश भुसाल ने बताया कि प्रधानमंत्री ने मंदिर में करीब आधे घंटे तक पूजा-अर्चना की। पूजा के बाद उन्होंने मंदिर के पुजारी कृष्णप्रसाद सुवेदी से टीका और प्रसाद ग्रहण किया। दर्शन एवं पूजा-अर्चना पूरी करने के बाद प्रधानमंत्री शाह वापस जोमसोम लौट गए। प्रधानमंत्री की यह यात्रा निजी बताई गई है। मुक्तिनाथ नेपाल के प्रमुख धार्मिक स्थलों में शामिल है और देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

चंपारण में औद्योगिक विकास को गति देने की उठी मांग

प्रात: किरण संवाददाता

मोतिहारी, पृ.च: चंचल बाबा मठ स्थित आपनमाटी आपन पार्टी के कार्यालय में पार्टी कार्यसमिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पार्टी अध्यक्ष जितेन्द्र तिवारी ने की। इस दौरान चंपारण के औद्योगिक विकास, भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान और क्षेत्र की समस्याओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। पार्टी अध्यक्ष जितेन्द्र तिवारी ने सरकार द्वारा चंपारण में औद्योगिक विकास की दिशा में उठाए गए कदमों का स्वागत करते हुए सरकार के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि चंपारण में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए ह्यचंपारण औद्योगिक विकास प्राधिकरणह्न का गठन किया जाना चाहिए। उन्होंने जिला प्रशासन एवं मीडिया के माध्यम से सरकार से इस दिशा में ठोस पहल करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि चंपारण के साथ लंबे समय से किए जा रहे छलावे को अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पार्टी के महासचिव अशरफ अली अंसारी ने कहा कि आपनमाटी आपन पार्टी का गठन अपनी मिट्टी और क्षेत्र के विकास के उद्देश्य से किया गया है। पार्टी चंपारण के विकास के लिए लगातार आवाज उठाती रहेगी। पार्टी के वरिष्ठ नेता मुन्ना झा ने कहा कि चंपारण में व्याप्त भ्रष्टाचार की शिकायतें सामने आती रही हैं। भ्रष्टाचार के खिलाफ पार्टी मजबूती से संघर्ष करेगी और लोगों के अधिकारों की लड़ाई लड़ेगी। पूर्व सरपंच एवं वरिष्ठ नेता हरिनारायण तिवारी ने कहा कि चंपारण औद्योगिक विकास प्राधिकरण के गठन से क्षेत्र में उद्योग और रोजगार को नई दिशा मिल सकती है। उन्होंने कहा कि पार्टी अध्यक्ष जितेन्द्र तिवारी के औद्योगिक विकास के सपने को साकार करने के लिए सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर काम करेंगे। बैठक में महमद कौसर अली, महफूज अरमान खान, चन्द्रदीप पासवान, अरबाज खान, हिमेन्द्र तिवारी, विक्रांत सिंह राठौर, विकास सिंह समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकताओं ने जय-जय चंपारण के नारों से कार्यक्रम स्थल को गुंजायमान कर दिया।

अंतिम सोमवारी पर भक्तिमय हुआ वाल्मीकिनगर हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजा क्षेत्र

बगहा। सावन की अंतिम सोमवारी के मौके पर वाल्मीकिनगर पूरी तरह शिवमय नजर आया। सुबह से ही क्षेत्र के विभिन्न पूजा स्थलों और त्रिवेणी संगम घाट पर शिवभक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। हर-हर महादेव और जय शिव के जयघोष से पूरा वाल्मीकिनगर गूंज उठा। गोल चौक, हाई स्कूल ग्राउंड, गंडक बराज पार्क के समीप, मरीन ड्राइव, क्लब ग्राउंड, काली मंदिर, 1910 ईस्वी चौक समेत कवलेश्वर घाट स्थित त्रिवेणी संगम पर श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिली। दूर-दराज से पहुंचे श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर भगवान शिव के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। बतादें, नारायणी, तमसा और सोनभद्र (सोनहा) नदियों के त्रिवेणी संगम में श्रद्धालुओं ने स्नान किया और संगम से जल बोझी कर शिवालयों में जलाभिषेक के लिए रवाना हुए। बड़ी संख्या में कांवरिया रामनगर और उत्तर प्रदेश के महाराजगंज जिले स्थित प्रसिद्ध इटहिया शिव मंदिर में जलाभिषेक करने के लिए रवाना हुए। वहीं त्रिवेणी संगम तट पर स्थित कवलेश्वर और जटाशंकर मंदिर में भी श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की और भगवान शिव का जलाभिषेक किया। मंदिर परिसर में सुबह से ही भक्तों की आवाजाही बनी रही। इधर, वाल्मीकिनगर के गोल चौक परिसर में शिवभक्तों की सुविधा को लेकर पूजा सामग्री और कांवर की कई दुकानें सजी रहीं। जलपात्र, कांवर, वस्त्र, पूजा सामग्री समेत अन्य सामानों की खरीदारी के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। अंतिम सोमवारी को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्सव और भक्ति का माहौल बना रहा। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए प्रमुख मार्गों और पूजा स्थलों पर पुलिस प्रशासन के जवान तैनात रहे।

रक्सौल में कल्याण ज्वेलर्स की दूसरी वर्षगांठ पर भव्य आयोजन, विधायक राजेश गुप्ता ने किया दीप प्रज्वलित

प्रात: किरण संवाददाता

रक्सौल। भारत-नेपाल सीमा के प्रमुख शहर रक्सौल में ग्राहकों के बीच भरोसे और बेहतर सेवा की पहचान बना चुके कल्याण ज्वेलर्स की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह में सुगौली विधायक राजेश कुमार गुप्ता उर्फ बब्लू गुप्ता की गरिमामयी मौजूदगी रही। विधायक की मौजूदगी में दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विधायक राजेश कुमार गुप्ता उर्फ बब्लू गुप्ता ने कल्याण ज्वेलर्स की दूसरी वर्षगांठ पर संस्थान के प्रबंधन और कर्मियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यवसायिक संस्थान की सफलता के पीछे ग्राहकों का विश्वास, बेहतर सेवा और ईमानदार प्रयास महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि कल्याण ज्वेलर्स आने वाले समय में भी ग्राहकों की उम्मीदों पर खरा उतरते हुए अपनी पहचान को और मजबूत करेगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्थान के प्रबंधक अरविंद सर्राफ ने कहा कि ग्राहकों को बेहतर सेवा, गुणवत्तापूर्ण उत्पाद और भरोसेमंद खरीदारी का अनुभव उपलब्ध कराना संस्थान की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में ग्राहकों से मिले प्यार और विश्वास ने कल्याण ज्वेलर्स को लगातार आगे बढ़ने की प्रेरणा दी है। ग्राहकों का विश्वास ही संस्थान की सबसे बड़ी पूंजी है। वर्षगांठ समारोह के दौरान पत्रकारों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी सम्मानित किया गया। संस्थान की ओर से उन्हें सम्मानित कर क्षेत्र में उनके योगदान और सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में संस्थान से जुड़े कर्मियों, गणमान्य लोगों और स्थानीय नागरिकों ने हिस्सा लिया। मौजूद अतिथियों ने कल्याण ज्वेलर्स के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए दूसरी वर्षगांठ की बधाई दी। दीप प्रज्वलन से शुरू हुआ यह समारोह ग्राहकों के विश्वास, सामाजिक जुड़ाव और संस्थान की दो वर्षों की उपलब्धियों को समर्पित नजर आया।

नेपाल की पहली ट्रांसजेंडर सांसद बनीं भूमिका श्रेष्ठ

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। नेपाल के राजनीतिक इतिहास में भूमिका श्रेष्ठ ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी (रास्वपा) की ओर से समानुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के तहत प्रतिनिधि सभा की सदस्य बनने के साथ ही वे नेपाल की पहली ट्रांसजेंडर सांसद बनी हैं। उनकी राजनीतिक उपलब्धि को देश में यौनिक एवं लैंगिक अल्पसंख्यक समुदाय के प्रतिनिधित्व की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। बतादें, भूमिका श्रेष्ठ लंबे समय से यौनिक एवं लैंगिक अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकारों के लिए सक्रिय रही हैं। भूमिका श्रेष्ठ ने आदिवासी-जनजाति, मधेसी, मुस्लिम, दिव्यांग तथा यौनिक एवं लैंगिक अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़े मुद्दों को संसद में प्रभावी ढंग से उठाने की प्रतिबद्धता जताई है। बतातें चले की नेपाल की राजनीति में इससे पहले सुनील बाबू पंत भी महत्वपूर्ण नाम रहे हैं। वर्ष 2008 में संविधान सभा के सदस्य बने पंत नेपाल के पहले खुले तौर पर समलैंगिक सांसद थे। हालांकि, भूमिका श्रेष्ठ की उपलब्धि अलग है, क्योंकि उन्हें नेपाल की पहली ट्रांसजेंडर सांसद के रूप में पहचान मिली है।

विषमताओं के बीच दोन क्षेत्र में ग्रामीणों ने संजोकर रखी परंपरागत संस्कृति

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। विषम भौगोलिक परिस्थितियों और मूलभूत सुविधाओं की कमी के बीच दोन क्षेत्र के ग्रामीण आज भी अपनी परंपरागत संस्कृति और रीति-रिवाजों को पूरी श्रद्धा के साथ संजोए हुए हैं। आधुनिकता के दौर में जहां पारंपरिक लोक संस्कृति धीरे-धीरे विलुप्त होती जा रही है, वहीं दोन क्षेत्र के ग्रामीण अपनी पुरानी परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में जुटे हैं। क्षेत्र के विभिन्न गांवों में पर्व-त्योहार और विशेष अवसरों पर ग्रामीण पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ डांडिया खेल, लोक नृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं। इसमें महिला, पुरुष और युवा बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। ढोल-मांदर और पारंपरिक गीतों की धुन पर ग्रामीणों का सामूहिक नृत्य क्षेत्र की समृद्ध लोक संस्कृति की झलक प्रस्तुत करता है। ग्रामीणों का कहना है कि दोन क्षेत्र में आज भी कई ऐसी परंपराएं जीवित हैं, जिन्हें उनके पूर्वजों ने पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाया है। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों, आवागमन की समस्या और कई मूलभूत सुविधाओं के अभाव के बावजूद ग्रामीणों ने अपनी संस्कृति को कमजोर नहीं पड़ने दिया है। परंपरागत खेल और नृत्य केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि उनकी पहचान और सामाजिक एकजुटता का हिस्सा हैं। ऐसे आयोजनों में बुजुर्ग नई पीढ़ी को रीति-रिवाजों और लोक परंपराओं की जानकारी देते हैं, जिससे क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत आगे भी सुरक्षित रह सके।

नंबर प्लेट बदलकर बाइक चलाने वाले दो युवक गिरफ्तार, भेजे गए जेल

प्रात: किरण संवाददाता

बंजरिया। बंजरिया थाना पुलिस ने वाहन जांच के दौरान नंबर प्लेट बदलकर मोटरसाइकिल चलाने के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। कार्रवाई थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह के नेतृत्व में की गई। जानकारी के अनुसार, पुलिस टीम थाना क्षेत्र में नियमित वाहन जांच कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने एक मोटरसाइकिल को रोककर चालक से वाहन के आवश्यक कागजात की मांग की। कागजातों की जांच के दौरान मोटरसाइकिल पर लगे नंबर प्लेट को लेकर पुलिस को संदेह हुआ। जांच में पाया गया कि बाइक पर उसके वास्तविक पंजीकरण नंबर के स्थान पर दूसरा नंबर प्लेट लगाया गया था। पुलिस ने मोटरसाइकिल को जब्त करते हुए चालक सहित बाइक पर सवार दूसरे युवक को भी हिरासत में लिया। दोनों से पुलिस ने पूछताछ की तथा वाहन के संबंध में आवश्यक जानकारी जुटाई। प्रारंभिक जांच में नंबर प्लेट बदलकर वाहन चलाने की बात सामने आने के बाद पुलिस ने दोनों युवकों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की। थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने बताया कि वाहन जांच अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने वाहन चालकों से अपने वाहनों के वैध कागजात एवं सही नंबर प्लेट के साथ ही सड़क पर निकलने की अपील की है। कार्रवाई के बाद दोनों युवकों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

चोरी की 28 बाइक बरामद, कार्रवाई में शामिल आठ पुलिसकर्मियों को मिलेगा पुरस्कार

मोतिहारी। संगठित वाहन चोर गिरोह के खिलाफ चिरैया और शिकारगंज थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस टीम ने अभियान चलाकर चोरी की 28 मोटरसाइकिलें बरामद करने के साथ ही 12 बदमाशों को गिरफ्तार किया था। इस कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले आठ पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को अब एक-एक सुसेवांक (वेतनवृद्धि) से पुरस्कृत किया जाएगा। इस संबंध में अपर पुलिस महानिदेशक (विधि-व्यवस्था), बिहार, पटना की ओर से पुलिस अधीक्षक, पूर्वी चंपारण को पत्र भेजा गया है। पत्र में चिरैया थाना कांड संख्या 428/26 एवं शिकारगंज थाना कांड संख्या 150/26 में पुलिस टीम द्वारा की गई त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई का उल्लेख किया गया है। वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने तथा संगठित वाहन चोर गिरोह का पदार्फाश करने के लिए पुलिस द्वारा चलाए गए अभियान की उच्चाधिकारियों ने सराहना की है। पुलिस की कार्रवाई के दौरान अलग-अलग स्थानों से चोरी की मोटरसाइकिलों की बरामदगी की गई थी। जांच और पूछताछ के आधार पर वाहन चोरी से जुड़े गिरोह के सदस्यों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई के बाद पुलिस ने बरामद वाहनों के संबंध में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की तथा गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की गतिविधियों की भी जानकारी जुटाई। आठ पुलिसकर्मियों के कार्य की सराहना इस अभियान में चिरैया के पर्यवेक्षी पदाधिकारी मो. सलाउद्दीन, थानाध्यक्ष अम्बेश कुमार, शिकारगंज थानाध्यक्ष गोपाल कुमार, चिरैया के अपर थानाध्यक्ष मधुकर कुमार, जिला आसूचना इकाई के नीतीश कुमार, चिरैया के सअनि धर्मेंद्र कुमार तथा शिकारगंज के सअनि नरेश कुमार राय की भूमिका रही। एडीजी विधि-व्यवस्था ने इन पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों के कार्य की सराहना करते हुए कहा है कि इस तरह की त्वरित और प्रभावी कार्रवाई से अपराध नियंत्रण में पुलिस की कार्यक्षमता सामने आती है। पुलिसकर्मियों का मनोबल बढ़ाने के उद्देश्य से सभी को एक-एक सुसेवांक से पुरस्कृत करने की अनुशंसा की गई है। पुरस्कार देने की कार्रवाई का निर्देश एडीजी की ओर से भेजे गए पत्र में पुलिस अधीक्षक, पूर्वी चंपारण को संबंधित पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को पुरस्कार देने की कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। विभागीय स्तर पर इस कार्रवाई के बाद पुलिसकर्मियों को वेतनवृद्धि का लाभ मिलेगा। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, वाहन चोरी के मामलों में गिरोह का पता लगाने और चोरी की गई मोटरसाइकिलों की बरामदगी के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। चिरैया और शिकारगंज पुलिस की इस कार्रवाई को इसी अभियान की महत्वपूर्ण सफलता के रूप में देखा जा रहा है। बड़ी संख्या में चोरी की बाइक बरामद होने और 12 आरोपियों की गिरफ्तारी से वाहन चोरी करने वाले गिरोह पर पुलिस का दबाव बढ़ा है। वहीं, कार्रवाई में शामिल पुलिसकर्मियों को सुसेवांक से पुरस्कृत किए जाने की अनुशंसा से पुलिस महकमे में भी उत्साह का माहौल है। अधिकारियों का मानना है कि इस तरह के प्रोत्साहन से पुलिसकर्मियों का मनोबल बढ़ेगा और वे अपराध नियंत्रण तथा अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई में और अधिक सक्रियता से काम करेंगे।

नौरंगिया में छापेमारी, 25 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। नौरंगिया थाना पुलिस ने शराब कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र के मधनपुर-मुमरही टोला के समीप छापेमारी कर करीब 25 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद की। पुलिस की कार्रवाई की भनक लगते ही मौके पर मौजूद शराब कारोबारी फरार हो गए। मामले में पुलिस ने बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। नौरंगिया थानाध्यक्ष राज रौशन ने बताया कि 22 अगस्त की शाम पुलिस को शराब कारोबारियों द्वारा अवैध रूप से देसी शराब का कारोबार किए जाने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम और एएलटीएफ टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए बताए गए स्थान पर छापेमारी की। पुलिस के पहुंचने पर कुछ लोग वहां से भाग निकले। तलाशी के दौरान झाड़ियों और अन्य स्थानों से अलग-अलग बर्तनों व गैलन में रखी करीब 25 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद की गई। पुलिस ने बरामद शराब को जब्त कर लिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि शराब कारोबारियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। मामले में कांड संख्या 81/26 दर्ज कर बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस की विशेष छापेमारी में 3 वांरटी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

हरसिद्धि।थाना अंतर्गत चलायी गई विशेष छापेमारी के दौरान पुलिस ने तीन वांरटियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि कार्रवाई में गिरफ्तार किए गए वारंटीयों की पहचान मटियरिया के कस्बा टोला निवासी स्वर्गीय प्रसिद्ध राम का पुत्र मिट्ठू राम, मटियरिया वार्ड नंबर 4 निवासी अतिबल यादव के पुत्र रामायण यादव तथा हरसिद्धि पकड़िया वार्ड नंबर 8 निवासी कुर्बान मियां के पुत्र इसरायल मियां के के रूप में हुई है जिनके ऊपर न्यायालय के द्वारा वारंट जारी की गई थी। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार वांरटीयों के संबंध में आवश्यक जानकारियां एकत्रित करने के बाद उन्हें न्यायालय में प्रस्तुत कर दिया गया है।

मौत को निमंत्रण देता चकदहवा मुख्य मार्ग

बगहा। इंडो-नेपाल सीमा क्षेत्र में चकदहवा का मुख्य मार्ग इन दिनों ग्रामीणों के लिए परेशानी और खतरे का सबब बना हुआ है। बारिश के मौसम में गंडक नदी के साथ बरसाती रहुआ और धनहिया नाले का पानी इस मुख्य मार्ग पर वेग के साथ बहता है। स्थिति यह है कि ग्रामीणों को कई स्थानों पर कमर से सीने तक पानी में हेलकर आवागमन करना पड़ रहा है। पानी का बहाव तेज होने की स्थिति में यह रास्ता जान जोखिम में डालकर पार करना पड़ता है। बतादें, चकदहवा मुख्य मार्ग इंडो-नेपाल सीमा के चकदहवा, कांही, बिन और झंडू टोला समेत आसपास के कई गांवों को जोड़ने वाला प्रमुख रास्ता है। इसी क्षेत्र में सीमा सुरक्षा में तैनात एसएसबी के दो-दो पोस्ट भी हैं। सीमा की निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था में लगे एसएसबी जवानों को भी कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। बतादें, इसी मार्ग पर पहले एक व्यक्ति की मौत भी हो चुकी है। इसके बावजूद सुरक्षित आवागमन के लिए स्थायी समाधान नहीं होने से हर साल बरसात में ग्रामीणों के सामने वही संकट खड़ा हो जाता है। मार्ग पर पानी जमा होने से स्कूल जाने वाले बच्चों को भी काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है। सबसे गंभीर स्थिति मेडिकल इमरजेंसी के समय पैदा होती है। अचानक किसी ग्रामीण की तबीयत बिगड़ने या गर्भवती महिला, बुजुर्ग अथवा गंभीर मरीज को अस्पताल ले जाने की जरूरत पड़ने पर जलमग्न मार्ग बड़ी बाधा बन जाता है। चकदहवा क्षेत्र में एसएसबी के दो पोस्ट होने के कारण यह मार्ग सुरक्षा की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रात:किरण
पटना, सोमवार, 24 अगस्त, 2026

सचेतक बनाए जाने पर विधायक विनय चौधरी का आभार सह सम्मान समारोह

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। बेनीपुर विधायक प्रो. विनय कुमार चौधरी को बिहार विधानसभा में सत्तारूढ़ जनतांत्रिक गठबंधन का सचेतक बनाए जाने पर जिला जदयू शिक्षा प्रकोष्ठ की ओर से कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के शिक्षा शास्त्र बहुउद्देशीय भवन में आभार सह सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जदयू शिक्षा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष डॉ. अवन कुमार राय ने की। इस अवसर पर प्रदेश महासचिव डॉ. रोशन कुमार झा एवं प्रदेश उपाध्यक्ष शशि कुमार सहित अन्य नेताओं ने विधायक को माला, पाग एवं चादर से सम्मानित किया। साथ ही मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति आभार व्यक्त किया गया। सम्मान से

अभिभूत विधायक प्रो. विनय कुमार चौधरी ने कहा कि पार्टी ने जिस भरोसे के साथ उन्हें विधायक एवं सचेतक का दायित्व सौंपा है, उसके निर्वहन के लिए वे हरसंभव प्रयास करेंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी तथा जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा एवं ललन सिंह के प्रति आभार जताया। उन्होंने बिहार सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि महिलाओं को शिक्षा, रोजगार एवं सरकारी सेवा में बराबरी का अवसर देकर सशक्तीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण परिवर्तन किया गया है। विधायक ने नीतीश कुमार को ह्ययुग पुरुषह्ल बताते हुए कहा कि उन्होंने बिहार को पिछड़ेपन से निकालकर विकास की राह पर आगे बढ़ाया। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि चिकित्सकों को रेफर करने पर समुचित कारण दर्ज करने का निर्देश दिया गया है, जिससे कार्यों में लापरवाही पर अंकुश लगेगा। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि बिहार को विकसित राज्यों की अग्रिम पंक्ति में लाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। मौके पर शंभूनाथ झा, संतोष पासवान, रामशंकर सिंह, सुनील भारती, मोहम्मद आसिफ, किरण पासवान, डॉ. विनय चौधरी, रामशंकर मंडल, रिजवान अहमद, मंजूर आलम, बीरबल राय, सिकंदर राय, संतोष साह एवं चौधरी मुकुंद राय सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

भक्ति, आस्था और उल्लास के बीच मनाया गया साईं झूलेलाल महोत्सव

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। पूज्य सिंधी पंचायत, दरभंगा के तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय साईं झूलेलाल महोत्सव के अंतिम तीन दिनों के विशेष उत्सव के तहत रविवार को कटहलबाड़ी स्थित साईं श्री झूलेलाल मंदिर में धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। बड़ी संख्या में सिंधी समाज के श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। महोत्सव के तीसरे दिन पुरोहित द्वारा अखंड ज्योति प्रज्वलित कर कलश स्थापना एवं गुरु ग्रंथ साहिब की पूजा की गई। भगवान झूलेलाल की प्रतिमा का आकर्षक श्रृंगार किया गया। मंदिर परिसर को फूलों एवं रंग-बिरंगी विद्युत सज्जा से सजाया गया था। विशेष पूजा, अरदास एवं आरती के बाद भजन-कीर्तन हुआ। महिलाओं ने डांडिया नृत्य प्रस्तुत किया, जबकि श्रद्धालु भजनों पर झूमते नजर आए। शाम सात बजे सांस्कृतिक

कार्यक्रम में बच्चों एवं महिलाओं ने धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम का संयोजन सोनम अठवाणी, गायत्री कृपलानी, अक्षरा एलानी एवं कामना घाबरा ने किया। त्विशा बाधवानी ने विभाजन के दौरान सिंधी समाज के विस्थापन और भारत में संघर्ष व सफलता की भावनाओं को गीत के माध्यम से प्रस्तुत किया। सानवी रैतानी, तारा, कार्तिक कुमार, ख्याति लखमानी, कृष्णवी अटारे एवं ऋषिका जुमनानी ने भी मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। करीब 30 बाल कलाकारों ने भाग लिया, जिन्हें पुरस्कृत किया गया। पूज्य सिंधी पंचायत के मुखिया जगत लाल जुमनानी ने बताया कि साईं झूलेलाल महोत्सव को चालिया साहिब उत्सव भी कहा जाता है। यह भगवान झूलेलाल की आराधना का प्रमुख पर्व है, जो 40 दिनों तक मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि यह पर्व धार्मिक आस्था के साथ समाज में एकता, भाईचारे एवं सामाजिक समरसता को मजबूत करता है। कार्यक्रम के अंत में भंडारा एवं प्रसाद वितरण किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

दलसिंहसराय के खिलाड़ियों ने स्टेट कराटे में जीते 7 पदक

पटना के खेल भवन में ऑल बिहार गोजू रियू कराटे डो एसोसिएशन द्वारा आयोजित स्टेट कराटे चैंपियनशिप 2026 में दलसिंहसराय के खिलाड़ियों ने ऐतिहासिक प्रदर्शन किया है। इंस्टीट्यूट ऑफ डायनामिक मार्शल आर्ट्स के 7 खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए कुल 5 स्वर्ण, 1 रजत और 1 कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। संस्थान के खिलाड़ियों में स्तुति खुशी, आरना कुमारी, यास्मीन खातून, आर्यन कुमार और कुंदन कुमार ने स्वर्ण पदक जीता। वहीं स्वाती कुमारी ने रजत और शुभ रक्षित ने कांस्य पदक अपने नाम किया। खिलाड़ियों की इस बड़ी सफलता पर बेस्ट कराटे कोच अवार्ड से सम्मानित उनके प्रशिक्षक नीतीश कुमार ने बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता बच्चों की कड़ी मेहनत, कड़े अनुशासन और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। इस उपलब्धि से पूरे जिले के खेल प्रेमियों में हर्ष का माहौल है।

पाण्डेयपुर में एक ही परिवार के दो घरों में चोरी

सीवान/दारौंदा थाना क्षेत्र के पाण्डेयपुर गांव में चोरों ने एक ही परिवार के दो घरों को निशाना बनाकर सोने-चांदी के आभूषण, करीब दो लाख रुपये नकद, शैक्षणिक प्रमाणपत्र व जमीन के कागजात समेत अन्य सामान चोरी कर लिया। घटना आठ अगस्त की रात करीब एक बजे की बताई गई है। पाण्डेयपुर निवासी सुराज कुमार ने थाने में दिए आवेदन में बताया कि रात में परिवार के सभी सदस्य अपने-अपने घर में सो रहे थे। इसी दौरान उनकी भाभी किया देवी ने घर का दरवाजा खोलना चाहा तो बाहर से कुंडी लगी मिली। सूचना पर परिवार के सदस्यों ने खिड़की के रास्ते घर में प्रवेश किया। जांच के दौरान कई कमरों की कुंडी बाहर से बंद मिली। सुराज कुमार के अनुसार, उनके भाई बब्लू पटेल के कमरे से दो तथा उनके कमरे से एक लोहे का बक्सा गायब था। बक्सों में करीब चार थान सोने के आभूषण, तीन थान चांदी के गहने, कपड़े, करीब दो लाख रुपये नकद, शैक्षणिक प्रमाणपत्र तथा पैतृक और खरीदी गई जमीन के कागजात रखे थे। पीड़ित ने बताया कि चोर घर के आगे रखी बांस की सीढ़ी को पीछे दक्षिण दिशा में लगाकर छत के रास्ते घर में दाखिल हुए और उसी रास्ते से बाहर निकल गए। मामले में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इंस्टाग्राम पर पंचायत समिति सदस्य भीम सिंह को जान से मारने की धमकी

सीवान/दरौंदा। थाना क्षेत्र के बगौरा गांव निवासी पंचायत समिति सदस्य अमित कुमार सिंह उर्फ भीम सिंह को इंस्टाग्राम पर जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पीड़ित ने दरौंदा थाने में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। आवेदन के अनुसार, 14 अगस्त की शाम करीब छह बजे उनके इंस्टाग्राम अकाउंट पर शालू 7867 नामक आईडी से धमकी भरा संदेश भेजा गया। संदेश में उन्हें जान से मारने तथा ऐसा नहीं करने पर परिवार को भी नुकसान पहुंचाने की धमकी दी गई। पीड़ित ने संदेश भेजने वाले की पहचान सलाउद्दीन के रूप में करते हुए पुलिस को जानकारी उपलब्ध कराई है। मामले में दरौंदा थाने में प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जिम्मेदारी एसआई मोहन कुमार को सौंपी गई है। पुलिस धमकी में प्रयुक्त इंस्टाग्राम आईडी और भेजे गए संदेश की जांच कर रही है।

18 लीटर शराब के साथ एक धंधेबाज को गिरफ्तार कर भेजा जेल

दरौली। सिवान थाना क्षेत्र के नोनियाटोला से पुलिस ने 18 लीटर शराब के साथ एक शराब धँधेबाज को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष अभिनव कुमार दूबे ने बताया कि गुप्त सूचना मिला था कि नोनियटोला में मोरवी फार्म में शराब की खेप पहुंची हैं। जिसपर आनन फानन में नोनियटोला गांव पहुंच मुर्गी फार्म की तलासी के दौरान 18 लीटर देशी शराब के साथ अलीहुसैन मंसूरी को गिरफ्तार किया गया। जिसे जेल भेज दिया गया।

2 सितंबर को पटना में होगा मजदूरों का विशाल प्रदर्शन, धरहरा में रसोइया मजदूरों ने की बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

धरहरा (मुंगेर)।धरहरा, आगामी 2 सितंबर को पटना में होने वाले मजदूरों के विशाल प्रदर्शन की तैयारी को लेकर रविवार को प्रखंड के औड़ाबगीचा मध्य विद्यालय में रसोइया मजदूरों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एआईयूटीयूसी के प्रखंड प्रभारी कामेश्वर रंजन ने की। बैठक में विद्यालय रसोइया सहित अन्य असंगठित मजदूरों की समस्याओं और मांगों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक को संबोधित करते हुए कामेश्वर रंजन ने कहा कि महंगाई के इस दौर में मजदूरों को सम्मानजनक मजदूरी और बुनियादी सुविधाएं मिलना जरूरी है। उन्होंने कहा कि छंटनी, निजीकरण, ठेकाकरण और आउटसोर्सिंग के विरोध तथा सभी मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी देने समेत अन्य मांगों को लेकर 2 सितंबर को पटना में राज्यस्तरीय प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने प्रखंड के सभी विद्यालयों के रसोइया मजदूरों को संगठित होकर संगठन से जुड़ने की अपील की। इस बैठक में एआईयूटीयूसी के जिला प्रभारी रविन्द्र मंडल भी मौजूद रहे। बैठक में मध्य विद्यालय औड़ाबगीचा, बनवर्षा, गोपालीचक, सबेमा, महनपुर, सराधी, लकड़कोला, , गौरेया, खर्राट और लड़ैयाटांड़ सहित दर्जनों विद्यालयों की रसोइया मजदूर शामिल हुईं। सभी ने एक स्वर में 2 सितंबर के पटना प्रदर्शन में भाग लेने का संकल्प लिया। मौके पर कैली देवी, मुन्नी देवी, सुनैना देवी, समरी देवी, लीला देवी, सुनीता देवी सहित बड़ी संख्या में रसोइया मजदूर उपस्थित थीं।

मानगढ़ में आधी रात को सनसनी ढाई लाख लेकर भागा चोर

प्रात : किरण संवाददाता

धरहरा (मुंगेर)। धरहरा थाना क्षेत्र के मानगढ़ कस्बा में शनिवार की देर रात चोरी की बड़ी वारदात से हड़कंप मच गया। चोरों ने पप्पू वर्मा के सूने घर को निशाना बनाते हुए करीब ढाई लाख रुपये के जेवरात और नकदी पर हाथ साफ कर दिया।पीड़ित के अनुसार, चोरी गए सामान में लगभग 2 लाख रुपये के सोने के आभूषण और 50 हजार रुपये नकद शामिल हैं। पटना से लौटते ही घर में आहट, बताया जाता है कि घटना वाले दिन पप्पू वर्मा अपनी बच्ची का इलाज कराने के लिए पूरे परिवार के साथ पटना गए हुए थे। देर रात घर लौटकर वे बिछावन पर लेटे ही थे कि पत्नी को घर के भीतर किसी के घुसने की आहट सुनाई दी। पत्नी ने शोर मचाया तो गृहस्वामी की नींद खुली। घर में चोर को देख गृहस्वामी ने हिम्मत दिखाते हुए उसका पीछा किया, लेकिन चालाक चोर पहले से तैयार था। वह घर की छत के रास्ते कूदते-फांदते दूसरे घरों की छतों पर होते हुए अंधेरे में फरार हो गया। गांव का ही है चोर - पीड़ित का दावा, इस मामले में सबसे रोचक मोड़ तब आया जब पीड़ित ने दावा किया कि भागते हुए उसने चोर को पहचान लिया है। पीड़ित के अनुसार आरोपित उसी गांव का रहने वाला है।पीड़ित जब इसकी शिकायत लेकर आरोपित के घर पहुंचा तो उल्टा उसके साथ ही मारपीट और गाली-गलौज की कोशिश की गई।इसके बाद पीड़ित ने हिम्मत न हारते हुए 112 नंबर पर डायल कर पुलिस को सूचना दी। इस संबंध में थानाध्यक्ष सोनू कुमार ने बताया कि अभी तक थाने में लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन मिलते ही मामले की जांच कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी फिलहाल इस घटना के बाद मानगढ़ गांव में दहशत का माहौल है।

कृषि क्षेत्र में इनोवेशन के साथ श्रीराम फार्म सोल्यूशन्स ने नए उत्पाद किए पेश

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया। डीसीएम श्रीराम लिमिटेड के प्रभाग श्रीराम फार्म सोल्यूशन्स ने पटना, बिहार में नए दौर के फसल सुरक्षा, हाइब्रिड सीड और वैजीटेबल सीड प्रोडक्ट्स लॉन्च किए। कार्यक्रम में क्षेत्र के प्रमुख चैनल पार्टनर शामिल हुए। कंपनी ने श्रीराम सेनकुशा, श्रीराम एडेलॉन, श्रीराम 9662 और करेले का हाइब्रिड बीज श्रीराम साम्भा लॉन्च किया। श्रीराम सेनकुशा एक जापानी इनोवेशन है, जो उच्च-मूल्य वाली कृषि एवं बागवानी फसलों को लेपिडोप्टेरन कीटों एवं थ्रिप्स से सुरक्षा प्रदान करता है। श्रीराम एडेलॉन मक्का की फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए तैयार किया गया है। श्रीराम 9662 जल्दी बुवाई के समय शानदार परिणाम देता है और श्रीराम साम्भा में वायरल बीमारियों व डाउनी मिल्ड्यू के लिए बेहतर सहनशीलता है। श्रीराम फार्म सोल्यूशन्स के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर और बिजनेस हेड संजय छाबड़ा ने कहा, हम आधुनिक बीजों, फसल सुरक्षा और पोषण समाधानों को सीधे किसानों की पहुंच में लेकर आए हैं, इससे वे न सिर्फ.बेहतर फसलें उगा सकेंगे बल्कि अपने भविष्य को भी सशक्त बना सकेंगे।

किसानों तक आधुनिक कृषि समाधान पहुंचाने की श्रीराम फार्म सोल्यूशन्स की पहल

मधेपुरा। डीसीएम श्रीराम लिमिटेड के प्रभाग श्रीराम फार्म सोल्यूशन्स ने पटना, बिहार में नए दौर के फसल सुरक्षा, हाइब्रिड सीड और वैजीटेबल सीड प्रोडक्ट्स लॉन्च किए। कार्यक्रम में क्षेत्र के प्रमुख चैनल पार्टनर शामिल हुए। कंपनी ने श्रीराम सेनकुशा, श्रीराम एडेलॉन, श्रीराम 9662 और करेले का हाइब्रिड बीज श्रीराम साम्भा लॉन्च किया। श्रीराम सेनकुशा और श्रीराम एडेलॉन फसल सुरक्षा पोर्टफोलियो का हिस्सा हैं। श्रीराम 9662 रबी मक्का का हाइब्रिड है, जो जल्दी बुवाई के समय शानदार परिणाम देता है। श्रीराम साम्भा करेले का हाइब्रिड बीज है, जिसमें वायरल बीमारियों व डाउनी मिल्ड्यू के लिए बेहतर सहनशीलता है। ये उत्पाद उभरती विश्वस्तरीय तकनीकों को भारतीय किसानों तक पहुंचाने की श्रीराम की प्रतिबद्धता को दशार्ते हैं। श्रीराम फार्म सोल्यूशन्स के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर और बिजनेस हेड संजय छाबड़ा ने कहा, इन नए प्रोडक्ट्स का लॉन्च कृषि को नया आयाम देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

दरौली में सरयू नदी खतरे के निशान से 42 सेमी बह रही ऊपर

प्रात : किरण संवाददाता

दरौली, सिवानः नेपाल व सरयू नदी के तटवर्तीय यूपी में हुई बारिश से दरौली में लगातार पांच दिन से खतरे के निशान स ऊपर बह रही है। दरौली में सरयू नदी का खतरे का निशान 60 मीटर 82 सेंटीमीटर है। जो रविवार को 42 सेमी ऊपर बढ़ कर 61 मीटर 24 सेमी तक पहुंच गई है। केंद्रीय जल सूचना आयोग के अनुसार एल्गिन ब्रिज से मिली फॉर कास्ट के अनुसार अगले एक दिन मेंं जलस्तर स्थिर हो जाएगा। इस तरह जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी होने से नदी के निचले इलाकों में हड़कंप मच गया है। साथ हीं तटीय इलाकों के गांव में भी बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। बाढ़ विभाग के जेई प्रिंस कुमार ने बताया की बाढ़ निरोधी सभी तैयारी पूरी है। दरौली में बीस हजार जियो बैग बालू भर कर रखा गया है। अभी जलस्तर बढ़ने से किसी भी जगह कटान नहीं है। नदी की चौड़ाई अधिक होने से बंधे पर पानी का दबाव नहीं है। तटबन्धों की निगरानी रखी जा रही है।

पुलिसिंग को प्रभावी बनाने के लिए एसपी ने थानाध्यक्षों के साथ की बैठक

सीवानः जिले में पुलिस की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी एवं जवाबदेह बनाने को लेकर पुलिस अधीक्षक भारत सोनी ने रविवार को सभी थानाध्यक्षों के साथ बैठक की। बैठक में अपराध नियंत्रण, लंबित कांडों के निष्पादन, फरार आरोपितों की गिरफ्तारी और आम लोगों की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई सहित विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा की गई। एसपी ने थानाध्यक्षों को थाना क्षेत्रों में नियमित गश्ती बढ़ाने, असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखने और अपराध की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस का उद्देश्य आम लोगों में सुरक्षा की भावना मजबूत करना और अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करना है। बैठक में लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए कांडों के त्वरित निष्पादन, वारंट एवं कुर्की-जब्ती की कार्रवाई में तेजी लाने तथा फरार आरोपितों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने को कहा गया। साथ ही थाना स्तर पर आने वाली शिकायतों की गंभीरता से सुनवाई कर समय पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।

विद्युत स्पर्शाघात से युवक की मौत

थाना क्षेत्र के पतैलिया वार्ड 9 में विद्युत स्पशार्घात से एक युवक की मौत हो गई। मृतक गांव के ही उमेश पासवान का 34 वर्षीय पुत्र ओम नारायण बताया गया है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि वह खेत से काम करके घर खाना-खाने आया था। घर के निकट ही घरेलू बिजली का तार टूटा था। तार पर पैर परते ही वह करंट के चपेट में आ गया। जब तक लोग समझ पाते और लाईन काटने का प्रयास में जुटे ही तब तक उसकी मौत हो गई। ओम नारायण की मौत होते ही माता उषा देवी, पत्न ी पूनम कुमारी सहित परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हो रहा था। मृतक के दो छोटे-छोटे बच्चे हैं। एक पुत्री सुप्रिया कुमारी एवं एक पुत्र चिराग कुमार है। इसका भी रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी जा चुकी है।

बड़ी काली मंदिर में दुर्गा पूजा की तैयारी को लेकर बैठक

हवेली खड़गपुर(मुंगेर)। नगर के मुलुकटांड़ स्थित प्रसिद्ध बड़ी काली मंदिर परिसर में आगामी दुर्गा पूजा की तैयारियों को लेकर शनिवार देर रात पूजा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति अध्यक्ष कृष्ण देव यादव ने की। मंदिर के पुजारी निरंजन बाबा के मार्गदर्शन में पूजा आयोजन से जुड़ी विभिन्न तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में मंदिर परिसर की साफ-सफाई, रंगाई-पुताई, मरम्मत, आकर्षक सजावट, फूलों की व्यवस्था, माता की प्रतिमा निर्माण सहित श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। समिति सदस्यों ने कहा कि ग्रामीणों के सहयोग और आपसी भाईचारे के साथ इस वर्ष भी दुर्गा पूजा शांतिपूर्ण और भव्य तरीके से आयोजित की जाएगी। पूजा समिति से जुड़े नितेश मिश्रा बाबा ने बताया कि इस वर्ष माता का आगमन गज (हाथी) पर हो रहा है, जिसे धार्मिक मान्यताओं के अनुसार शुभ माना जाता है। इसे लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह है। नवरात्र के दौरान मंदिर परिसर में प्रत्येक संध्या भव्य महाआरती का आयोजन किया जाएगा। वार्ड पार्षद विक्की रॉय ने कहा कि महाआरती के दौरान श्रद्धालुओं की कतार, प्रसाद वितरण और भीड़ प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। कोषाध्यक्ष गिरीश नंदन सहाय ने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में इस बार बेहतर व्यवस्था के साथ पूजा आयोजन का प्रयास किया जा रहा है। सचिव पंकज राय ने बताया कि तैयारियों की समीक्षा के लिए प्रत्येक रविवार को मंदिर परिसर में बैठक होगी। बैठक में कार्यकताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां भी सौंपी गईं। विकास कुमार, रूपेश कुमार, शिवपूजन कुमार और कृष को सजावट व फूल व्यवस्था, राजा ठाकुर को निगरानी, श्रवण ठाकुर व चंदन मंडल को रंगाई-पुताई एवं मेढ़ मरम्मत तथा पप्पू पटेल व सिकन्दर तांती को प्रतिमा निर्माण की जिम्मेदारी दी गई। समिति सदस्यों ने ग्रामीणों से दुर्गा पूजा को शांति, सौहार्द और श्रद्धा के साथ सफल बनाने में सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि भव्य एवं शांतिपूर्ण आयोजन के लिए सभी का सामूहिक सहयोग जरूरी है।

बिहार सरकार
राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग

बिहारभूमि पोर्टल
जमीन से जुड़ी हर जानकारी, हर सेवा, एक ही पोर्टल पर
https://biharbhumi.bihar.gov.in/

क्या आपको अपनी जमीन के कैथी लिपि में लिखे गए दस्तावेजों का अनुवाद कराने में समस्या आ रही है?

तो घबराएं नहीं!

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा कैथी लिपि में लिखे गए पुराने दस्तावेजों का देवनागरी लिपि में सुलभ अनुवाद सुनिश्चित करने हेतु 29 कैथी लिपि परामर्शदाताओं को जिलावार सूचीबद्ध किया गया है।

आम नागरिक बिहारभूमि पोर्टल पर जाकर आसानी से कैथी लिपि विशेषज्ञों से उनके मोबाइल नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

सभी परामर्शदाताओं की जिलावार सूची देखने के लिए QR Code को स्कैन करें।

इसके लिए ₹220 रुपये प्रति पृष्ठ शुल्क निर्धारित की गई है।

इनमें से दो कैथी लिपि विशेषज्ञ मुख्यालय स्तर पर उपलब्ध हैं।

शिकायत एवं सुझाव के लिए जन शिकायत पोर्टल https://biharbhumi.bihar.gov.in पर जायें।

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, बिहार द्वारा जनहित में जारी।

स्पष्ट भू संपदा, सुशासन, समृद्धि से शांति सर्वदा

Follow Us #BiharRevenueAndLandReformsDept

PR No.- 010403 (Revenue)D. 2026-27

संक्षिप्त समाचार

मुंबई में बड़ा हादसा, 22 फीट ऊंची गणेश प्रतिमा गिरने से दो लोगों की मौत; पांच घायल

मुंबई, एजेंसी। दक्षिण मुंबई में गणेश की प्रतिमा गिरने से दो लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य लोग घायल हो गए। घायलों में दो बच्चे भी शामिल हैं। प्रतिमा पंडाल में स्थापित करने लिए लाई जा रही थी। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना शनिवार रात करीब 10 बजे भूलेश्वर में जय अंबे चौक के पास कबूतरखाना के पास बलराम मर्चेंट रोड पर हुई। म। हालांकि, गंभीर रूप से चोट लगने से दो लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद मुंबई फायर ब्रिगेड, मुंबई पुलिस, ट्रैफिक पुलिस, 108 एंबुलेंस सेवा और नगर निकाय के वार्ड कर्मचारियों को मौके पर भेजा गया। अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान संकेत नेवशे और बृजेश हेमंत जोशी के रूप में की गई है। पांच घायलों की पहचान वैभव घेनंद, पवन चौरसिया, लावण्या गनेर, दिव्या गनेर और कुणाल काशिद के रूप में की गई है। नगर निकाय के अधिकारियों ने बताया कि सभी घायलों की हालत स्थिर है। मुंबई सहित महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों में 10 दिनों तक चलने वाला गणेशोत्सव सबसे बड़े और सबसे धूमधाम से मनाए जाने वाले त्योहारों में से एक है। इस त्योहार के दौरान भगवान गणपति की प्रतिमाएं पंडालों और घरों में स्थापित की जाती हैं और उनकी पूजा की जाती है। एक दशक से भी अधिक समय से मुंबई में प्रतिमा लाने के लिए भव्य जुलूस आयोजित किए जाते रहे हैं।

डीपीई डिप्लोमा माध्यमिक शिक्षक नियुक्ति और पदोन्नति के लिए मान्य

जबलपुर, एजेंसी। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की युगलपीठ ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली से प्राप्त दो वर्षीय डीपीई (डिप्लोमा इन प्राइमरी एजुकेशन) को माध्यमिक शिक्षक पद पर नियुक्ति और प्राथमिक शिक्षक से माध्यमिक शिक्षक पद पर पदोन्नति के लिए मान्य योग्यता माना है। कोर्ट ने राज्य शासन की तीन रिट अपीलें खारिज करते हुए एकलपीठ के निर्णय को बरकरार रखा। इससे प्रदेशभर के डीपीई धारक अभ्यर्थियों और शिक्षकों के लिए नियुक्ति एवं पदोन्नति का मार्ग प्रशस्त हुआ है। अभ्यर्थियों की ओर से अधिवक्ता सत्येंद्र ज्योतिषी, अभिषेक मिश्रा, अनुज मिश्रा और अंकित तिवारी ने पैरवी की। विभाग ने उनकी नियुक्ति इस आधार पर निरस्त कर दी थी कि दो वर्षीय डीपीई डिप्लोमा मान्य नहीं है। अभ्यर्थियों की ओर से कोर्ट को बताया गया कि शासन ने 28 फरवरी 2013 के परिपत्र के माध्यम से इग्नू के डीपीई को डीएड, डीएलएड के समकक्ष मान्यता दी थी, जिसे बाद में वापस लेने या समाप्त करने का कोई आधार उपलब्ध नहीं है। कोर्ट ने माना कि इग्नू से प्राप्त दो वर्षीय डीपीई मान्यता प्राप्त व्यावसायिक डिप्लोमा है और निर्धारित योग्यता के लिए इसे समकक्ष माना जाना आवश्यक है।

वाणिज्यिक वाहन का ईंधन टैंक फटा, चार लोगों की मौके पर ही मौत

कच्छ, एजेंसी। गुजरात के कच्छ जिले में शनिवार को एक कबाड़ गोदाम में वाणिज्यिक वाहन का ईंधन टैंक फटने से एक परिवार के दो बच्चों सहित चार लोगों की मौत हो गई। यह घटना दोपहर में नखत्राणा क्षेत्र में हुई। पुलिस निरीक्षक एएम पटेल ने बताया कि नखत्राणा में एक छोटे वाणिज्यिक वाहन के डीजल टैंक में हुए धमाके में दो बच्चों समेत चार लोगों की मौत हो गई है। मोहम्मद इलियास, नूर मोहम्मद इलियास, हुसैन मोहम्मद और नूर फातिमा के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट के समय मोहम्मद इलियास और नूर मोहम्मद इलियास वाहन से कबाड़ उतार रहे थे।
धमाका इतना जोरदार था कि वाहन के पास मौजूद दोनों बच्चों की भी मौत हो गई। पुलिस ने विस्फोट के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

हिमाचल के कई जिलों में भारी बारिश, भूस्खलन से 98 सड़कें बंद; करोड़ों का नुकसान

शिमला, एजेंसी। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार प्रदेश में बीते चौबीस घंटों में कई हिस्सों में मूसलाधार वर्षा दर्ज की गई। जिला कांगड़ा के धर्मशाला में 68.2 मिलीमीटर वर्षा, इसके अलावा नगरोटा सूरियां में 60.4, सुजानपुर में 39.8 और सुंदरनगर में 33 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। ताजा वर्षा और भूस्खलन के कारण 98 सड़कें यातायात के लिए बंद हैं जिन्हें खोलने के प्रयास किए जा रहे हैं। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने 23 अगस्त के लिए प्रदेश के चार जिलों चंबा, मंडी, कुल्लू और बिलासपुर में कुछ एक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा का अनुमान लगाया है। प्रदेश में 89 विद्युत वितरण ट्रांसफार्मर खराब हैं जिसके कारण बिजली आपूर्ति बाधित है। हिमाचल प्रदेश में इस मानसून सीजन में 30 जून से 22 अगस्त के बीच प्रदेश को अब तक कुल 1,121.29 करोड़ का आर्थिक नुकसान का आकलन किया गया है। इसमें अकेले लोक निर्माण विभाग को 836.78 करोड़ और जल शक्ति विभाग को 258.61 करोड़ की क्षति हुई है। प्रदेश में कई स्थानों पर धूप और बादलों के बीच चार डिग्री तक दिन के तापमान में वृद्धि दर्ज की गई है। अधिकतम तापमान में सबसे अधिक वृद्धि कांगड़ा में 3.9, धर्मशाला में 3.4 डिग्री की वृद्धि दर्ज की गई।

ईसाई धर्म अपनाने का डाला दबाव, छत्तीसगढ़ में मतांतरण के आरोप में तीन महिलाएं गिरफ्तार

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के भनपुरी इलाके में घर में प्रार्थना सभा के जरिए मतांतरण कराने के आरोप में पुलिस ने तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता तरेंद्र कुमार वर्मा ने आरोप लगाया है कि महिलाओं ने उस पर ईसाई धर्म अपनाने के लिए दबाव डाला और प्रार्थना से बीमारी व दुख-दर्द दूर होने की बात कही। तीनों महिलाएं उसकी परिचित हैं और उसकी मोबाइल दुकान पर आती-जाती रहती थीं। आरोप है कि उन्होंने हिंदू धर्म को लेकर आपत्तिजनक बातें कहीं। 21 अगस्त को दोपहर तरेंद्र सुषमा कौशिक नामक महिला के घर पहुंचा। यहां करीब 20-25 लोग पहले से प्रार्थना कर रहे थे। आरोप है कि महिलाओं ने उसे भी मतांतरण के लिए कहा, लेकिन उसने इनकार कर दिया। इसी दौरान हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं को इसकी जानकारी मिली। उन्होंने मौके पर पहुंचकर विरोध-प्रदर्शन किया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और 12 लोगों को थाने लेकर आई। शिकायत के आधार पर तीनों महिलाओं के विरुद्ध अपराध दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया।

अकेले नहीं हैं रेवंत रेड्डी... ममता से केजरीवाल तक, इन मुख्यमंत्रियों को भी नहीं मिली थी विदेश यात्रा की अनुमति

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी विदेश मंत्रालय द्वारा आधिकारिक दौरे के लिए राजनीतिक मंजूरी न पाने वाले देश के नेताओं की सूची में शामिल हो गए हैं। वह तेलंगाना के गठन और विभाजित

आंध्र प्रदेश सरकार के समय, दोनों ही दौर में पहले ऐसे सीएम हैं, जिन्हें पॉलिटिकल मंजूरी नहीं मिली।

हालांकि, वह देश के पहले ऐसे नेता या मुख्यमंत्री नहीं हैं, इससे पहले भी ममता बनर्जी से लेकर अरविंद केजरीवाल तक... विपक्ष के कई नेताओं को मुख्यमंत्री और मंत्री रहने के दौरान विदेश यात्रा की मंजूरी नहीं मिली थी, और कुछ को तो कई बार मनाही का सामना करना पड़ा।

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पंजाब के सीएम भगवंत मान को राज्य के उद्योग मंत्री समेत 25 सदस्यों के प्रतिनिधिमंडल के साथ निवेश आकर्षित करने के लिए फरवरी 2026 में यूके और इजरायल जाना था, जिसके लिए पॉलिटिकल मंजूरी नहीं दी गई। इससे पहले एमईए ने मान को 2024 में 3 से 9 अगस्त के बीच पेरिस ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम का समर्थन करने के लिए जाने की मंजूरी भी नहीं दी थी। हालांकि, पंजाब के मुख्यमंत्री को दिसंबर 2025 में जापान और दक्षिण कोरिया जाने की मंजूरी मिल गई थी।

वहीं, सितंबर 2021 में पश्चिम बंगाल की तत्कालीन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी रोम में विश्व शांति सम्मेलन में शामिल होना चाहती थीं। लेकिन एमईए ने यह कहते हुए उन्हें पॉलिटिकल मंजूरी नहीं दी थी कि वह कार्यक्रम सीएम के लेवल का नहीं था। इस दौरान टीएम प्रमुख और उनके पार्टी के नेताओं ने मंजूरी न मिलने पर सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर की थी। इससे पहले ममता बनर्जी को 2018 में शिकागो जाने की योजना के लिए भी मंजूरी नहीं मिली थी।

विदेश जाने की मंजूरी न मिलने वाले विपक्षी नेताओं में प्रमुख अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया भी हैं। । अक्टूबर 2019 में दिल्ली के तत्कालीन सीएम अरविंद केजरीवाल को छ40 जलवायु शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए डेनमार्क जाने की एमईए से मंजूरी नहीं मिली थी। नवंबर 2025 में केरल के तत्कालीन छ्रू पिनाराई विजयन को सऊदी अरब, बहरीन और ओमान जाने के लिए राजनीतिक मंजूरी नहीं मिली थी।

दरअसल, केंद्र सरकार की नीति के तहत सभी सरकारी अधिकारियों और मुख्यमंत्रियों को किसी भी आधिकारिक या निजी विदेश यात्रा के लिए विदेश मंत्रालय से राजनीतिक मंजूरी और अन्य विभागों से अनुमति लेना अनिवार्य होता है। विदेश मंत्रालय कई बातों को ध्यान में रखकर राजनीतिक मंजूरी देने या न देने का फैसला करता है, जैसे कार्यक्रम का स्वरूप, निमंत्रण किस तरह का है, किस देश की यात्रा करनी है और भारत के साथ उस देश के संबंध कैसे हैं, वगैरह।

प्रोफेसर ही निकला पेपर लीक का मास्टरमाइंडः सील को तोड़े बिना एंडोस्कोपी कैमरे से चुराया पेपर, छात्रों को बेचा

रायपुर, एजेंसी। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय (आईजीकेवी) की बीएससी कृषि द्वितीय वर्ष, द्वितीय सेमेस्टर के कीट विज्ञान (एंटोमोलॉजी) विषय का प्रश्नपत्र लीक करने के मामले में पुलिस ने एक प्रोफेसर सहित छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। मामले में दो आरोपित अभी फरार हैं।

सभी को दो दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया है। जांच में सामने आया है कि मुख्य आरोपित भारती एग्रीकल्चर कालेज, दुर्ग के प्रोफेसर योगेश सोनकेसरिया ने लिफाफे की सील खोले बिना एंडोस्कोपिक कैमरे की मदद से प्रश्नपत्र का वीडियो बनाया फिर उसे नोट करके छात्रों तक पहुंचाया। पुलिस के अनुसार प्रश्नपत्र 11 हजार रुपये में बेचा गया पुलिस के अनुसार प्रश्नपत्र 11 हजार रुपये में बेचा गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि मामले में मुख्य आरोपित सहित छह लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। जांच जारी है और जो भी लोग संलिप्त पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि प्रोफेसर ने केवल 20 अगस्त को होने वाला एंटोमोलॉजी का प्रश्नपत्र ही लीक नहीं किया था, बल्कि इससे पहले आठ अगस्त को होने वाला पैथोलॉजी का प्रश्नपत्र भी अपने खास छात्रों को उपलब्ध कराया था। हालांकि, उस समय प्रश्नपत्र सार्वजनिक नहीं हुआ था। पुलिस के अनुसार योगेश वर्ष 2019 से भारती एग्रीकल्चर कॉलेज में प्रोफेसर है। 17 अगस्त को वह जोरा स्थित कृषि महाविद्यालय से आगामी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लेकर घर गया। पुलिस का दावा है कि उसने लिफाफे की सील से छेड़छाड़ किए बिना उसमें सूक्ष्म छेद कर एंडोस्कोपिक कैमरा अंदर डाला और प्रश्नपत्र की वीडियो रिकॉर्डिंग कर ली। इसके बाद वीडियो देखकर हाथ से प्रश्नपत्र लिखकर छात्रों तक पहुंचाया। एक छात्र अजय ने प्रश्नपत्र की सामग्री कई छात्रों तक पहुंचाई।

20 अगस्त को सुबह एजीसीएच-221 की परीक्षा होनी थी। परीक्षा शुरू होने से करीब दो घंटे पहले कवर्धा कृषि महाविद्यालय के ई-मेल पर प्रश्नपत्र लीक होने की सूचना मिली। उसके बाद संबंधित अधिकारियों को इसकी जानकारी दी गई।

गोल्डी बराड़ ने क्यों की थी हरदीप निज्जर की हत्या

भगोड़े गैंगस्टर ने लीक ऑडियो में खुद कबूला, बताई असली वजह

टोरंटो, एजेंसी। भगोड़े गैंगस्टर गोल्डी बराड़ ने कथित तौर पर एक लीक ऑडियो क्लिप में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या कराने की बात कबूल की है। 2023 में कनाडा के सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर हरदीप सिंह निज्जर की हत्या कर दी गई थी। ऑडियो क्लिप के अनुवाद के मुताबिक, बराड़ ने हत्या के पीछे निज्जर द्वारा स्थानीय ड्रग नेटवर्कों को संरक्षण देने को वजह बताया। साथ ही उत्तरी अमेरिका में अवैध ड्रग्स बेचने के लिए किशोरों का इस्तेमाल करने के भी आरोप लगाए। हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद भारत और कनाडा के बीच गंभीर राजनयिक विवाद पैदा हो गया था। भारत में कई हत्याओं के मामलों में वांछित गोल्डी बराड़ ने कथित ऑडियो क्लिप में खालिस्तानी चरमपंथी परमजीत सिंह पम्मा से बातचीत के दौरान निज्जर की हत्या की वजह बताई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बराड़ ने कथित तौर पर चरमपंथी परमजीत सिंह पम्मा को बताया, ये ऑपरेटर 16 से 17 साल के युवाओं को ड्रग्स बेचने के लिए काम पर रखते थे। इसके बाद युवाओं को ब्लैकमेल कर मुखबिर बनने के लिए मजबूर करते थे। निज्जर अपने प्रभाव को मजबूत करने के लिए ऐसे लोगों का समर्थन और संरक्षण करता था, ताकि जरूरत पड़ने पर उनका इस्तेमाल कर सके। ऑडियो क्लिप के अनुसार उसने आगे कहा, इसीलिए मुझे और मेरी टीम को निज्जर को मारना पड़ा, क्योंकि ये लोग युवाओं का इस्तेमाल ड्रग्स बेचने के लिए कर रहे थे।

ईरान की अमेरिका को दो-टूकः रवैया बदलो तभी खुलेगा होर्मुज; पड़ोसी देशों को दी धमकी

तेहरान, एजेंसी। ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एसएनएससी) के सचिव मोहसिन रेजाई ने शनिवार (स्थानीय समय) को दावा किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य अभी भी बंद है। उन्होंने कहा कि अमेरिका जब तक अपनी जिम्मेदारियां पूरी नहीं करता और अपना रवैया नहीं बदलता, तब तक इसे दोबारा नहीं खोला जाएगा।

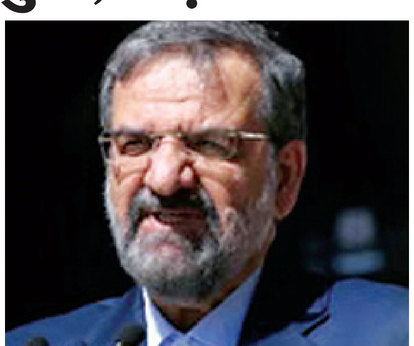

समाचार एजेंसी आईआरआईबी को दिए इंटरव्यू में रेजाई ने कहा, अमेरिका के दावों के बावजूद होर्मुज जलडमरूमध्य बंद है। अमेरिका का रवैया ठीक करने तक यह नहीं खुलेगा। उन्होंने आगे कहा, इस बार अमेरिका को पहले अपनी जिम्मेदारियां पूरी करनी होंगी। रेजाई ने आरोप लगाया कि वाशिंगटन ने सैन्य विकल्पों की उम्मीद छोड़ दी है। अब वह ईरान पर आर्थिक दबाव बनाने पर निर्भर है। उन्होंने कहा, सैन्य हमलों से अमेरिकी पूरी तरह निराश हैं। उन्हें लगता है कि आर्थिक नाकेबंदी के जरिये सैन्य कार्रवाई में मदद की जा सकती है। उन्होंने दावा किया कि इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भरोसा दिलाया है कि आर्थिक नाकेबंदी से ईरान आत्मसमर्पण कर देगा। रेजाई ने कहा, नेतन्याहू ने ट्रंप से वादा किया है कि अगर वह ईरान पर छह महीने या दो से तीन महीने तक आर्थिक नाकेबंदी लगाते हैं, तो ईरान आत्मसमर्पण कर देगा।

रेजाई ने यह भी दावा किया कि अमेरिका अपने सहयोगियों की मदद पर निर्भर है। उन्होंने कहा, ट्रंप अकेले हैं और उन्हें नाटो और अपने सहयोगियों की मदद चाहिए। उन्होंने कहा कि ईरान ने प्रतिबंधों से बचने के तरीके विकसित कर लिए हैं। इससे वह तेल बेचता रह सकता है। उन्होंने कहा, ईरान ने वर्षों के दौरान प्रतिबंधों से बचना और तेल बेचना सीख लिया है। रेजाई ने दोहराया कि ईरान पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को खत्म करना चाहता है। उन्होंने कहा कि ईरान युद्ध चाहने वालों के खिलाफ खड़ा है। उन्होंने कहा, ईरान पश्चिम एशिया में युद्ध खत्म करना चाहता है और दुनिया के युद्ध भड़काने वालों के खिलाफ खड़ा है। रेजाई ने कहा, हर घर आर्थिक युद्ध शुरू करने की जगह बन सकता है। उन्होंने आगे कहा, ईरानी युवाओं को अर्थव्यवस्था में उतरना चाहिए। हर मोहल्ला आर्थिक युद्ध के लिए मिसाइल बेस बन सकता है।

रेजाई ने अमेरिका की आर्थिक चुनौतियों का भी जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि ट्रंप के राष्ट्रपति रहने के दौरान अमेरिका का कर्ज बढ़ा है। रेजाई ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को संभालने का अधिकार ईरान के पास है। उन्होंने इसके लिए फारस की खाड़ी में ईरान की लंबी तटरेखा का हवाला दिया। उन्होंने कहा, फारस की खाड़ी के 50 प्रतिशत से ज्यादा तट पर ईरान का अधिकार है। इसलिए होर्मुज जलडमरूमध्य का प्रबंधन हमें ही करना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि ईरान अपना बचाव करेगा। वह अमेरिका को ईरानी क्षेत्र तक पहुंचने की अनुमति नहीं देगा। रेजाई ने कहा, हम पूरी ताकत से ईरान की रक्षा करेंगे और अमेरिकियों को ईरान तक पहुंचने की अनुमति नहीं देंगे।

मुनीर के खिलाफ सेना में असंतोष; रावलपिंडी की सुरक्षा बढ़ाई गई, छह माह तक तैनात रहेंगी तीन कंपनियां

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को मिली असीमित शक्तियों के खिलाफ सेना के अधीनस्थ रैंक अधिकारियों में असंतोष फैल गया है। स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि गृह मंत्रालय को रावलपिंडी में सैन्य मुख्यालय के आसपास सुरक्षा के लिए सेना की तीन कंपनियां तैनात करनी पड़ी हैं। यह तैनाती अगले छह माह के लिएहै। हालांकि, सरकार ने इसे राजनीतिक आक्रोश के कारण किसी तरह की संवेदनशील स्थिति से निपटने की कोशिश बताया है। गृह मंत्रालय ने सेना की तैनाती का आदेश संविधान के अनुच्छेद 245 के तहत उठाया गया है, जो नागरिक प्रशासन की सहायता के लिए सशस्त्र बलों की तैनाती का अधिकार देता है। बहरहाल, सूत्रों का कहना है कि हाल में पारित 27वें संविधान संशोधन और नए डिफेंस फोर्सेस एक्ट के बाद आसिम मुनीर को अभूतपूर्व शक्तियां मिल चुकी हैं। नए ढांचे के तहत मुनीर के पास अब थल, जल और वायु सेना, तीनों अंगों पर पूर्ण नियंत्रण है। मुनीर के पास किसी भी अधिकारी या जवान को सेवा से बर्खास्त करने और जबरन रिटायर करने के अधिकार आ गए हैं। इससे जूनियर और अधीनस्थ रैंकों के अधिकारी घुटन महसूस कर रहे हैं। जूनियर अधिकारियों में असंतोष से सैन्य नेतृत्व को संभावित बगावत की आशंका भी सता रही है। पाकिस्तान में हालिया संशोधनों के बाद फील्ड मार्शल मुनीर का कम से कम 2030 तक पद पर बने रहने का रास्ता साफ हो गया है। यही नहीं, उन्हें आजीवन कानूनी छूट तथा अभियोजन से सुरक्षा भी हासिल हो गई है। इससे सेनाओं के भीतर आंतरिक असंतोष को और हवा मिली है। दरअसल तीनों सेनाओं के कर्मियों को लग रहा है कि उनकी स्थिति बंधुआ मजदूर जैसी हो गई है। रावलपिंडी में सेना की यह ताजा तैनाती ऐसे समय में हुई है जब कुछ दिन पहले शहर के मॉल रोड पर सुरक्षा बलों पर एक हमला हुआ था, जिसमें एक संदिग्ध को मार गिराया गया।

यूएस में बड़ी साजिश नाकामः न्यूयॉर्क कैपिटल को लेकर एफबीआई निदेशक काश पटेल का खुलासा

वाशिंगटन, एजेंसी। एफबीआई निदेशक काश पटेल ने शनिवार को कहा कि संघीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने एक आतंकी साजिश नाकाम की है। उन्होंने कहा कि यह न्यूयॉर्क स्टेट कैपिटल को निशाना बनाने की साजिश थी। पटेल के मुताबिक, यह साजिश आईएसआईएस से प्रेरित थी। काश पटेल के मुताबिक, इस साजिश में अल्बानी की 35 साल की एक महिला शामिल थी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। पटेल ने संघीय आतंकवाद रोधी अभियानों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में 640 आतंकी हमलों की साजिशें नाकाम की गईं। उन्होंने एक्स पर लिखा, अमेरिकी जमीन पर एक और संभावित आतंकी हमला नाकाम किया गया। 35 साल की अल्बानी की एक महिला पर न्यूयॉर्क स्टेट कैपिटल को निशाना बनाने का आरोप है। उसने आईएसआईएस से प्रेरित हमले की साजिश रची थी। यह उन खतरों में से सिर्फ एक है, जिनका संघीय कानून प्रवर्तन सामना कर रहा है। पिछले साल 640 आतंकी हमलों की योजनाएं नाकाम की गईं।

पटेल ने मौजूदा सुरक्षा चुनौतियों पर भी बात की। उन्होंने कहा कि खतरे कई तरह के हैं। अधिकारी अमेरिका में लोगों को निशाना बनाने वाले खतरों से निपट रहे हैं। इसके साथ ही विदेश में तैनात अमेरिकी सैनिक भी निशाने पर हैं। उन्होंने कहा कि इन खतरों से भी अधिकारी निपट रहे हैं। अल्बानी की साजिश नाकाम होने पर पटेल ने कहा कि निर्दोष लोगों की जान जाने से पहले एक और कथित आतंकी साजिश रोक दी गई। उन्होंने कहा कि कुछ अभियानों के बारे में लोगों को जानकारी मिलती है। कई अभियानों के बारे में कभी पता नहीं चलता। उन्होंने कहा, यही हमारा मिशन है।

पटेल ने हमले को नाकाम करने में शामिल टीमों की तारीफ की। उन्होंने संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) की कार्रवाई को भी सराहा। उन्होंने कहा, हमारी एफबीआई अल्बानी टीम ने शानदार काम किया। न्याय विभाग में हमारे सहयोगियों ने भी अच्छा काम किया। अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लांशे ने भी सहयोग किया। यह एफबीआई खतरों का पता लगाती रहेगी। उन्हें नाकाम करती रहेगी। अमेरिकियों को सुरक्षित रखेगी। इससे पहले मई में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़ी कार्रवाई की जानकारी दी थी।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद राय Mob.: 9212228045, 8130691216
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@ pratahkiran.com, 9971557129, 9334542496